दैनिक
सुप्रभात रायपुर
आम आदमी का खास अखबार

प्रतिदिन राजधानी

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी · प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी · वर्ष : 26 · अंक : 36 रायपुर, बुधवार, 11 फरवरी 2026 · पृष्ठ : 12 · मूल्य ` 2.00 · RNI NO. CHH HIN/2001/05596

3 उपमुख्यमंत्री शर्मा बने ...

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

तृप्ति डिमरी का मजेदार ... 8

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

‘बस्तर पंडुम’ बस्तर की बदली पहचान, बना आत्मविश्वास का सशक्त प्रतीक : मोदी

जनजातीय परंपराओं के संरक्षण के साथ बस्तर को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री साय

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 7 से 9 फरवरी के बीच छत्तीसगढ़ में आयोजित बस्तर पंडुम को बस्तर की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और जनजातीय विरासत का भव्य उत्सव बताते हुए इससे जुड़े सभी सहभागियों को हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के साथ-साथ स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि एक समय बस्तर का नाम आते ही माओवाद, हिंसा और विकास में पिछड़ेपन की छवि उभरती थी, लेकिन आज परिस्थितियाँ पूरी तरह बदल चुकी हैं। अब बस्तर शांति, विकास और स्थानीय लोगों के बढ़ते आत्मविश्वास के लिए जाना जा रहा है। उन्होंने कामना की कि बस्तर का आने वाला समय शांति,

प्रगति और सांस्कृतिक गौरव से परिपूर्ण हो। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और निरंतर मार्गदर्शन से बस्तर आज सांस्कृतिक गौरव और समावेशी विकास के सशक्त प्रतीक के रूप में अपनी नई पहचान गढ़ रहा है। ‘बस्तर पंडुम’ जैसे आयोजन जनजातीय परंपराओं, लोक-संस्कृति और विरासत को सहेजने के साथ-साथ शांति, विश्वास और समावेशी प्रगति का प्रभावी संदेश देते हैं।

बस्तर को शांतति और विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने सरकार प्रतबिद्ध : सीएम साय

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से बस्तर के जनजीवन में सकारात्मक परिवर्तन स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार और आजीविका के अवसरों के विस्तार से क्षेत्र में भरोसे और सहभागिता का नया वातावरण बना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में जनजातीय समाज की परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के साथ-साथ बस्तर को शांति, समृद्धि और विकास की नई ऊँचाइयों तक निरंतर अग्रसर करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

रायपुर में केंद्रीय बजट संवादः चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने केंद्रीय मंत्री खट्टर को सौंपा ज्ञापन

डिजिटल ट्रांजैक्शन शुल्क हटाने की उठी मांग

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

8 फरवरी 2026 को रायपुर के बेबीलोन इंटरनेशनल में आयोजित केंद्रीय बजट संवाद कार्यक्रम में चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी जी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधिमंडल ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

इस अवसर पर चेम्बर प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात कर उन्हें व्यापारियों की समस्याओं से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा।

साथ ही सवाल जवाब दौर में चेम्बर कार्यकारी अध्यक्ष राजेश वासवानी एवं जसप्रीत सिंह सलूजा ने छोटे और मझोले दुकानदारों के लिए बैंकों की ब्याज दरों को कम करने की मांग।

क्रेडिट और डेबिट कार्ड ट्रांजैक्शन पर लगने वाले शुल्क को हटाने का अनुरोध किया ताकि व्यापारियों को डिजिटल भुगतान में सुविधा हो (जैसे पेटीएम, फोनपे और गूगल पे पर कोई शुल्क नहीं लगता)।

चेम्बर का प्रतिनिधिमंडल लगातार व्यापारियों के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासरत है।

इस अवसर पर पूर्व विधायक एवं चेम्बर संरक्षक श्रीचंद सुंदरानी, सलाहकार लाभचंद बाफना, महामंत्री अजय भसीन, सलाहकार अमर गिदवानी, कार्यकारी अध्यक्ष राजेश वासवानी, जसप्रीत सिंह सलूजा, विनय बजाज, ललित जयसिंघ, उपाध्यक्ष लोकेश चंद्रकांत जैन, राजेश गुरनानी, दिलीप इसरानी, वासुदेव जोतवानी, सुदेश मध्यान, राजेश सेतपाल, जितेंद्र बड़वानी, सोनिया साहू मंत्री रमेश मंधान, जतिन नचरानी, शंकर पिंजानी, दौलत परयानी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

भारत ने सऊदी अरब के ‘वर्ल्ड डिफेंस शो’ में दिखाई स्वदेशी हथियारों की ताकत

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत ने सऊदी अरब के रियाद में हुए वर्ल्ड डिफेंस शो में स्वदेशी हथियारों के जरिए अपनी ताकत दिखाई है। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने इंडिया पवेलियन का उद्घाटन किया, जिसमें भारत में बने हथियारों का प्रदर्शन किया गया। उन्होंने सऊदी अरब के रक्षा उद्योगों और रक्षा मंत्रालय की प्रदर्शनी का भी दौरा किया, ताकि उनकी स्वदेशी तकनीक की समीक्षा की जा सके।

रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ भारतीय

प्रतिनिधिमंडल के साथ रियाद में 8-9 फरवरी को हुए वर्ल्ड डिफेंस शो में हिस्सा लेने गए थे। उन्होंने सऊदी अरब के सहायक रक्षा मंत्री डॉ. खालिद बिन हुसैन अल-बियारी के साथ दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

रामायण वार्ता के लिए सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

देवभाषा संस्कृत के संरक्षण और उसके वैश्विक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से कार्य कर रही संस्था ‘रामायण रिसर्च काउंसिल’ ने ‘रामायण वार्ता’ के लिए सरगुजा से सांसद चिंतामणि महाराज को राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है।

इस संबंध में चिंतामणि महाराज ने कहा कि यह मेरे लिए और मेरे क्षेत्रवासियों के लिए अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है ।‘रामायण रिसर्च काउंसिल’ के तत्वावधान में संचालित प्रकल्प रामायण वार्ता-जिसका उद्देश्य देवभाषा संस्कृत के शिक्षण, प्रशिक्षण तथा संस्कृत भाषा में प्रकाशित पाक्षिक पत्रिका रामायण वार्ता के संचालन के माध्यम से संस्कृत के व्यापक प्रसार को सुनिश्चित करना है ।इसके लिए मुझे राष्ट्रीय अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

संस्कृत भाषा के संरक्षण, संवर्धन और प्रचार-प्रसार के इस पावन दायित्व के लिए मुझ पर जताए गए विश्वास के लिए मैं अपने संसदीय क्षेत्र की ओर से रामायण रिसर्च काउंसिल परिवार के कुमार सुशांत, पीताम्बर मिश्रा, राजेश सिंह और आनंद सिंह का आभार व्यक्त करता हूँ। यह दायित्व निश्चित रूप से देवभाषा संस्कृत के गौरव को जन-जन तक पहुँचाने की दिशा में एक सशक्त प्रयास सिद्ध होगा।

रामायण रिसर्च काउंसिल देशभर में संस्कृत शिक्षण और प्रशिक्षण का व्यापक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने जा रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत होने के बाद चिंतामणि महाराज ने कहा कि उनके परिवार की कई पीढ़ियां संस्कृत की सेवा में समर्पित रही हैं और उनके पिता ने संस्कृत प्रचार का जो सपना देखा था, उसे आगे बढ़ाना उनका लक्ष्य है। चिंतामणि महाराज पूर्व में छत्तीसगढ़ संस्कृत बोर्ड के अध्यक्ष रह चुके हैं और वर्तमान में एक संस्कृत महाविद्यालय का संचालन भी कर रहे हैं।

काउंसिल ने संस्कृत को आमजन तक पहुंचाने के लिए 60 दिनों का विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तैयार किया है। इस कोर्स के अंतर्गत 60 उच्च गुणवत्ता वाले वीडियो तैयार किए जा रहे हैं ताकि कोई भी व्यक्ति घर बैठे संस्कृत सीख सके।

राजिम कुंभ कल्प में विराट संत समागम का भव्य शुभारंभ

संतों के आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ पुनः पाएगा प्राचीन वैभव, प्रेरणादायी राज्य बनेगा - अरुण साव

राजिम (प्रतिदिन राजधानी)

राजिम कुंभ कल्प मेला के अंतर्गत मंगलवार को आयोजित विराट संत समागम का शुभारंभ भगवान श्री राजीव लोचन की विधिवत पूजा-अर्चना एवं संतों के पादुका पूजन के साथ भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने संत समागम को संबोधित करते हुए कहा कि जब कोई राज्य धर्म और आध्यात्म की दिशा में आगे बढ़ता है, तो वह कल्याणकारी बनता है। इसी पथ पर छत्तीसगढ़ निरंतर अग्रसर है। यही कारण है कि आज दुनिया कहती है छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया।

उन्होंने कहा कि संपूर्ण विश्व में सनातन धर्म का ध्वज लहरा रहा है और संतों के आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ अपने पुराने वैभव को पुनः प्राप्त कर एक प्रेरणादायी राज्य के रूप में उभरेगा। प्रदेश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गरिमा निरंतर बढ़ रही है।

संतों के आशीर्वाद से प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है - राजेश अग्रवाल

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में राजिम कुंभ मेला की ऐतिहासिक शुरुआत हुई थी। बाद में विपरीत विचारधारा के सत्ता में आने के कारण यह आयोजन कुछ समय के लिए विराम लग गया, लेकिन साधु-संतों के आशीर्वाद से प्रदेश में पुनः विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार बनी और उसी के साथ राजिम कुंभ कल्प का भव्य पुनरारंभ संभव हो सका।

छग सरकार राजऋषि की भूमिका निभा रही - स्वामी विशोकानंद

महामंडलेश्वर स्वामी विशोकानंद महाराज ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि यह मंच राजऋषि और ब्रह्मऋषि के पावन मिलन का साक्षी बन रहा है। उन्होंने कहा कि विद्वान संत ब्रह्मऋषि के रूप में मार्गदर्शन करते हैं, वहीं छत्तीसगढ़ सरकार ब्रह्मऋषियों का आशीर्वाद लेकर राजऋषि की भूमिका निभा रही है, इसके लिए सरकार साधुवाद की पात्र है।

नितिन नवीन का बिहार विधानसभा में स्वागत भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर जताया आभार

एजेंसी, पटना

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार बिहार विधानसभा पहुंचे नितिन नवीन का सदन में विभिन्न दलों के सदस्यों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस मौके पर नितिन नवीन ने अपने सम्मान के लिए सदन के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एक विधायक के रूप में जिस प्रकार आज उन्हें सम्मान दिया गया, वह उनके लिए भावुक और अविस्मरणीय क्षण है।

अपने संबोधन के दौरान नितिन नवीन ने भविष्य की योजना पर बात करते हुए कहा, मुझे पार्टी ने अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी है, उसे तो मैं निभाता ही रहूंगा, लेकिन बांकीपुर के विधायक के रूप में भी मैं अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करता रहूंगा।

नितिन नवीन ने कहा, मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि आज का दिन इस रूप में आएगा। यह मेरे व्यक्तिगत प्रयास का नहीं, बल्कि आप सभी वरिष्ठ नेताओं और साथियों के मार्गदर्शन तथा आशीर्वाद का परिणाम है। मैं पूरे सदन को इसके लिए धन्यवाद देता हूं।

ज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में भी देश में विशेष पहचान बनाएगा छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी विभाग छग और एसटीपीआई के बीच हुआ समझौता

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। हमारा लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ ज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में भी देश में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए। छत्तीसगढ़ सरकार राज्य को ज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है।आधुनिक अधोसंरचना, प्रभावी ई-गवर्नेंस प्रणाली और निवेश-अनुकूल नीतियों के चलते छत्तीसगढ़ आज आईटी, आईटीईएस एवं इमरजिंग टेक्नोलॉजी आधारित उद्योगों के लिए एक भरोसेमंद और आकर्षक गंतव्य के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज अपने निवास कार्यालय में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, छत्तीसगढ़ शासन एवं सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) के मध्य हुए महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) उपरांत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि युवाओं में उद्यमिता विकसित करने और उन्हें आईटी एवं आईटीईएस जैसे क्षेत्रों में विश्वस्तरीय अवसर

राज्य के भीतर ही उपलब्ध कराने की दिशा में यह पहल की गई है। इस एमओयू के तहत राज्य में सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप एवं इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एंड डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वन एवं औषधीय उत्पाद आधारित मेडटेक, स्मार्ट सिटी समाधान तथा स्मार्ट कृषि जैसे चार महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नवाचार और स्टार्ट-अप को प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही, एक अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एंड डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना की जाएगी, जो प्रति वर्ष लगभग 30 से 40 हार्डवेयर स्टार्ट-अप और एमएसएमई को प्रोडक्ट डिजाइन, प्रोटोटाइपिंग, कौशल विकास एवं क्षमता निर्माण की सुविधाएं प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस पहल से प्रदेश के युवाओं को राज्य के भीतर ही इनक्यूबेशन, मेंटरशिप, फंडिंग और आधुनिक प्रयोगशालाओं की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे उच्च कौशल वाले युवाओं का बड़े शहरों की ओर पलायन रुकेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने एसटीपीआई जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित संस्था के सहयोग को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि देशभर में 68 केंद्रों और 24 सेक्टर-विशेष सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप के माध्यम से एसटीपीआई का व्यापक अनुभव छत्तीसगढ़ के स्टार्ट-अप और नवाचार इकोसिस्टम को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह एमओयू राज्य के आर्थिक विकास में एक मील का पत्थर साबित होगा और छत्तीसगढ़ को डिजिटल नवाचार, तकनीकी उद्यमिता और स्टार्ट-अप के क्षेत्र में राष्ट्रीय मानचित्र पर एक नई पहचान दिलाएगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, इलेक्ट्रॉनिक और प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव अंकित आनंद, निदेशक एसटीपीआई रवि वर्मा, चिप्स के सीईओ प्रभात मलिक सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

13 फरवरी से सजेगा तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव का भव्य मंच

मुख्यमंत्री साय करेंगे मैनपाट महोत्सव का शुभारंभ

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले का मैनपाट एक प्रमुख हिल स्टेशन है, जिसे अपनी प्राकृतिक सुंदरता, ठंडी जलवायु और तिब्बती संस्कृति के कारण ‘छत्तीसगढ़ का शिमला’ और ‘छोटा तिब्बत’ भी कहा जाता है। मैनपाट के रोपाखार जलाशय के समीप आगामी 13 से 15 फरवरी तक तीन दिवसीय ‘मैनपाट महोत्सव’ का भव्य आयोजन होने जा रहा है। राज्य शासन के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य मैनपाट को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिलाना तथा स्थानीय लोक कला व संस्कृति का संवर्धन करना है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 28430/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 10/02/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 28430
वार्ड का नाम - 55 - रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR651D00918** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MUKTA** पिता/पति श्री/श्रीमती **KARSAN DAS** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्री कमलेश कुमार सोनी पिता/पति श्री/श्रीमती पिता श्री करसन दास सोनी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत दानपत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 28431/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 10/02/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 28431
वार्ड का नाम - 55 - रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR651F00209** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MEGHA JAIN , DHARMESH JAIN** पिता/पति श्री/श्रीमती **DHARMESH JAIN , DULICHAND JAIN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्री प्रवीण कुमार लुंकड़ पिता/पति श्री/श्रीमती पिता श्री मानकलाल लुंकड़ ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 28271/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 10/02/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 28271
वार्ड का नाम - 53 - बाबू जगजीवन राम वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR651KM2802** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MS DOLPHIN PROMOTERS AND BUILDERS** पिता/पति श्री/श्रीमती **MS DOLPHIN PROMOTERS AND BUILDERS** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **1.MR GAURAV PANDEY 2. SMT. RITU PADEY** पिता/पति श्री/श्रीमती **1. S/O MR. RAM KUMAR PANDEY 2. W/O MR GAURAV PANDEY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 28273/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 10/02/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 28273
वार्ड का नाम - 53 - बाबू जगजीवन राम वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR651P00305** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SANTDAS POTANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **TULARAM POTANI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **MR. NARAYAN DAS PHOTANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O TOLA RAM PHOTANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 28319/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 10/02/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 28319
वार्ड का नाम - 53 - बाबू जगजीवन राम वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR651I00144** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHANTI BAI MALU** पिता/पति श्री/श्रीमती **GYANMAL MALU** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **SMT. RANJANA MALU** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O MR. PRADEEP MALU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 28270/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 10/02/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 28270
वार्ड का नाम - 53 - बाबू जगजीवन राम वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR651KM2801** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MS DOLPHIN PROMOTERS AND BUILDERS** पिता/पति श्री/श्रीमती **MS DOLPHIN PROMOTERS AND BUILDERS** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **1.MR.BHOMRAJ TIWARI 2.SMT. POOJA TIWARI** पिता/पति श्री/श्रीमती **1.S/O MR. R.S. TIWARI 2.W/O MR BHOMRAJ TIWARI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 28432/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 10/02/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 28432
वार्ड का नाम - 55 - रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR651F0453A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1.PUSHPA DEVI 2. PRADEEP KUMAR** पिता/पति श्री/श्रीमती **1.PUSHPA DEVI 2. PRADEEP KUMAR** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती डॉक्टर राखी जैन पिता/पति श्री/श्रीमती पति डॉक्टर रोहित जैन ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 28269/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 10/02/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 28269
वार्ड का नाम - 53 - बाबू जगजीवन राम वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR652P10117** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GHANSHYAM DAS GOYAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **RAGHUVAR DAYAL GOYAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **MR. RAMESHWAR SAHU** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O SALIK RAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

संत युधिष्ठिर लाल शदाणी एवम संचालक पुरूषोत्तम तलरेजा से हुई सौजन्य मुलाकात

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

भारतीय शिक्षा बोर्ड के राज्य प्रभारी छबिराम साहू के नेतृत्व में विगत दिनों राजाराम इंग्लिश मीडियम स्कूल शदाणी दरबार रायपुर का भ्रमण किया गपा । इस अवसर पर पूज्य संत डॉ युधिष्ठिर लाल शदाणी एवं सुपुत्र श्री उदय लाल शदाणी से सौजन्य मुलाकात हुई। इस दौरान छबि राम साहू ने संस्थान को भारतीय शिक्षा बोर्ड के संबंध में विस्तार से अवगत कराया ।उल्लेखनीय है कि इस

अवसर पर संत युधिष्ठिर लाल शदाणी ने अपनी सैध्दांतिक स्वीकृति दे दी है। अभी तक राज्य से 17 विद्यालयो की एफीलेशन हो चुकी है। साथ ही और भी स्कूलो का सबदध होना है। विद्यालय के भ्रमण कर संचालक पुरुषोत्तम तालरेजा एवं प्राचार्य प्रियंका भवानी से भी चर्चा की गई। उक्त परिचर्चा में भारतीय शिक्षा बोर्ड के छबि राम साहू के साथ-साथ प्रहलाद दमाहे,जे.पी. महामल्ला एवं प्रवीण दमाहे आदि उपस्थित थे। परिचर्चा में श्री उदय शदाणी ने बताया कि भारतीय शिक्षा बोर्ड से हाईस्कूल की एफीलेशन हेतु सहमति प्राप्त हुई है, साथ ही तैयारी भी चल रही है।

पशुपालन योजनाओं की मॉनिटरिंग के लिए छत्तीसगढ़ पहुंचे केंद्रीय दल

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ में संचालित केन्द्रीय पशुपालन योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए भारत सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग, नई दिल्ली द्वारा तीन राष्ट्रीय स्तर के पर्यवेक्षक (नेशनल लेवल मॉनिटर) नियुक्त किए गए हैं। ये अधिकारी 9 से 14 फरवरी 2026 तक दुर्ग, बालोद और बेमेतरा जिलों का दौरा कर योजनाओं की प्रगति का निरीक्षण करेंगे।

इस दौरान राष्ट्रीय गोकुल मिशन, राष्ट्रीय पशुधन मिशन, राष्ट्रीय दुग्ध विकास कार्यक्रम और पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम के क्रियान्वयन की स्थिति को मौके पर जाकर परीक्षण करेंगे। भ्रमण दल में भारत सरकार के दो वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। भ्रमण कार्यक्रम के पहले दिन संचालनालय स्तर पर ब्रीफिंग सत्र आयोजित किया गया। बैठक में छत्तीसगढ़ शासन के कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सचिव, पशुधन विकास विभाग तथा भारत सरकार के नोडल अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े। संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं द्वारा केन्द्र से आए अधिकारियों और नेशनल लेवल मॉनिटर दल को योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी

कृषि उत्पादन आयुक्त द्वारा योजनाओं का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया। इसके बाद भारत सरकार से आए अधिकारी श्री मुकेश शर्मा, ने योजनाओं की समीक्षा ।

बैठक में राष्ट्रीय गोकुल मिशन और राष्ट्रीय दुग्ध विकास कार्यक्रम के तहत प्रदेश स्तरीय नोडल अधिकारियों ने प्रस्तुतिकरण दिया। वहीं पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम और राष्ट्रीय पशुधन मिशन के अंतर्गत चल रही गतिविधियों की भी जानकारी दी गई। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि इन योजनाओं का उद्देश्य पशुपालकों को समय पर लाभ दिलाना और पशुधन स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करना है।

1962 कॉल सेंटर का किया निरीक्षण

नेशनल लेवल मॉनिटर और भारत सरकार के प्रतिनिधियों ने संचालनालय परिसर में स्थित मोबाइल वेटेनरी यूनिट के कॉल सेंटर 1962 का भी निरीक्षण किया और वहां संचालित सेवाओं की जानकारी ली।

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला- रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.-.......अ/6अ/वर्ष 2025-26
आरंग, दिनांक 03.02.2026
ग्राम- आरंग प.ह.नं.-29

एतद द्वारा सर्वसाधारण एवं ग्रामवासियों को सूचित किया जाता है कि आवेदक चूडामणि चंद्राकर पिता बोधीराम चंद्राकर निवासी आमासिवनी रायपुर जिला रायपुर द्वारा छ.ग.भू.रा.सं. की धारा 115-116 के अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम आरंग प.ह.न. 29 रा.नि.मं. आरंग स्थित आवासीय परिवर्तित भूमि खसरा नं. 2165/4, 2167/15, 2168/1, 2175, 2176, 2181, 2201/1, 2202, 2209/3, 2210/1, 2252/1 का रकबा 0.0600, 0.0330, 0.0080, 0.1940, 0.0320, 0.0410, 0.0178, 0.0610, 0.3421, 0.0430, 0.1489हे. भूमि खातेदार चूडामणि चंद्राकर पिता बोधीराम चंद्राकर के नाम पर राजस्व अभिलेख मे दर्ज है। आवेदक की उक्त आवेदित भूमि के कैफियत कॉलम में अवैध प्लाटिंग की प्रविष्टि दर्ज की गई है। आवेदक द्वारा कैफियत कॉलम मे अवैध प्लाटिंग की प्रविष्टि को हटाये जाने हेतु अनुविभागीय अधिकारी (रा.) आरंग को आवेदन पेश कर निवेदन किये जाने पर जॉच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा/आपत्ति हो तो स्वयं उपस्थित होकर या अपने अभिभाषक के माध्यम से न्यायालयीन समय में उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 17/02/2026 तक प्रस्तुत कर सकते है। नियत अवधि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 03/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
आरंग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला- रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.-.......अ/6अ/वर्ष 2025-26
आरंग, दिनांक 03.02.2026
ग्राम- आरंग प.ह.नं.-29

एतद द्वारा सर्वसाधारण एवं ग्रामवासियों को सूचित किया जाता है कि आवेदक हरीशचंद चंद्राकर पिता रविकुमार चंद्राकर निवासी सुभाष नगर दुर्ग जिला दुर्ग द्वारा छ.ग. भू.रा.सं. की धारा 115-116 के अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम आरंग प.ह.न. 29 रा.नि.मं. आरंग स्थित खसरा नं. 2172/2, 2172/4 का रकबा 0.0836, 0.1954हे. भूमि खातेदार हरीशचंद चंद्राकर पिता रविकुमार चंद्राकर के नाम पर राजस्व अभिलेख मे दर्ज है। आवेदक की उक्त आवेदित भूमि के कैफियत कॉलम में अवैध प्लाटिंग की प्रविष्टि दर्ज की गई है। आवेदक द्वारा कैफियत कॉलम मे अवैध प्लाटिंग की प्रविष्टि को हटाये जाने हेतु अनुविभागीय अधिकारी (रा.) आरंग को आवेदन पेश कर निवेदन किये जाने पर जॉच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा/आपत्ति हो तो स्वयं उपस्थित होकर या अपने अभिभाषक के माध्यम से न्यायालयीन समय में उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 17.02.2026 तक प्रस्तुत कर सकते है। नियत अवधि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 03.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
आरंग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला- रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.-....../अ-74/वर्ष 2025-26
ग्राम- रसनी प.ह.नं.-28

एतद द्वारा सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक ईश्वर पिता कामता प्रसाद निवासी ग्राम रसनी तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर ग्राम रसनी प.ह.नं. 28 रा.नि.मं. व तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. स्थित भूमि खसरा नं. 518/3 रकबा 0.12 हे. भूमि ईश्वर पिता कामता प्रसाद वगैरह के संयुक्त नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त आवेदित भूमि का मूल किसान असावधानीवश कहीं गुम हो गया है, जिससे शासकीय कार्य, बैंकिंग कार्य प्रभावित होने के कारण डूप्लीकेट किसान किताब प्रदान किये जाने की निवेदन किया है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को दावा / आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनांक 16.02.2026 तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 22.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
आरंग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला- रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.-.......अ/6अ/वर्ष 2025-26
आरंग, दिनांक 03.02.2026
ग्राम- आरंग प.ह.नं.-29

एतद द्वारा सर्वसाधारण एवं ग्रामवासियों को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रियंका चंद्राकर पति चूडामणि चंद्राकर निवासी आमासिवनी रायपुर जिला रायपुर द्वारा छ.ग. भू.रा.सं. की धारा 115-116 के अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम आरंग प.ह.न. 29 रा.नि.मं. आरंग स्थित आवासीय परिवर्तित भूमि खसरा नं. 2200/1, 2205, 2206/1, 2207/1, 2208/1, 2209/1 का रकबा 0.0113, 0.0410, 0.0181, 0.0207, 0.0207, 0.1827हे. भूमि खातेदार प्रियंका चंद्राकर पति चूडामणि चंद्राकर के नाम पर राजस्व अभिलेख मे दर्ज है। आवेदक की उक्त आवेदित भूमि के कैफियत कॉलम मे अवैध प्लाटिंग की प्रविष्टि दर्ज की गई है। आवेदक द्वारा कैफियत कॉलम मे अवैध प्लाटिंग की प्रविष्टि को हटाये जाने हेतु अनुविभागीय अधिकारी (रा.) आरंग को आवेदन पेश कर निवेदन किये जाने पर जॉच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा/आपत्ति हो तो स्वयं उपस्थित होकर या अपने अभिभाषक के माध्यम से न्यायालयीन समय में उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 17/02/2026 तक प्रस्तुत कर सकते है। नियत अवधि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 03/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
आरंग (छ.ग.)

शपथ पत्र

मै शपथकर्ती प्रिया बसंती तिवारी पिता शिवकुमार तिवारी, निवासी- म.नं. 28, नेहरू नगर, चांदनी चौक, आरडीए कॉलोनी, रायपुर (छ.ग.) निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करती हूं :-

1. यह कि, मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार सत्य एवं सही है।

2. यह कि, मेरा जन्म दिनांक - 11/01/1998 को हुआ, जिसका जन्म प्रमाण पत्र पंजीकरण संख्या- 353, एवं पंजीकरण दिनांक 23/01/1998 है।

3. यह कि, उक्त जन्म प्रमाण पत्र में मेरा नाम- बासन्ती (प्रिया) दर्ज है, जो कि त्रुटिवश गलत दर्ज है।

4. यह कि, मेरा सही नाम- प्रिया बसंती तिवारी है, जो कि सत्य एवं सही है।

5. यह कि, उक्त जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज मेरा गलत नाम- बासन्ती (प्रिया) को सुधारकर सही नाम- प्रिया बसंती तिवारी दर्ज किया जावें, जिस हेतु यह शपथ पत्र सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत है।

सत्यापन:-

मै शपथकर्ती यह सत्यापित करती हूँ कि उपरोक्त शपथपत्र की कंडिका क्रमांक 1 से 5 तक में वर्णित सभी तथ्य सही एवं सत्य है अतः मैने आज दिनांक को स्वयं के हस्ताक्षर कर स्थान रायपुर में सत्यापित कर दिया।

दिनांक - 10.02.2026

शपथकर्ती
प्रिया बसंती तिवारी

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र -02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) फोन नं. 0771-4903223
email ID-eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व- साधारण को सूचित किया जाता है कि, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा सड्डू रायपुर में स्थित सामान्य आवास योजनांतर्गत ई.डब्ल्यू.एस. फ्लैट क्रमांक-41, ब्लॉक नं.-04, (प्रथम तल), को श्री गणेशु राम मनहरे पिता स्व. श्री धरम दास मनहरे, के नाम पर इस कार्यालय के आबंटन आदेश क्रमांक 2999 दिनांक 30.06.2010 के द्वारा स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर दिनांक 27.10.2009 को उपपंजीयक कार्यालय से लीजडीड निष्पादित पश्चात् इस कार्यालय के पत्र क्र. 4999-5000 दिनांक 09.09.2010 के द्वारा आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया गया है।

वर्तमान में आबंटी श्री गणेशु राम मनहरे पिता स्व.श्री धरम दास मनहरे, निवासी:- मकान नं-852, वार्ड नंबर-17, नियर आनंद नमकीन, कादम्बरी नगर, जिला- दुर्ग, (छ.ग.) के द्वारा उक्त फ्लैट को क्रेता श्री जय शंकर सिन्हा पिता श्री त्रिलोकी प्रसाद सिन्हा, निवासी:- रूम नं-1271, सेक्टर-08, हाउसिंग बोर्ड, कॉलोनी सड्डू, रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.) को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) प्राप्त करने हेतु इस कार्यालय में अपना विक्रय इकरारनामा, विक्रय विलेख, शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज के साथ आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त फ्लैट के विक्रय के सबंध में किसी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय बैंक अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन दिनांक के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर, रायपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्रमांक/........../अ-6/2025-2026
रायपुर, दिनांक 10/02/2026
ग्राम- गुढ़ियारी, प.ह.नं. 49,
तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आवेदिका श्रीमती लुकेश्वरी यादव पति श्री प्रशांत यादव निवासी ठक्कर बापा वार्ड यादव होटल गुढियारी, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.), द्वारा इस न्यायालय में धारा-110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत् नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि ग्राम गुढियारी प.ह.नं. 49, तहसील व जिला रायपुर में स्थित परिवर्तित भूमि शीट नंबर-4, प्लाट नंबर - 7 शामिल प्लाट नंबर-20 का भाग खसरा नंबर 1138/1 एफ/29 शामिल खसरा नंबर-1170/23 का भाग, रकबा 750 वर्गफुट भूमि है वर्तमान में राजस्व अभिलेख पर विक्रेता के नाम दर्ज है उपरोक्त वर्णित भूमि को आवेदक ने विक्रेता सोनू यादव वगैरह निवासी शंकर होटल के पीछे शुक्रवारी बाजार, गुढियारी, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 11.03.2025 के माध्यम से क्रय कर स्वामित्व एवं आधिपत्य प्राप्त किया है। जो कि उप पंजीयक कार्यालय रायपुर में पु.क्रं. अ-1 ग्रंथ क्रमांक 76512, दस्तावेज कमांक सी.जी-2024-25-108-1-6994 पृष्ट क्रमांक 452 से 471 देकर विधिवत पंजीकृत किया गया है अतः उक्त क्रय भूमि को पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर आवेदिका अपना नाम भूमिस्वामी हक में दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया है। उक्त प्रकरण की सुनवाई इस न्यायालय में दिनांक 23/02/2026 को होगी। अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से मय दस्तावेज अपनी लिखित दावा / आपत्ति दिनांक 23/02/2026 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 06)
:: आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर::
Email ID-rmczone6@gmail.com

पत्र क्र./26947/न.पा.नि./ जोन क्र.-06/2026
रायपुर, दिनांक 29/01/2026

// इश्तिहार //
नामांतरण प्र.क्र. 26947
वार्ड का नाम- 59- मोरेश्वर राव गद्रे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 59 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपटी आई डी **RPR651E00425** जो की निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **Sukhiram Sahu** पिता/पति श्री/श्रीमती **Tetakuram** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्री हरिश कुमार साहू पिता/पति श्री/श्रीमती पिता स्व. श्री सुखीराम साहू ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री हितेन्द्र कुमार यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 6
नगर पालिक निगम रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 11578/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 03/06/2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 11578
वार्ड का नाम - 53 - बाबू जगजीवन राम वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR651K00649** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ANUP SHUKLA** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE. RAM SWAROOP SHUKLA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **Shailendra Saxena** पिता/पति श्री/श्रीमती **Shri Suresh Chandrs** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 28433/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 10/02/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 28433
वार्ड का नाम - 53 - बाबू जगजीवन राम वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR652O00372** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VIRAL SHAH** पिता/पति श्री/श्रीमती **NILESH SHAH** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **SMT. SANGEETA GUPTA** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O MR. ARVIND GUPTA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 28274/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 10/02/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 28274
वार्ड का नाम - 53 - बाबू जगजीवन राम वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR651Q00134** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MANOJ BAJAJ** पिता/पति श्री/श्रीमती **M.D. BAJAJ** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **MR.SANTOSH LOHANA** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LATE ASHOK LOHANA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 28372/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 10/02/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 28372
वार्ड का नाम - 49 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 49 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR445L00347** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ASHISH GOSWAMI** पिता/पति श्री/श्रीमती **A.K. GOSWAMI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्रीमती सुमन बजाज पिता/पति श्री/श्रीमती पति श्री तेज कुमार बजाज ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 28373/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 10/02/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 28373
वार्ड का नाम - 49 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 49 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR445A00345** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KAWALJIT SINGH SAHNI** पिता/पति श्री/श्रीमती **MR. NARINDER SINGH SAHNI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती 1. श्री सरबजीत सिंह 2. श्री देवेन्दर सिंह साहनी पिता/पति श्री/श्रीमती दोनो के पिता श्री गुरूदेव सिंह साहनी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ शपथ पत्र, सहमति पत्र, आधार टैक्स रसीद / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

स्वाति तिवारी को पीएचडी की उपाधि प्रदान

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर निवासी श्रीमती स्वाति तिवारी को डॉक्टर सी वी रमन विश्वविद्यालय, कोटा ने मशीन लर्निंग (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के क्षेत्र में (सरकैसम डिटेक्शन इन सोशल मीडिया टेक्स्ट एंड ऑडियो कन्वर्सेशन यूसिंग सपोर्ट वेक्टर मशीन) शोध कार्य के लिए पीएचडी की उपाधि प्रदान की है द्य डॉ. स्वाति तिवारी ने अपना शोध कार्य डॉ. सी वी रमन विश्वविद्यालय के डॉ. विवेक शुक्ला के निर्देशन एवं डॉक्टर अभिषेक शुक्ला के सह निर्देशन में पूर्ण किया है द्य

डॉ. स्वाति तिवारी वर्तमान में कोलंबिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में मशीन लर्निंग की उपयोगिता में डॉ. स्वाति तिवारी का शोध उपयोगी साबित होगा, इस शोध का लाभ ऑनलाइन कस्टमर फीडबैक, ऑनलाइन एजुकेशन सिस्टम में एवं साइकोलॉजिस्टस के लिए सहयोगी होगा, उन्होंने अपने शोध को इंटरनेशनल जर्नल में प्रकाशित करने के साथ शोध का डिजाईन पेटेंट भी कराया है ।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से बेटियों को मिला सम्मान और सहारा उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

उपमुख्यमंत्री शर्मा बने समधी किया सभी का स्वागत

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

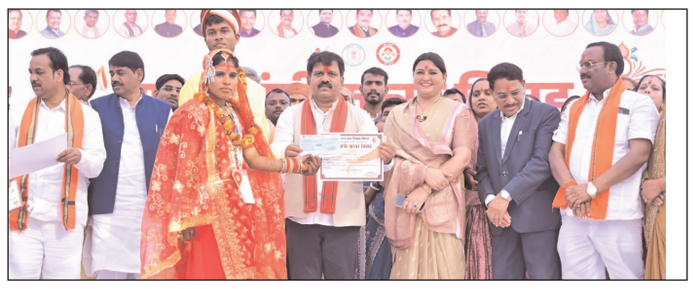

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत सामाजिक रिती-रिवाजों और अभुतपूर्व उत्साह के साथ कबीरधाम जिले के 272 जोड़े एक साथ सात फेरे लेकर अटूट बंधन में बंध गए। इस पावन अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय वर्चुअल माध्यम से जुड़कर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया। सरदार पटेल मैदान में आयोजित इस समारोह में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा शामिल वधुओं के परिजन बनकर शामिल हुए। इस अवसर में उन्होंने बारात का स्वागत करने के साथ सभी को परघाते हुए समधी की तरह सभी का अभिवादन किया। वरों एवं उनके परिजनों का फूल माला के साथ स्वागत करते हुए सभी का गले लगाकर अभिनंदन किया। उन्होंने परिणय सूत्र में बंधकर नए जीवन की शुरुआत करने वाले सभी नवदंपतियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में पंडित द्वारा वर-वधुओं को सात वचनों का संकल्प दिलाया गया, जिसके साथ ही विवाह की रस्में संपन्न हुईं। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने मंच पर पहुंचकर सभी नवदंपतियों को आशीर्वाद प्रदान किया और शासन की ओर से प्रत्येक जोड़े को 35-35 हजार रुपये की सहायता राशि का चेक और सामग्री भेंट किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी आशीर्वाद देते हुए कहा कि आज का दिन छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक है, क्योंकि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के माध्यम से अनेक जोड़े एक साथ विवाह के पवित्र बंधन में बंधकर अपने नए जीवन की शुरुआत कर रहे हैं। वर्ष 2005 में तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की परेशानियों को समझते हुए मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की शुरुआत की थी। पहले बेटियों की शादी के लिए परिवारों को कर्ज तक लेना पड़ता था, लेकिन इस योजना ने उनकी बड़ी चिंता दूर की है। इस पहल से गरीब और जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक संबल मिला है और बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न हो रहा है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने नवदाम्पत वर एवं वधु को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके सुखमय जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से आज पूरे सम्मान के साथ कबीरधाम जिले के 272 बेटियों की विवाह पूरे रीति-रिवाज और सामाजिक परंपरा के साथ एक आदर्श विवाह के रूप में संपन्न कराया गया। आज हम सब इस सामुहिक विवाह के साबने और नवदाम्पत जोड़ों को एक साथ, एक स्थान और एक मंच पर उन्हें आशीर्वाद प्रदान करने का अवसर भी हम सबकों मिला। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से नवविवाहित जोड़ों को वर्तमान में 35 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा रही है, जिससे उन्हें जीवन की नई शुरुआत में आर्थिक सहारा मिल सके। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कवर्धा में रायपुर के बाद सबसे अधिक नवजोड़ों का विवाह एक साथ संपन्न हो रहा है, जो इस जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि यहां विवाह का यह आयोजन सार्वजनिक रूप से पूरे परंपरा और रीति-रिवाज के साथ किया जाता है, जिसमें पूरे जिले के लोग मिलकर सहभागिता निभाते हैं और समाज एक परिवार की तरह साथ खड़ा रहता है। उन्होंने नवजोड़ों को संदेश देते हुए कहा कि सुखी जीवन का सबसे बड़ा सूत्र एक-दूसरे को समझना, सम्मान देना और हर परिस्थिति में साथ निभाना है। आचार्यों द्वारा विधि-विधान से विवाह नवदंपति अपने वचनों को निभाते हुए जीवनभर साथ चलें और अपने परिवार को आगे बढ़ाएं। पंडरिया विधायक आयोजित यह सामूहिक विवाह कार्यक्रम एक ऐतिहासिक क्षण है, जहां पूरे मंडप को दूल्हा-दुल्हनों से सजा हुआ देखकर अत्यंत खुशी और गर्व का अनुभव हो रहा है। इस अवसर पर कृषक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सुरेश चंद्रवंशी, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष सियाराम साहू, मोतीराम चंद्रवंशी, अशोक साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, राजेन्द्र चंद्रवंशी, जिला ठाकुर, पूर्व अध्यक्ष जिला पंचायत संतोष साहू, सभापति राज कुमार मरावी, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती गंगा साहू, सदस्य जिला पंचायत रोशन दुबे, श्रीमती राजकुमारी साहू, श्रीमती ललिता धुर्वे सहित सभी जनप्रतिनिधि ने नवदंपतियों को आशीर्वाद प्रदान किया।

छत्तीसगढ़ में उद्यमिता और इलेक्ट्रॉनिक्स नवाचार को मिलेगा नया आयाम

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने विकास की नई दिशा अपनाते हुए आधुनिक अधोसंरचना, पारदर्शी एवं प्रभावी ई-गवर्नेंस प्रणाली तथा निवेश-हितैषी नीतिगत ढांचे के माध्यम से एक अनुकूल औद्योगिक वातावरण का निर्माण किया है। राज्य शासन का निरंतर प्रयास है कि छत्तीसगढ़ को एक विश्वसनीय एवं आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करते हुए आईटी, आईटीईएस एवं इमरजिंग टेक्नोलॉजी आधारित उद्यमों को प्रोत्साहित किया जाए।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में 10 फरवरी को मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में प्रातः 10.30 बजे इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, छत्तीसगढ़ शासन एवं सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) के मध्य एक महत्वपूर्ण एमओयू होगा। इस समझौते के तहत राज्य में सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप (सीओई) तथा इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एंड डेवलपमेंट (ईएसडीडी) सेंटर की स्थापना हेतु एसटीपीआई द्वारा तकनीकी एवं संस्थागत सहयोग प्रदान किया जाएगा। समझौता ज्ञापन के अनुसार स्थापित किए जाने वाले सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप (सीओईएस) के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वन एवं औषधीय उत्पाद आधारित मेडटेक, स्मार्ट सिटी समाधान तथा स्मार्ट कृषि में नवाचार, स्टार्ट-अप एवं उद्यमिता को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके साथ ही एक अत्याधुनिक स्टार्ट-अप एवं एमएसएमई को प्रोडक्ट डिजाइन, प्रोटोटाइपिंग, कौशल विकास एवं क्षमता निर्माण की समग्र सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। यह पहल छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए उच्च कौशल आधारित रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर सृजित करेगी। युवाओं को राज्य के भीतर ही इनक्यूबेशन, मेंटरशिप, फंडिंग लिंकज, क्लाउड एवं डेटा सेंटर सेवाएं तथा अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं की सुविधा प्राप्त होगी।

कोरबा प्रथम आगमन पर राज्य अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष अमरजीत सिंह का भव्य स्वागत एवं जनसंवाद

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ शासन के राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त अमरजीत सिंह छाबड़ा के प्रथम कोरबा आगमन पर बुधवारी सीएसईबी चौक में आतिशबाजी एवं फूल-मालाओं के साथ भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

गुरुद्वारा साहिब, ट्रांसपोर्ट नगर प्रवास के दौरान अध्यक्ष छाबड़ा ट्रांसपोर्ट नगर स्थित गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेकने पहुँचे एवं गुरु घर का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर सिख समाज द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन पर आवश्यक एवं सकारात्मक कार्यवाही का आश्वासन दिया गया। जैन मंदिर, कोरबा में अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा ने जैन समाज के मंदिर में पहुँचकर इष्ट देव-देवताओं का आशीर्वाद लिया। जैन समाज के प्रतिनिधियों ने भी एक मांग-पत्र सौंपा, जिस पर यथोचित परीक्षण एवं कार्यवाही की बात कही गई।

विश्राम गृह में मुस्लिम समाज, जैन समाज, बौद्ध समाज, क्रिश्चन समाज एवं सिख समाज के प्रतिनिधिमंडलों से सौजन्य भेंट-मुलाकात कर अल्पसंख्यक कल्याणकारी योजनाओं, सामाजिक समरसता एवं विकास संबंधी विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष भाजपा प्रफुल्ल तिवारी जी,भाजपा जिला महामंत्री संजय शर्मा,अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष गगनदीप हंसपाल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा प्रकोष्ठ भाजपा आरिफ खान जी,मनजीत सैनी, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष उत्तम रंधावा, मंडल अध्यक्ष योगेश मिश्रा,पार्षद वार्ड नरेंद्र देवांगन, पूर्व युवा मोर्चा अध्यक्ष सजात ंसह,पूव ंजला अध्यक्ष भाजयुमो पंकज सोनी जी,भाजपा नेता किशन केशरवानी, युवा नेता रूपेश डिक्सन, तुषार साहू, मंडल अध्यक्ष अभिषेक गर्ग, सुकेश दलाल, प्रदेश कार्यकारिणी समिति सदस्य भूपेंद्र साहू,सन्नी सिंह जी,वीरा सिंह जी,शाला प्रबंधन समिति सदस्य लक्ष्य चतुर्वेदी जी,मंडल कार्यकारिणी समिति सदस्य नरेंद्र गोस्वामी जी सहित भाजपा जिला कोरबा के सम्माननीय पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी एवं समर्पित कार्यकर्ता गण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

यह गरिमामयी मुलाक़ात संगठन को नई मजबूती देने के साथ-साथ जनसेवा के संकल्प को और अधिक दृढ़ करने वाली सिद्ध हुई।

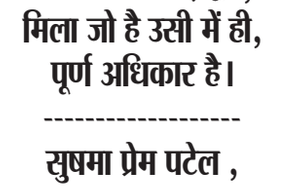

सुषमा के सोहिल सृजन छंद-मनहरण घनाक्षरी संतोष

अट्टालिका ऊँची नहीं,
नहीं कोई अभिमान,
विधि के विधान में ही,
जीवन का सार है।

तन में रेशम नहीं, घमण्ड
न धन पर,
मेहनत रोटी मिले,
ईश का आभार है।

पसीने की बूँद संग,
'सुषमा' जीवन खिले,
संतोष की छाया तले,
सुख का संसार है।
शिकवा न शिकायत,
भाग्य नहीं कोई द्वेष,
मिला जो है उसी में ही,
पूर्ण अधिकार है।

सुषमा प्रेम पटेल ,
रायपुर छ ग

संस्कृति विभाग सलाहकार समिति की बैठक अध्यक्ष अमर गिदवानी ने ली

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आज नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे के निर्देश पर नगर निगम मुख्यालय में संस्कृति विभाग की विभागीय सलाहकार समिति की बैठक विभाग के अध्यक्ष श्री अमर गिदवानी की अध्यक्षता एवं सदस्य पार्षद श्रीमती ममता सोनू तिवारी, श्री आनंद अग्रवाल, जोन 4 जोन अध्यक्ष श्री मुरली शर्मा, श्री महेश कुमार ध्रुव सहित अपर आयुक्त श्री विनोद पाण्डेय, उपायुक्त डॉ अंजलि शर्मा, कार्यपालन अभियंता श्री गजाराम कवर, उपअभियंता सुश्री रूचिका मिश्रा की उपस्थिति में हुई। संस्कृति विभाग सलाहकार समिति की बैठक में बच्चो की बोर्ड परीक्षाओ के उपरांत संस्कृति विभाग द्वारा प्रस्तावित सांगीतिक स्पर्धा आयोजन करवाने के निर्देश दिये गये। रायपुर नगर निगम क्षेत्र स्थित शहीदो, महापुरुषों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियो की मूर्तियो, प्रतिमाओं की साफ सफाई आवश्यक रंगरोगन, संधारण, सुवार मरम्मत, छत्र लगवाने का कार्य एवं नवीन प्रस्तावो के संकल्प अनुसार तय स्थलो पर मूर्ति की ससम्मान स्थापना एवं नामकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये और नगर वासियों को रायपुर शहर की समृद्ध विरासत से अवगत करवाने हेरिटेज वाक के आयोजन पर आवश्यक चर्चा और विचार- विमर्श किया गया। इसी प्रकार आज खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग की विभागीय सलाहकार समिति की बैठक अध्यक्ष श्री नंदकुमार साहू की अध्यक्षता एवं सदस्य पार्षद श्रीमती ममता सोनू तिवारी, श्री राजेश कुमार देवांगन, जोन 1 अध्यक्ष श्री गज्जू साहू, पार्षद श्री महेश कुमार ध्रुव, अपर आयुक्त श्री विनोद पाण्डेय, उपायुक्त श्री जसदेव सिंह बाबरा, कार्यपालन अभियंता श्री गजाराम कंवर, उपअभियंता सुश्री रूचिका मिश्रा की उपस्थिति में हुई। बैठक में नगर निगम खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा शीघ्र इंटर जोन किकेट स्पर्धा का आयोजन रखने और 15 सदस्यीय किकेट दलो में महिला कर्मचारियों को भी सम्मिलित करने के निर्देश दिये गये। बैठक मे नगर निगम रायपुर क्षेत्र में शासन एवं जिला प्रशासन के निर्देश पर विभिन्न स्थानो पर निर्मित बॉक्स किकेट स्पोर्टस जोन का समुचित संधारण करने के सम्बन्ध में आवश्यक गया, वहीं नगर निगम रायपुर क्षेत्र अंतर्गत शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों हेतु खेलकूद स्पर्धा के आयोजन को लेकर आवश्यक चर्चा और विचार- विमर्श किया गया।

खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग सलाहकार समिति की बैठक अध्यक्ष नंदकिशोर साहू ने ली

राजस्व मंत्री वर्मा ने खिलौरा में डेढ़ करोड़ के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा मंगलवार को विकासखंड सिमगा के ग्राम खिलौरा पहुंचे। प्रथम खिलौरा आगमन पर राजस्व मंत्री का स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणों ने भव्य स्वागत किया। मंत्री वर्मा ने ग्राम खिलौरा में लगभग डेढ़ करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन और शिलान्यास किया।

इसमें 15 लाख रुपए की लागत से निर्मित प्रार्थना शेड,1 करोड़ 2 लाख रुपए की लागत से पानी टंकी,3 लाख रुपए की लागत से निर्मित रंगमंच उन्नयन कार्य और 5 लाख रूपए की लागत से निर्मित मुक्ति धाम अहाता और 5 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन (बाल समाज) का लोकार्पण तथा 10 लाख और 9.85 लाख रुपए की लागत से निर्मित होने वाले पीडीएस भवन का भूमिपूजन कार्य शामिल हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि क्षेत्र के हर नागरिक के विकास के लिए राज्य सरकार कृतसंकल्पित है। पूरे प्रदेश में विकास के कार्य तेज गति से चल रहे है, सभी के लिये योजनाये संचालित है जिसका लाभ मिलने से लोग खुश है। प्रदेश में चारों तरफ समृद्धि की बयार बह रही है।उन्होंने उपस्थित स्कूली बच्चों को शिक्षा के लिए प्रेरित किया।

मेकाहारा के डॉक्टरों ने चाकू से कटी मुख्य धमनी व सबक्लेवियन आर्टरी को जोड़कर बचाया युवक का हाथ

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय (मेकाहारा), रायपुर के डॉक्टरों ने एक बार फिर जटिल और जानलेवा केस की जटिल एवं सफलतापूर्वक सर्जरी कर घायल मरीज के हाथ को कटने से बचाया।

डॉक्टरों के अनुसार, यदि मरीज को समय पर इस प्रकार की जटिल शल्य- चिकित्सा की सुविधा नहीं मिलती तो मरीज के हाथ कटने की नौबत आ जाती और मरीज दिव्यांग हो जाता। हार्ट- चेस्ट और वैस्कुलर सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत साहू के नेतृत्व में एक युवक के कंधे पर चाकू से हुए हमले में बुरी तरह क्षतिग्रस्त मुख्य रक्त नली (सबक्लेवियन आर्टरी) को जोड़कर डॉक्टरों की टीम ने न केवल मरीज की जान बचाई, बल्कि उसका हाथ कटने से भी बचा लिया। इस सर्जरी की एक और विशेष बात यह रही कि इसमें ऑर्थोपेडिक सर्जन भी शामिल रहे जिनकी मदद से कॉलर बोन को काटा गया एवं ऑपरेशन के बाद वापस प्लेट लगाकर जोड़ दिया गया। इस केस की विस्तृत जानकारी देते हुए विभागाध्यक्ष (हार्ट-चेस्ट और वैस्कुलर सर्जरी) डॉ. कृष्णकांत साहू ने मंगलवार को बताया कि अम्बेडकर अस्पताल के ट्रॉमा यूनिट में 34 वर्षीय एक मरीज अत्यधिक रक्तस्राव और मरणासन्न अवस्था में लाया गया। मरीज इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी में काम करता है और अमलेश्वर का निवासी है। परिजनों के अनुसार, मरीज अपने परिवार के साथ मोटरसाइकिल से रायपुर रेलवे स्टेशन की ओर जा रहा था, तभी इलेक्ट्रिक रिक्शा से टक्कर हो गई। विवाद के दौरान रिक्शा चालक ने मरीज के बाएं कंधे पर धारदार चाकू से हमला कर दिया। घाव इतना गहरा था कि कंधे की हड्डी (क्लेविकल बोन) के पीछे से गुजरने वाली मुख्य धमनी सबक्लेवियन आर्टरी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

विधायक निधि मद के कार्यादेश के दो वर्ष बाद भी लंबित विधायक सुनील सोनी ने नाराजगी व्यक्त कर दिए निर्देश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने रायपुर नगर पालिक निगम जोन 5 कार्यालय पहुंचकर नगर निगम एमआईसी सदस्य, जोन 5 अध्यक्ष, वार्ड पार्षदों की उपस्थिति में जोन अधिकारियों की आवश्यक बैठक द्यद्ध और रायपुर दक्षिण विधायक निधि मद के विकास कार्योंके स्वीकृति और कार्यादेश के बाद भी दो वर्षों से लंबित होने पर गहन नाराजगी व्यक्त की. रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने चालू माह फरवरी 2026 में दक्षिण विधायक निधि के सभी लंबित विकास कार्यों को अगले 10 दिनों के भीतर सम्बंधित स्थलों पर प्रारम्भ करवाकर माह मार्च 2026 तक लोकार्पण करने तैयार किया जाना प्राथमिकता से सुनिश्चित करवाने निर्देशित किया. दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने कहा कि रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के वार्डों में विधायक निधि के एक भी विकास कार्य को किसी भी हालत में लेप्स नहीं होने दिया जायेगा, इसका सम्बंधित जोन 5 के अधिकारीगण विशेष ध्यान रखें और रायपुर दक्षिण विधायक निधि मद में विकास कार्यों हेतु प्रदत्त राशि का जनहित के स्वीकृत विकास कार्यों को करवाने में पूर्ण सदुपयोग करें. सभी कार्यों को तत्काल स्पाट पर प्रारम्भ करवाएं और सतत मॉनिटरिंग करते हुए मार्च तक शत - प्रतिशत कार्य पूर्ण करवा लें. जो ठेकेदार कार्यादेश के बाद अब भी विकास कार्य प्रारम्भ ना करें, उन्हें तत्काल काली सूची में डालने की कड़ी कार्यवाही नियमानुसार करें.रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने इस बाबत रायपुर नगर निगम आयुक्त को पत्र लिखकर नगर निगम जोन 5 जोन कमिश्नर को आदेशित कर रायपुर दक्षिण विधायक निधि के सभी लंबित विकास कार्यों को तत्काल जनहित में प्रारम्भ करवाने निर्देशित किया है.

रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने पेयजल टंकियों में जल का पूर्ण भराव सतत नियमित मॉनिटरिंग करवाकर सुनिश्चित करवाने और नागरिकों को पर्याप्त पेयजल प्रेशर के साथ दिलवाने व्यवस्था देने निर्देशित किया. दक्षिण विधायक ने वार्डों में पार्षदों के साथ समन्वय रखकर वार्डो का निरीक्षण कर गर्मी में संभावित पेयजल संकट का समाधान करने तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने निर्देशित किया. दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने अधिकारियों को चंगोराभाठा में बाजार हेतु रिक्त भूमि का शीघ्र वार्ड पार्षद के साथ वार्ड का निरीक्षण कर स्थल चिन्हाँकन कर प्रस्ताव देकर जनहित में जनसुविधा हेतु कार्यवाही करने जोन 5 अधिकारियों को सुनील सोनी द्वारा ली गयी समीक्षा बैठक में अग्रवाल, एमआईसी सदस्य श्रीमती सुमन अशोक पाण्डेय,पार्षद श्रीमती ममता सोनू तिवारी, श्रीमती दुर्गा यादराम साहू, कृष्णा लाल महेन्द्र प्रताप सिँह, सहायक अभियंता नागेश रामटेके, सहायक राजस्व अधिकारी प्रमोद जाधव, जोन स्वास्थ्य अधिकारी संदीप वर्मा सहित जोन 5 के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार, 11 फरवरी 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

सम्पादकीय

राष्ट्रीय मिशन बने महाशक्ति बनना

कुछ समय पहले भारी मुनाफा कमाने वाली एक भारतीय कंपनी ने एक छोटी सी चीनी कंपनी से सौर ऊर्जा से जुड़ी तकनीक खरीदनी चाही, परंतु उसने देने से मना कर दिया। यह तब हुआ, जब भारत अंतरराष्ट्रीय सोलर एलायंस का संस्थापक है। भारत ने फ्रांस के साथ इस अंतरराष्ट्रीय संगठन की स्थापना 2015 में की थी। यह अपनी तरह का पहला बड़ा संगठन है, जिसका मुख्यालय भारत में स्थित है। इसका उद्देश्य 125 सदस्य देशों के साथ मिलकर 2030 तक सौर ऊर्जा उत्पादन में एक ट्रिलियन डॉलर का निवेश और 1000 गीगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन है। चीन को कई बार इसमें शामिल होने का न्योता दिया गया, पर उसने स्वीकार नहीं किया। विडंबना यह है कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय संगठन के अगुआ भारत की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक को चीन की छोटी सी कंपनी के पास ही सौर ऊर्जा से जुड़ी तकनीक मांगने जाना पड़ा। इसका कारण यह है कि हजारों करोड़ रुपये प्रति तिमाही का मुनाफा कमा रही भारतीय कंपनियां भी नई तकनीक के अनुसंधान में भारत में निवेश नहीं करना चाहती हैं। वे खुदरा माल-सेवाओं के आपूर्तिकर्ता मात्र के रूप में अपने व्यापार का विस्तार कर रही हैं और टेक्नोलाजी के लिए दूसरे देशों पर निर्भर हैं। इसी कमजोरी के चलते हम विश्व स्तर पर नेतृत्व देने में अक्षम हैं। विश्व शक्तियां हमें अक्षम ही बने रहने देना चाहती हैं। इसका ताजा उदाहरण अमेरिका के नेतृत्व वाला पैक्स सिलिका गठजोड़ है।

पैक्स सिलिका महत्वपूर्ण तकनीकी क्षेत्रों में काम आने वाले दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति और प्रसंस्करण से जुड़ी आपूर्ति शृंखलाओं को पिरोकर चीन जैसे देशों के इस क्षेत्र पर नियंत्रण से निकलने के उद्देश्य से बनाया गया है। पहले भारत ने इससे जुड़ने की इच्छा जताई थी, परंतु ट्रंप प्रशासन ने उसे नकार दिया था। इस पर भारत के कुछ उद्योगपतियों ने कहा था कि यदि सरकार उनके साथ सहयोग करे तो वे दुर्लभ खनिजों का खनन और प्रसंस्करण भारत में कर सकते हैं। भारत के पास चीन और ब्राजील के बाद दुर्लभ खनिजों का विश्व का तीसरा सबसे बड़ा भंडार है, जबकि अमेरिका इस मामले में विश्व में सातवें नंबर पर है। ट्रंप साम-दाम-दंड-भेद का प्रयोग कर ग्रीनलैंड पर कब्जे के प्रयास में इसलिए जुटे, क्योंकि ग्रीनलैंड के पास विश्व का आठवां सबसे बड़ा दुर्लभ खनिजों का भंडार है। अगर अमेरिका ग्रीनलैंड को हासिल भी कर ले तब भी 3.4 मीट्रिक टन के साथ उसका स्थान सातवां ही रहेगा। विचारणीय यह है कि दुर्लभ खनिजों के क्षेत्र में भारत को अमेरिका का पिछलग्गू बनना चाहिए या आत्मनिर्भर? जैसे ही भारतीय उद्योगपतियों ने स्वयं इन खनिजों के खनन और प्रसंस्करण करने की बात कही, अमेरिका ने तुरंत अपनी चाल बदलकर भारत को पैक्स सिलिका में जुड़ने के लिए आमंत्रित कर लिया। इसकी वकालत करने वाली एक लाबी के अनुसार इन दुर्लभ खनिजों का खनन और प्रसंस्करण बहुत जटिल प्रक्रिया है, इसलिए भारत का अमेरिका की अगुआई में काम करना आसान रहेगा।

खेजड़ी कटेगी तो थार सूखेगा

भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की महत्वाकांक्षा के साथ सौर ऊर्जा को विकास की धुरी बनाया है। राजस्थान को उसकी भौगोलिक स्थिति के कारण सोलर हब के रूप में विकसित किया जा रहा है और राज्य सरकार लगभग 90 गीगावाट सौर ऊर्जा लक्ष्य का पीछा कर रही है। किंतु यह प्रश्न अनिवार्य हो जाता है कि क्या हरित ऊर्जा का विस्तार हरियाली के विनाश की कीमत पर किया जा सकता है। पश्चिमी राजस्थान में स्थापित सोलर पार्क्स के लिए बड़े पैमाने पर भूमि अधिग्रहण हुआ है, जिसमें खेजड़ी जैसे संरक्षित वृक्षों की रातोंरात कटाई की गई।

डॉ. सत्यवान सौरभ

राजस्थान का थार मरुस्थल केवल रेत का विस्तार नहीं है, बल्कि यह एक जटिल और संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र है, जिसकी जीवनरेखा खेजड़ी जैसे देशज वृक्षों से जुड़ी है। हाल के वर्षों में पश्चिमी राजस्थान विशेषकर जोधपुर, बाड़मेर, नागौर और बीकानेर में सौर ऊर्जा परियोजनाओं के तीव्र विस्तार ने इस पारिस्थितिकी को गंभीर संकट में डाल दिया है। इसी पृष्ठभूमि में उभरा खेजड़ी बचाओ आंदोलन केवल एक स्थानीय विरोध नहीं रह गया, बल्कि यह विकास के मौजूदा मॉडल, पर्यावरणीय न्याय और लोकतांत्रिक भागीदारी पर एक व्यापक और गहन बहस को जन्म देता है।

खेजड़ी को राजस्थान का राज्य वृक्ष घोषित किया जाना केवल प्रतीकात्मक नहीं था। यह वृक्ष थार की शुष्क और कठोर जलवायु में जल संरक्षण, मिट्टी की उर्वरता, पशुपालन आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था और जैव विविधता का आधार रहा है। इसकी फलियाँ पशुओं के लिए पोषक चारे का कार्य करती हैं, पत्तियाँ हरित आहार प्रदान करती हैं और इसकी गहरी जड़ें भूजल को थामे रखती हैं। मरुस्थलीय समाज की लोकसंस्कृति में खेजड़ी केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन और सम्मान का प्रतीक है, जिसे लोकवाणी में कहा गया 'सिर साटै रूख रहे, तो भी सस्तो जाण।' ऐसे वृक्षों का बड़े पैमाने पर कटना केवल पर्यावरणीय क्षति नहीं, बल्कि सदियों से चले आ रहे मानव और प्रकृति के सहजीवन को तोड़ने जैसा है। अनेक मामलों में पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन या तो किया ही नहीं गया, या उसे महज औपचारिक प्रक्रिया बनाकर छोड़ दिया गया। इसके परिणामस्वरूप पारंपरिक चरागाह भूमि नष्ट हुई, पशुपालकों की आजीविका प्रभावित हुई और मरुस्थलीय क्षेत्र में मिट्टी क्षरण की प्रक्रिया और तेज हो गई। यह स्थिति सतत विकास की उस अवधारणा से सीधा टकराव है, जिसमें ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक न्याय को समान रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। खेजड़ी बचाओ आंदोलन इसी विरोधाभास को उजागर करता है। यह आंदोलन 2024 में स्थानीय स्तर पर उभरा, किंतु 2026 तक आते-आते एक संगठित जनांदोलन का स्वरूप ले चुका है। 2 फरवरी 2026 को बीकानेर के पॉलिटेक्निकल कॉलेज में आयोजित महापड़ाव इस संघर्ष का निर्णायक क्षण सिद्ध हुआ। बाजार बंद रहे, शैक्षणिक संस्थानों में अवकाश घोषित हुआ और हजारों की संख्या में लोग संत, साधु, महिलाएँ और युवाएक साझा मंच पर एकत्र हुए। यह दृश्य स्पष्ट करता है कि यह संघर्ष केवल किसी एक समुदाय का नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक सरोकार का विषय बन चुका है। आंदोलन के संयोजकों ने सरकार के समक्ष यह स्पष्ट चेतावनी रखी कि यदि राज्य स्तर पर सख्त वृक्ष संरक्षण कानून नहीं लाया गया, तो आंदोलन और तीव्र होगा। क्रमिक अनशन, कैंडल मार्च और कलेक्ट्रेट घेराव जैसे शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक उपायों के माध्यम से सरकार पर दबाव बनाया गया। 4 फरवरी तक सैकड़ों अनशनकारी दर्ज किए गए, जिनमें महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी इस आंदोलन को नैतिक और सामाजिक शक्ति प्रदान करती है। मातृशक्ति की यह भागीदारी केवल विरोध का प्रतीक नहीं, बल्कि ग्रामीण आजीविका, लोकसंस्कृति और भविष्य की पीढ़ियों की चिंता को भी व्यक्त करती है। यह आंदोलन बिश्नोई समाज की उस ऐतिहासिक चेतना से गहराई से जुड़ा है, जिसकी जड़ें 1730 के खेजड़ली कांड में मिलती हैं। अमृता देवी बिश्नोई और उनके साथ 363 लोगों द्वारा खेजड़ी के संरक्षण के लिए दिया गया बलिदान विश्व इतिहास में पर्यावरण रक्षा का प्रथम संगठित उदाहरण माना जाता है। लगभग तीन सौ वर्ष बाद उसी भूमि पर खड़ा यह आंदोलन ऐतिहासिक स्मृति और वर्तमान संघर्ष को जोड़ता है। यह निरंतरता आंदोलन को केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि नैतिक वैधता भी प्रदान करती है, जो इसे सामान्य पर्यावरणीय विरोध से अलग बनाती है। राजस्थान सरकार ने खेजड़ी को राज्य वृक्ष घोषित किया है, किंतु इसके संरक्षण के लिए प्रभावी और बाध्यकारी कानूनी ढांचे का अभाव लंबे समय से महसूस किया जा रहा है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण और सर्वोच्च न्यायालय द्वारा वृक्ष संरक्षण को लेकर दिए गए निर्देशों के बावजूद जमीनी स्तर पर उनका अनुपालन कमजोर रहा है। आंदोलनकारियों की मुख्य मांग है कि पूरे राज्य के लिए एक सशक्त राजस्थान वृक्ष संरक्षण अधिनियम लागू किया जाए, जो विकास परियोजनाओं में वृक्षों की कटाई को अंतिम विकल्प बनाए, न कि पहली शर्त। कुछ जिलों में अस्थायी रोक या आंशिक आदेश इस संरचनात्मक समस्या का समाधान नहीं कर सकते। यद्यपि आंदोलन स्वयं को अराजनीतिक बताता है, किंतु इसका प्रभाव राजनीति पर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। 'नो ट्री, नो वोट' जैसे नारों ने पर्यावरण को एक निर्णायक चुनावी मुद्दे के रूप में सामने ला दिया है। स्थानीय विधायक और सांसदों की चुप्पी पर सवाल उठ रहे हैं और सामाजिक बहिष्कार जैसी चेतावनियाँ लोकतांत्रिक दबाव के नए रूप को दर्शाती हैं। यह संकेत करता है कि भारत में पर्यावरण अब केवल नीति का विषय नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व का प्रश्न बनता जा रहा है, जिसका प्रभाव आने वाले चुनावों में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। यह आंदोलन सौर ऊर्जा या विकास के विरोध में नहीं है। आंदोलनकारियों का तर्क स्पष्ट है कि ऊर्जा संक्रमण आवश्यक है, किंतु वह वन विनाश का पर्याय नहीं बन सकता। समाधान के रूप में राज्य स्तर पर सख्त वृक्ष संरक्षण कानून, सोलर परियोजनाओं में अनिवार्य हरित पट्टी, स्थानीय समुदायों की भागीदारी, बंजर भूमि और रूफटॉप सोलर को प्राथमिकता तथा पुनर्वनीकरण अभियानों की मांग रखी गई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चीन और अमेरिका जैसे देशों में अपनाए जा रहे ऐसे मॉडल, जहाँ सोलर पार्क्स के साथ जैव विविधता संरक्षण को जोड़ा गया है, भारत के लिए भी अनुकरणीय हो सकते हैं। अंततः खेजड़ी बचाओ आंदोलन यह स्मरण कराता है कि विकास का अर्थ केवल ऊर्जा उत्पादन, निवेश और आंकड़ों तक सीमित नहीं हो सकता। यह आंदोलन लोकतंत्र की उस शक्ति को रेखांकित करता है, जिसमें साधारण नागरिक संगठित होकर नीतियों की दिशा बदलने की क्षमता रखते हैं। एक शोधार्थी के दृष्टिकोण से यह कहा जा सकता है कि खेजड़ी बचाओ आंदोलन भारतीय पर्यावरण आंदोलनों के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय बनने की क्षमता रखता है। यदि सरकार संवाद, संतुलन और संवेदनशील नीति का मार्ग अपनाती है, तो यह संघर्ष टकराव के बजाय सतत विकास का उदाहरण बन सकता है। खेजड़ी को बचाना केवल एक वृक्ष को बचाना नहीं है, बल्कि यह राजस्थान की पहचान, थार की पारिस्थितिकी और आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों की रक्षा का प्रश्न है।

हड़ताल श्रमिक अधिकारों को कमजोर करती है

एस. पी. तिवारी

चार नयी श्रम संहिताओं का क्रियान्वयन, भारत की विशाल श्रम शक्ति, विशेष रूप से अनौपचारिक और असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए जीवन यापन में आसानी में सुधार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन सुधारों का उद्देश्य, बिना जटिल उद्योग वर्गीकरण की बाधाओं के, सभी श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी की गारंटी देना है।

प्रत्येक श्रमिक के लिए अनिवार्य पहचान पत्र की शुरुआत करते हुए, ये संहिताएं उन्हें सामाजिक सुरक्षा लाभों तक सीधी पहुंच की सुविधा के साथ सशक्त बनाने का प्रयास करती हैं। नियमित और अनिवार्य स्वास्थ्य जांच, श्रमिकों की भलाई में मदद करेंगी, जिससे वे स्वस्थ और अधिक उत्पादक जीवन व्यतीत कर सकेंगे। इसके अलावा, समयबद्ध शिकायत निवारण व्यवस्था, पीड़ित श्रमिकों द्वारा सामना किए जाने वाले मानसिक तनाव और अनिश्चितता को कम करने में सहायता करेगी। समग्र रूप से, ये उपाय भारतीय श्रमिकों के लिए गरिमा, सुरक्षा और समावेशी विकास पर केंद्रित एक प्रगतिशील रूपरेखा का प्रतिनिधित्व करते हैं।

हालाँकि, इन सकारात्मक प्रावधानों के बावजूद, राजनीतिक रूप से प्रेरित केंद्रीय श्रमिक संघों (ट्रेड यूनियन) का एक हिस्सा अक्सर हड़ताल के प्रतिकूल प्रभाव पर पूरी तरह विचार किए बिना, हड़ताल पर उतर आता है। ऐसी हड़तालों से विशेष रूप से असंगठित अर्थव्यवस्था के लगभग 38 करोड़ श्रमिकों के पारिश्रमिक को भारी नुकसान होता है, जो अपनी जीविका के लिए दैनिक आय पर निर्भर होते हैं। उनके मुद्दों को हल करने के बजाय, बार-बार होने वाली हड़तालें रचनात्मक और कठोर सामूहिक सौदेबाजी की प्रक्रिया को कमजोर करती हैं, जिससे श्रमिकों और नियोक्ताओं दोनों के लिए न्यायसंगत और संतुलित परिणाम हासिल करने की संभावना कम हो जाती है।

समय के साथ, बार-बार हड़ताल बुलाने का प्रयास न केवल अप्रभावी साबित हुआ है बल्कि इसके परिणाम प्रतिकूल भी रहे हैं। बार-बार होने वाली हड़तालों से श्रमिकों में व्यापक थकान दिखाई पड़ता है, जिससे बड़ी संख्या में श्रमिक ऐसे आह्वान को या तो नजरअंदाज करते हैं या उनमें शामिल नहीं होते हैं। कुछ मामलों में, श्रमिकों के एक छोटे हिस्से को उनकी इच्छा के विपरीत हड़तालों में हिस्सा लेने के लिए मजबूर किया जाता है, जिससे इन आंदोलनों की नैतिक वैधता व सामूहिक ताकत और कमजोर हो जाती है। अंततः, यह प्रवृत्ति श्रमिक कल्याण उपायों के समग्र प्रभाव को कम करती है और श्रमिकों के बीच एकजुटता को कमजोर करती है। हड़तालों के व्यापक परिणाम केवल कार्यस्थल तक सीमित नहीं रहते। औद्योगिक उत्पादन प्रभावित होता है, दैनिक यात्रियों को गंभीर असुविधा का सामना करना पड़ता है, और सड़क किनारे के विक्रेताओं, घरेलू श्रमिकों और छोटे सेवा प्रदाताओं की आजीविका बाधित हो जाती है। इन श्रमिकों के लिए, केवल एक दिन की आय का नुकसान भी आजीविका संकट पैदा कर सकता है, उन्हें अपनी सीमित बचत को खत्म करने तथा गंभीर आर्थिक असुरक्षा में जाने के लिए मजबूर कर सकता है। भारत जैसी उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में, श्रमिक संघों (ट्रेड यूनियन) को संवाद, आपसी-बातचीत और नियोक्ताओं तथा सरकार के साथ रचनात्मक सहयोग को प्राथमिकता देनी चाहिए। स्थायी सौदेबाजी और सहयोगात्मक समस्या समाधान पर आधारित एक मॉडल उत्पादन, रोजगार, और समग्र आर्थिक वृद्धि को बाधित किए बिना श्रमिकों की समस्याओं का समाधान कर सकता है।

वर्तमान संदर्भ में, भारतीय केंद्रीय श्रमिक संघों को, जो धीरे-धीरे अपना प्रभाव खो रहे हैं, आत्मविश्लेषण करने और अन्यत्र अपनाई जाने वाली अधिक प्रभावी और दूरदर्शी तरीकों को अपनाने की आवश्यकता है। भारतीय श्रमिक को एक समग्र दृष्टिकोण के साथ संगठित किया जाना चाहिए, जो जीवन यापन में आसानी, सामाजिक सुरक्षा और सकारात्मक सहभागिता पर जोर देता हो। विवादों का समाधान टकराव के बजाय संवाद के माध्यम से करना यह सुनिश्चित करेगा कि परिचालन प्रक्रिया बाधित न हो और राष्ट्रीय विकास की गति सुचारू रूप से जारी रहे। केवल ऐसे संतुलित और व्यावहारिक रणनीतियों के जरिये ही श्रमिकों के अधिकारों को वास्तविक रूप में मजबूत और दीर्घावधि में सुरक्षित किया जा सकता है।

(लेखक ट्रेड यूनियन को-ऑर्डिनेशन सेंटर (टीयूसीसी) के राष्ट्रीय महासचिव हैं)

केवल इच्छा कर लेने मात्र से कोई व्यक्ति नैतिक नहीं बन जाता

जितेन्द्र सुमन।

आधुनिक मूल्यों ने जहाँ एक ओर वास्तविक उपलब्धियाँ दी हैं, वहीं पारंपरिक नैतिक अवधारणाओं को गंभीर क्षति भी पहुँचाई है, इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता। आधुनिकता के आलोचक महत्वपूर्ण प्रश्न उठाते हैं, लेकिन वे अक्सर उन ऐतिहासिक परिस्थितियों को नजरअंदाज कर देते हैं जिनसे आधुनिक मूल्य उत्पन्न हुए। आधुनिकता से पूर्व यूरोप या समग्र रूप से विश्व का जीवन प्रायः कठोर, पदानुक्रमित और अनेक मामलों में अमानवीय था। व्यक्ति का कल्याण अक्सर सामाजिक संस्थाओं के अधीन पूरी तरह दबा दिया जाता था, यहाँ तक कि कई बार व्यक्तिगत गरिमा स्वयं पाप के समान मानी जाती थी। कृषिदासता (दासप्रथा) इस बात का स्पष्ट उदाहरण है कि किस प्रकार व्यक्ति का दमन क्रूर सीमाओं तक पहुँच सकता था। सभी मनुष्यों को मनुष्य नहीं माना जाता था; बहुसंख्यक लोगों के साथ पशुओं या संपत्ति (चैटल) जैसा व्यवहार किया जाता था। ऐसे बाजार थे जहाँ मनुष्यों को गाय, भैंस या घोड़े की तरह खरीदा-बेचा जाता था, और इस पर धर्म मौन बना रहा, जो मानव इतिहास के तर्क में एक वास्तविक पाप था। आधुनिकता की ओर संक्रमण (विशेषकर औद्योगिकीकरण के माध्यम से) ने केवल व्यक्तियों को मुक्त ही नहीं किया, बल्कि दीर्घकाल से चले आ रहे सामाजिक बंधनों और सुरक्षा के रूपों को भी नष्ट कर दिया। इस टूटन ने अस्थिरता और अराजकता को जन्म दिया, जिसे उस समय जिस रूप में धर्म संस्थागत था, वह न तो संभाल सका और न ही उसका कोई अर्थपूर्ण विकल्प दे सका। जैसे-जैसे आधुनिक आर्थिक शक्तियाँ उभरीं, औद्योगिक उत्पादन से जुड़ी बाजार-आधारित अर्थव्यवस्थाएँ, धार्मिक संस्थाएँ इन नई प्रणालियों के साथ गहराई से उलझती चली गईं। भविष्यवाणी-सदृश नैतिक आलोचना प्रस्तुत करने के बजाय, चर्च ने एक ओर मध्ययुगीन सामाजिक सत्ता संरचनाओं को बचाए रखने का प्रयास किया और दूसरी ओर आधुनिक आर्थिक विस्तार में भागीदारी भी की। इस अंतर्विरोध ने उसकी नैतिक विश्वसनीयता को कमजोर कर दिया। ऐतिहासिक उदाहरण इस विफलता को स्पष्ट करते हैं। स्पेनिश और पुर्तगाली औपनिवेशिक साम्राज्यों के साथ चर्च की संलिप्तता तथा प्रारंभिक आधुनिक यूरोप में सोने-चाँदी की भारी आमद ने मुद्रास्फीति और खाद्य कीमतों में वृद्धि को बढ़ावा दिया। फिर भी, चर्च ने इस आर्थिक अव्यवस्था में राज्य की भूमिका को चुनौती देने में प्रायः असफलता दिखाई और इसके बजाय राजनीतिक सत्ता के साथ संरेखित होता चला गया। परिणामस्वरूप, लोगों ने संस्थागत धर्म को शक्ति के प्रति नैतिक प्रतिरोध के रूप में नहीं, बल्कि उसी वर्चस्वकारी व्यवस्था के हिस्से के रूप में देखना शुरू किया, जिससे संदेह, प्रतिरोध और सुधार की प्रवृत्तियाँ उभरीं। मैं इस बात से सहमत हूँ कि आधुनिकता में अक्सर वास्तविक आत्मालोचना का अभाव होता है। किंतु समाधान किसी सरल रूप में पूर्व-आधुनिक संरचनाओं की ओर लौटना नहीं हो सकता। नैतिक मूल्यांकन को सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों में निहित होना चाहिए, ऐतिहासिक अनुभव से सीख लेनी चाहिए और परिवर्तन के लिए खुला रहना चाहिए। मेरा मानना है कि हम एक और परिवर्तन के मुहाने पर खड़े हैं, जो आधुनिक मूल्यों के संकट और तीव्र आर्थिक पीड़ा से प्रेरित है। यह परिवर्तन व्यक्ति की स्वायत्तता और सामाजिक एकता के क्षरण से चिह्नित है, इस हद तक कि सामाजिक प्रक्रियाएँ और मानवीय जीवन स्वयं कैंसरग्रस्त और मेटास्टेटिक प्रतीत होने लगे हैं।

एंथ्रोपिक के 'कोवर्क' से आईटी उद्योग में भूचाल, साधारण भूमिकाओं के लिए जोखिम

अपनी शुरुआत के चंद रोज बाद ही एंथ्रोपिक के क्लाउड कोवर्क ने सूचना प्रौद्योगिकी सेवा उद्योग में बड़े पैमाने पर उथलपुथल मचा दी है। इस नए आर्टिफिशल इंटेलिजेंस असिस्टेंट और इसके अनेक प्लगइन लोगों को यह इजाजत देते हैं कि वे एआई के साथ साझा वर्कप्लेस में सहयोग कायम कर सकें। इसके निहितार्थ सामने आने के साथ ही निवेशकों ने आईटी में अपने शेयरों की बिकवाली कर दी। कोवर्क ने मंदी की भावना पैदा कर दी जिससे दुनिया भर में सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों को अरबों डॉलर के बाजार मूल्य का नुकसान हुआ। देश के सूचना प्रौद्योगिकी दिग्गजों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा। सॉफ्टवेयर कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई और नैस्डैक भी इससे बुरी तरह प्रभावित हुआ। एंथ्रोपिक के संस्थापक और मुख्य कार्या?धिकारी डेरियो एमोडेई ने दावोस में दावा किया था कि, 'केवल छह से 12 महीनों में एआई वह सब करने लगेगा जो अभी सॉफ्टवेयर इंजीनियर कर रहे हैं।' एंथ्रोपिक ने तीन सप्ताह के दौरान 11 प्लगइन के साथ कोवर्क जारी किया। इसकी शुरुआत जनवरी के मध्य में हुई थी। इन प्लगइन को प्रोडक्टिविटी, एंटरप्राइज सर्च, प्लगइन क्रिएट या कस्टमाइज, सेल्स, फाइनैंस, डेटा, लीगल, मार्केटिंग, कस्टमर सपोर्ट, प्रॉडक्ट मैनेजमेंट, और बॉयोलॉजी रिसर्च के रूप में लेबल किया गया है जिससे संकेत मिलता है कि कामकाज पर इसके प्रभाव का दायरा कितना व्यापक होगा। साथ मिलकर, ये दृष्टिकोण में बदलाव को दर्शाते हैं। यह ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर है जिसे आसानी से अनुकूलित करके कानूनी प्रक्रियाओं, बिक्री, मार्केटिंग, डेटा विश्लेषण और अन्य एंटरप्राइज संबंधी गतिविधियों में दोहराए जाने वाले कार्यों और काम के प्रवाह को स्वचालित किया जा सकता है। कोवर्क साधारण लेकिन तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण कार्यों को करने में मानव हस्तक्षेप की आवश्यकता को काफी कम कर देता है। सामान्य एंटरप्राइज सपोर्ट सेवा कंपनियों के अलावा, इससे सेल्सफोर्स, एसएपी और सर्विसनाऊ जैसे सॉफ्टवेयर ऐज अ सर्विस (एसएएएस) प्लेटफॉर्म खासतार पर प्रभावित होंगे जो सब्सक्रिप्शन मॉडल पर काम कर रहे हैं। इस प्रकार यह सॉफ्टवेयर सेवा कंपनियों पर सीधा असर डालेगा जो हेड ऐंड ऑवर्स बिलिंग (कर्मचारियों की संख्या और काम की अवधि के आधार पर भुगतान) के मॉडल पर काम करती हैं। यह इस बात की पुष्टि करता है कि एआई जल्दी ही इन कंपनियों द्वारा मुहैया कराई जाने वाली उच्च मूल्य वाली लेकिन रुटीन सेवाओं को प्रतिस्थापित कर सकता है। इससे बड़ी संख्या में आईटी कर्मी प्रभावित हो सकते हैं। कोवर्क ने एंथ्रोपिक को सॉफ्टवेयर सेवा क्षेत्र में एक नए प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर दिया है।

ईरान को सबक सिखाने के लिए साम दाम दंड भेद की नीति अपना रहे हैं ट्रंप

नीरज कुमार दुबे।

अमेरिका और ईरान के बीच तनातनी चरम पर होने के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया कार्यकारी आदेश जारी कर उन सभी देशों पर अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने की चेतावनी दी है जो ईरान के साथ किसी भी तरह का व्यापार जारी रखेंगे। आदेश में शुल्क की दर तय नहीं की गई है, पर उदाहरण के तौर पर पच्चीस प्रतिशत का जिक्र है। साफ कहा गया है कि जो भी देश सीधे या परोक्ष रूप से ईरान से सामान या सेवा खरीदेगा, उस पर यह शुल्क लगाया जा सकता है। ट्रंप ने अलग से बयान देते हुए दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं मिलना चाहिए। यह कदम ऐसे समय आया है जब ओमान में दोनों देशों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के बीच बातचीत हुई है। कई सप्ताह की बयानबाजी और धमकियों के बाद शुरू हुई यह बातचीत तनाव कम करने की कोशिश मानी जा रही है, पर जमीन पर हालात अब भी तने हुए हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ओमान में वार्ता को अच्छी शुरुआत बताया, लेकिन साथ ही कहा कि अविश्वास का माहौल गहरा है, खासकर इसलिए कि हाल ही में अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। ट्रंप ने भी वार्ता को बहुत अच्छी बताया, पर साथ में

चेतावनी जोड़ी कि यदि समझौता नहीं हुआ तो नतीजे बहुत सख्त होंगे। अमेरिका का कहना है कि वह केवल परमाणु कार्यक्रम नहीं, बल्कि ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम, सशस्त्र समूहों को समर्थन और अपने नागरिकों के साथ व्यवहार जैसे मुद्दे भी बातचीत में शामिल करना चाहता है। दूसरी ओर तेहरान का रुख साफ है कि चर्चा केवल परमाणु कार्यक्रम पर होगी और उसे यूरेनियम संवर्धन का अधिकार मिलना चाहिए। ईरान का दावा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है और वह हथियार बनाने की कोशिश नहीं कर रहा। हम आपको बता दें कि इस तनातनी की जड़ें पिछले एक दशक में लिए गए फैसलों में हैं। वर्ष 2015 के परमाणु समझौते के तहत ईरान को सीमित स्तर तक यूरेनियम संवर्धन की अनुमति थी और उस पर सख्त निगरानी थी। बदले में उस पर लगे कई प्रतिबंध हटाए गए थे। लेकिन ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में वर्ष 2018 में इस समझौते से अमेरिका को अलग कर लिया था और कठोर प्रतिबंध फिर लगा दिए थे। तेल निर्यात, जहाजरानी और बैंक तंत्र पर पाबंदियों ने ईरान की अर्थव्यवस्था को भारी चोट दी। जवाब में ईरान ने समझौते की कई शर्तों से आगे बढ़ कर संवर्धन करना शुरू कर दिया। बीते वर्षों में हालात और बिगड़े। वर्ष 2020 में ईरानी कमांडर कासिम सुलेमानी अमेरिकी हमले में मारे गए, जिससे टकराव खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। फिर संयुक्त राष्ट्र में प्रतिबंध फिर लगाने की कोशिशें हुईं। वर्ष 2025 में अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया, जिसके बाद ईरान ने कतर में एक अमेरिकी ठिकाने पर मिसाइल दागी, हालांकि जान का नुकसान नहीं हुआ। पिछले वर्ष पश्चिमी देशों के प्रयास से संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सैन्य प्रतिबंध फिर लागू हुए। अब ताजा कदम के तहत अमेरिका ने ईरानी तेल और पेट्रो रसायन से जुड़े पंद्रह संस्थानों और कई जहाजों पर भी प्रतिबंध लगाए हैं। उधर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सुरक्षा मंत्रिमंडल की बैठक बुलाकर ईरान को चेताया कि किसी भी हमले का जोरदार जवाब मिलेगा। उनका कहना है कि अमेरिका के साथ तालमेल बहुत गहरा है, इसलिए अंतिम फैसला ट्रंप ही करेंगे। ट्रंप ने भी कहा है कि ईरान बातचीत इसलिए कर रहा है क्योंकि वह अमेरिकी हमले से बचना चाहता है और अमेरिकी नौसैनिक बेड़ा इलाके में आगे बढ़ रहा है। सवाल यह है कि क्या यह पूरी कवायद शांति की राह है या दबाव की राजनीति का नया दौर? ट्रंप का शुल्क हथियार दरअसल आर्थिक घेराबंदी का विस्तार है। संदेश साफ है कि जो ईरान से नाता रखेगा, वह अमेरिकी बाजार से हाथ धो सकता है। यह नीति कई देशों को कठिन दुविधा में डालेगी, खासकर वे देश जो ऊर्जा जरूरतों के लिए ईरानी तेल पर निर्भर हैं। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार, समुद्री रास्तों की सुरक्षा और पश्चिम एशिया की सामरिक स्थिरता पर सीधा असर पड़ेगा। सामरिक दृष्टि से यह रस्साकशी खतरनाक है। एक ओर बातचीत चल रही है, दूसरी ओर युद्ध की तैयारी जैसे संकेत दिए जा रहे हैं। बेड़े की तैनाती, मिसाइल की चर्चा और प्रतिबंधों की बौछार मिलकर ऐसा माहौल बनाते हैं जहां एक छोटी चिंगारी भी बड़े संघर्ष में बदल सकती है। ईरान भी झुकने के मूड़ में नहीं दिखता और वह बार बार अपने अधिकार की बात दोहरा रहा है। बहरहाल, हकीकत यह है कि न तो केवल दबाव से समाधान निकलेगा, न केवल बयान से। यदि दोनों पक्ष सच में टकराव टालना चाहते हैं तो उन्हें भरोसे की बहाली, चरणबद्ध रियायत और स्पष्ट लक्ष्यों की राह पकड़नी होगी।

पश्चिम विधायक मूणत और महापौर मीनल सभापति राठौड़, जोन अध्यक्ष, पार्षद सहित

शासकीय स्कूल में नवीन शेड लोकर्पित कर स्कूली विद्यार्थियों को दी वर्षा और गर्मी से सुरक्षा की अनुपम सौगात

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

प्रदेश के पूर्व केबिनेट मन्त्री रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत और नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 1 अंतर्गत बाल गंगाधर तिलक वार्ड क्रमांक 18 अंतर्गत शासकीय स्कूल तिलक नगर गुढ़ियारी में अधोसंरचना मद अंतर्गत 25 लाख रूपये की स्वीकृत लागत से निर्मित नवीन शेड का फीता काटकर नगर निगम सभापति सूर्यकान्त राठौड़, जोन 1 जोन अध्यक्ष गज्जू साहू, जोन 8 जोन अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर, जोन 8 जोन अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर, बाल गंगाधर तिलक वार्ड क्रमांक 18 के पार्षद सोहन लाल साहू, पार्षद राजेश देवांगन, अमन सिंह ठाकुर, तिलक नगर शासकीय स्कूल शाला समिति

अध्यक्ष अशोक शर्मा, स्कूल प्राचार्य, पूर्व पार्षद पुरुषोत्तम देवांगन,नगर निगम अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय, जोन 1 जोन कमिश्नर डॉ दिव्या चंद्रवंशी, कार्यपालन अभियंता द्रोनी कुमार पैकरा, सहायक अभियंता शरद देशमुख सहित शिक्षक - शिक्षिकाओं, छात्र - छात्राओं, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, गणमान्यजनों की उपस्थिति में स्कूली विद्यार्थियों को गर्मी और बारिश से सुरक्षा की अनुपम सौगात दी.

रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने कहा कि रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सभी शासकीय स्कूल सर्वसुविधायुक्त बने, यही उनकी प्राथमिकता है. पश्चिम विधायक ने मंच से सांधे विद्यार्थियों से उनकी आवश्यकतायें पूछी, एक विद्यार्थी की मांग पर पश्चिम विधायक ने तत्काल विधायक निधि से स्कूल में विद्यार्थियों की कम्प्यूटर शिक्षा हेतु कम्प्यूटर क्रय करने 5 लाख रूपये स्वेच्छानुदान देने की घोषणा की.

राजेश मूणत ने स्कूल के विद्यार्थियों के लिए घोषणा की कि बोर्ड परीक्षा में स्कूल का जो बालिका मेरिट सूची में टॉप टेन में आएगा, वे उसे स्कूटी प्रदान करेंगे.

महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कहा कि तिलक नगर स्कूल को नए शेड की सौगात रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत की इच्छाशक्ति के फलस्वरूप है. महापौर ने छात्र - छात्राओं को खूब मन लगाकर शिक्षा ग्रहण करने कहा, जिससे वे आगे चलकर श्रेष्ठ नागरिक बन सकें. विद्यार्थी अपने माता - पिता के सपनों को साकार करें ।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे 13 को मैनपाट महोत्सव का शुभारंभ

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के शिमला और छोटा तिब्बत के नाम से प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मैनपाट में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मैनपाट महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। यह महोत्सव रोपाखार जलाशय के समीप 13 से 15 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। इस महोत्सव का आयोजन राज्य शासन के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग और जिला प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल करेंगे। मैनपाट महोत्सव में लोक गीत और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। 13 फरवरी को भोजपुरी सुपरस्टार मनोज तिवारी प्रस्तुति देंगे। साथ ही, छत्तीसगढ़ी गायक सुनील सोनी और ओडिशा का प्रसिद्ध छऊ नृत्य की प्रस्तुति होगी। 14 फरवरी को छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध लोक गायिका अलका चंद्राकर और इंडियन आइडल फेम वैशाली रायकवार अपनी सुरीली आवाज से शाम को यादगार बनाएंगी।

15 फरवरी को महोत्सव का मुख्य आकर्षण बॉलीवुड की मशहूर सिंगर कनिका कपूर होंगी। इसके साथ ही रायगढ़ घराने की कत्थक नृत्यांगना ज्योतिश्री वैष्णव और गायक आयुष नामदेव भी अपनी प्रस्तुति देंगे। इसके साथ ही स्थानीय कलाकार और स्कूली बच्चों के द्वारा भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा मैनपाट महोत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इस मौके पर विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा विकास प्रदर्शनी लगाई जा रही है, जहां शासन की योजनाओं और स्थानीय उत्पादों जैसे टाऊ और तिब्बती हस्तशिल्प का प्रदर्शन होगा। महोत्सव स्थल पर एडवेंचर एक्टिविटी में पर्यटकों के लिए बोटिंग, साहसिक खेल और पारंपरिक दंगल का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव स्थल पर सुरक्षा, पार्किंग और पर्यटकों की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। फूड ज़ोन में सरगुजा के पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लिया जा सकेगा।

अंबिकापुर मुख्यालय से लगभग 75 किलोमीटर दूर स्थित मैनपाट एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है, जोकि समुद्र तल से 3,781 फीट की ऊंचाई पर है।

पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि कार्यक्रम

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राजधानी शहर रायपुर के रिंगरोड चौक तेलीबांधा के समीपस्थ स्थित एकात्म मानववाद के प्रणेता महामानव पण्डित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा के सामने उनकी पुण्यतिथि दिनांक 11 फरवरी 2026 बुधवार को सुबह 10 बजे पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है।कार्यक्रम में पण्डित दीनदयाल उपाध्याय से संबंधित प्रतिमा स्थल में नियत दिवस को प्रतिमा स्थल का संवारण और प्रतिमा सहित उसके आसपास के क्षेत्र की विशेष सफाई, प्रतिमा की पुष्पसज्जा सहित आवश्यकतानुसार पेयजल की व्यवस्था नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 3 के माध्यम से की जायेगी।कार्यक्रम में पण्डित दीनदयाल उपाध्याय से संबंधित प्रतिमा स्थल में नियत दिवस को प्रतिमा स्थल का संवारण और प्रतिमा सहित उसके आसपास के क्षेत्र की विशेष सफाई, प्रतिमा की पुष्पसज्जा सहित आवश्यकतानुसार पेयजल की व्यवस्था नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 3 के माध्यम से की जायेगी।

छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग का बड़ा फैसला, जारी हुई कोरोना वॉरियर्स की सत्यापित सूची

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में शासकीय स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और कोरोना काल के संकट मोचकों को उनके समर्पण का समुचित अवसर देने की दिशा में राज्य सरकार ने एक निर्णायक कदम उठाया है। इस महत्वपूर्ण फैसले के तहत उन हजारों अभ्यर्थियों के अनुभव प्रमाण पत्रों की सत्यापित सूची सार्वजनिक कर दी गई है, जिन्होंने महामारी के कठिन दौर में छह माह से अधिक का समय अस्पतालों में निरंतर सेवा देते हुए व्यतीत किया था। संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं द्वारा जारी इस ताजा अपडेट के बाद अब भर्ती प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ अपने अगले चरण में प्रवेश कर चुकी है। विभागीय जानकारी के अनुसार संभाग स्तरीय समितियों द्वारा 30 जनवरी से 8 फरवरी के बीच किए गए गहन भौतिक सत्यापन के परिणामों को आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किया जा रहा है। इस सूची के सार्वजनिक होते ही अब अभ्यर्थियों के लिए दावा-आपत्ति की खिड़की खुल गई है, जिसके तहत वे 16 फरवरी तक अपने संबंधित संभाग के संयुक्त संचालक कार्यालय में जाकर अपनी आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अभ्यर्थी उसी क्षेत्र में अपना पक्ष रखें जहाँ से उनका अनुभव प्रमाण पत्र संबद्ध है, ताकि प्रक्रिया में किसी प्रकार की त्रुटि की गुंजाइश न रहे। यह प्रक्रिया आगामी सारणी के मुताबिक, 20 फरवरी तक प्राप्त आपत्तियों का त्वरित निराकरण किया जाएगा, जिसके पश्चात 3 मार्च को पहली मेरिट सूची का प्रकाशन होगा। इस चरण में भी अभ्यर्थियों को पुनर्विचार का मौका देने के बाद, आगामी 19 मार्च 2026 को आधिकारिक रूप से अंतिम चयन सूची वेबसाइट https://www.cghealth.nic.in/public/#/पर साझा कर दी जाएगी।

विधायक सुनील सोनी ने स्कूल भवन निर्माण विविध नये विकास कार्यों की भूमिपूजन किया

सभापति सूर्यकांत राठौड, जोन 6 अध्यक्ष बद्री प्रसाद गुप्ता, वार्ड पार्षदो सहित किया भूमिपूजन

पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मकान निर्माण प्रारम्भ करने भवन अनुज्ञा स्वीकृति पत्र प्रदत किये

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने रायपुर दक्षिण विधानसभा अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन 6 अंतर्गत चंद्रशेखर आजाद वार्ड कमांक 60 अंतर्गत विभिन्न 11 स्थानो पर विधायक निधि एवं अन्य मदो से 51 लाख 30 हजार रू. के नये विविध विकास कार्यों का भूमिपूजन कर नागरिको को शानदार सौगात दी ।

रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने नगर निगम सभापति सूर्यकांत राठौड, जोन 6 जोन अध्यक्ष बद्री प्रसाद गुप्ता, वार्ड पार्षद रमेश सपहा, प्रमोद कुमार साहू, श्रीमती स्वप्निल मिश्रा, मंडल अध्यक्ष

अभिषेक तिवारी, डडसेना कलार समाज के पदाधिकारियों, धोबी समाज के पदाधिकारियों सहित जोन 6 जोन कमिश्नर हितेन्द्र यादव, कार्यपालन अभियंता दिनेश सिन्हा, सहायक अभियंता आशीष श्रीवास्तव सहित महिलाओ, गणमान्यजनो, सामाजिक कार्यकर्ताओं, नवयुवकों, आमजनो की उपस्थिति में रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में नगर निगम रायपुर जोन 6 क्षेत्र अंतर्गत चंद्रशेखर आजाद वार्ड क्रमांक 60 के क्षेत्र में मठपुरैना पानी टंकी के सामने हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन निर्माण 9 लाख 80 हजार में, मठपुरैना बाड़ापारा में रंगमंच एवं शेड निर्माण 3 लाख में, प्रयास मैदान को खेल मैदान बनाकर देने एवं उसमें लाईट लगवाने, आदिवासी नगारची समाज भवन भैरव नगर टिकरापारा में कार्य हेतु 5 लाख, नातिन धोबिन दाई परिसर बोरियाखुर्द में बाउंड्रीवाल एवं शौचालय निर्माण 5 लाख, बमलई चौक शिव मदिर के सामने शेड निर्माण 1 लाख 50 हजार में, डडसेना कलार समाज भवन के पास गोकूल नगर में रंगमंच एवं श्रमिक शेड निर्माण 10 लाख, केलाबाडी क्षेत्र में नाली निर्माण 5 लाख, गोकूल नगर में छत्तासगढ़ावश्वकमा झारया लाहार समाज भवन में अतिरिक्त कार्य 5 लाख, मठपुरैना बाड़ापारा डबरी तालाब के पास रंगमंच निर्माण 2 लाख 50 हजार, मठपुरैना बाडा पारा डबरी पारा के पास सामुदायिक भवन निर्माण 3 लाख में करने श्रीफल फोड़कर और कुदाल चलाकर भूमिपूजन कर नागरिको को शानदार सौगात दी । रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने भूमिपूजन कर नगर निगम जोन 6 जोन कमिश्नर हितेन्द्र यादव को तत्काल नये विकास कार्य स्वीकृति अनुसार चयनित संबंधित क्षेत्र स्थलों पर प्रारंभ कर तय समय सीमा के भीतर सतत मॉनिटरिंग करवाकर जनहित में जनसुविधा निर्देशित किया। सभापति सूर्यकांत राठौड वार्ड कमांक 60 में विधायक निधि से 50 लाख से भी अधिक स्वीकृत कर नये विकास कार्य प्रारंभ करवाने पर रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी की कार्यप्रणाली को सराहा एवं उन्हें रायपुर का विकास पुरूष बतलाया।

महापौर मीनल चौबे ने नगर निगम जोन 5 पानी टंकी देखा

टंकी की क्षमता के अनुसार पानी कहाँ सप्लाई किया जा रहा है.कितने अवैध कनेक्शन हैं, समीक्षा के दिए निर्देश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे नगर निगम जोन 5 कार्यालय पहुंचीं. महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि टंकी की क्षमता के अनुसार पानी कहां सप्लाई किया जा रहा है, कितने अवैध नल कलेक्शन हैं, इसकी समीक्षा की जाये.

नगर निगम जोन 5 कार्यालय में महापौर ने एमआईसी सदस्य दीपक जायसवाल, सुमन अशोक पाण्डेय, जोन 5 जोन अध्यक्ष अम्बर अग्रवाल, पार्षद अजय साहू, आनंद अग्रवाल से वार्डों में पेयजल समस्या की जानकारी प्राप्त कर अधिकारियों से जानकारी लेकर गहन समीक्षा कर आवश्यक निर्देश अधिकारियों को दिये.

महापौर मीनल चौबे ने वार्ड पार्षदों और नगर निगम अधिकारियों की उपस्थिति में पुरानी और नई ईदगाहभाठा पानी टंकी में जाकर पेयजल वितरण व्यवस्था की जानकारी लेकर प्रत्यक्ष स्थल समीक्षा की. महापौर मीनल चौबे ने सम्बंधित नगर निगम अधिकारियों को निर्देशित किया कि गर्मी के पूर्व रायपुर नगर निगम के जिन कुछ वार्डों में कुछ स्थानों पर पेयजल की समस्या अभी

से आ रही है, वहाँ सम्बंधित अधिकारीगण तत्काल स्पाट पर सम्बंधित वार्ड पार्षद के साथ सम्बंधित स्थलों का निरीक्षण कर पेयजल की समस्या को त्वरित रूप से दूर करवा लें और सतत मॉनिटरिंग नियमित रूप से प्रतिदिन करते हुए टेल एंड तक पर्याप्त मात्रा में पेयजल नागरिकों के घरों में दिया जाना प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित करें, ताकि गर्मी में वहाँ पेयजल की समस्या नागरिकों को ना आये.

महापौर मीनल चौबे ने कहा कि राजधानी शहर रायपुर में पर्याप्त मात्रा में नगर निगम जल कार्य विभाग के माध्यम से प्रतिदिन जलप्रदाय किया जा रहा है. जिसका प्रतिदिन व्यवस्था अंतर्गत सुव्यवस्थित तरीके से वितरण करवाया जाना आवश्यक है, ताकि राजधानी शहर में लोगों को गर्मी में सभी स्थानों पर पेयजल की सुगम आपूर्ति हो सके और कहीं समस्या ना आने पाए .महापौर ने तकनीकी रूप से श्रेष्ठ वाल्व मैनेजमेन्ट करवाने कहा.

महापौर मीनल चौबे ने सभी अवैध नलों के नियमितीकरण की अभियान चलाकर कार्यवाही, टुल्लू पम्पो को अभियानपूर्वक जब्त करने की कार्यवाही सहित पाईप लाईन लीकेज और गन्दे पानी की समस्या आते ही तत्काल सम्बंधित स्थल पर टीम भेजकर स्थल ट्रेस करवाकर त्वरित समाधान किये जाने पर विशेष बल दिया. महापौर ने गर्मी में सुगम पेयजल आपूर्ति हेतु अभी से पुख्ता तैयारी और होमवर्क करने के सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं.

महापौर मीनल चौबे द्वारा ली गयी बैठक में नगर निगम रायपुर के अधीक्षण अभियंता पी. राजेश नायडू, राजेश राठौर, जोन 5 जोन कमिश्नर खीरसागर नायक, कार्यपालन अभियंता जल नर सिंग फरेन्द्र, अंशुल शर्मा जूनियर, शेखर सिंह, जोन 5 सहायक राजस्व अधिकारी प्रमोद जाधव, सहायक अभियंता दीपक देवांगन, उप अभियंता रमेश पटेल, शुभम तिवारी सहित अन्य अभियंतागण की उपस्थिति रही।

टाटीबंध में 85 लाख की लागत से नवनिर्मित महतारी सदन आंगनबाडी का निर्माण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा दिनांक 11 फरवरी 2026 बुधवार को अपरान्ह 3 बजे शहीद भगत सिंह वार्ड कमांक 21 के क्षेत्र अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला परिसर टाटीबंध रायपुर में 85 लाख रू. की लागत से नवनिर्मित महतारी सदन आगनबाडी निर्माण कार्य का लोकार्पण कार्यक्रम रखा गया है। लोकार्पण कार्यक्रम प्रदेश के पूर्व केबिनेट मंत्री रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत के मुख्य आतिथ्य और नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे की अध्यक्षता में होगा।टाटीबंध में 85 लाख की लागत से नवनिर्मित महतारी सदन आंगनबाडी निर्माण कार्य का 11 फरवरी 2026 को अपरान्ह 3

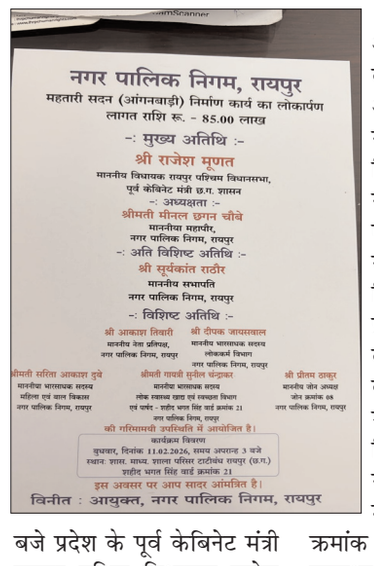

बजे प्रदेश के पूर्व केबिनेट मंत्री रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौड, विशिष्ट अतिथिगण लोकार्पण कर नगर वासियों को देंगे अनुपम सौगात लोकार्पण कार्यक्रम में अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिक निगम रायपुर के सभापति सूर्यकात राठौड एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिक निगम रायपुर के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी, लोककर्म विभाग अध्यक्ष दीपक जायसवाल, महिला एवं बाल विकास विभाग अध्यक्ष श्रीमती सरिता आकाश दुबे, शहीद भगत सिंह वार्ड क्रमांक 21 पार्षद एवं लोक स्वास्थ्य, खाद्य, स्वच्छता विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चद्राकर, जोन 8 जोन अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर की उपस्थिति रहेगी ।

अपनी नई पहचान गढ़ रहा बस्तर -सीएम विष्णुदेव साय

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

विष्णुदेव साय ने पीएम मोदी के ट्वीट कर कहा, आदरणीय प्रधानमंत्री जी, आपके दूरदर्शी नेतृत्व और निरंतर मार्गदर्शन से बस्तर आज सांस्कृतिक गौरव और समावेशी विकास के सशक्त प्रतीक के रूप में अपनी नई पहचान गढ़ रहा है।

'बस्तर पंडुम' जैसे आयोजन जनजातीय परंपराओं, लोक-संस्कृति और विरासत को सहेजने के साथ-साथ शांति, विश्वास और समावेशी प्रगति का सशक्त संदेश देते हैं। एक समय जिस बस्तर की पहचान हिंसा और पिछड़ेपन से जोड़ी जाती थी, आज वही बस्तर शांति, विकास और जनभागीदारी का सशक्त प्रतीक बनकर उभर रहा है। आपके नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से बस्तर के जनजीवन में सकारात्मक परिवर्तन स्पष्ट रूप से दिखाई द रहे हैं। हम आपके मार्गदर्शन में जनजातीय समाज की परंपराओं

और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के साथ बस्तर को शांति, समृद्धि और विकास की नई ऊँचाइयों तक निरंतर अग्रसर करने के लिए दृढ़संकल्पित हैं। विष्णुदेव साय ने पीएम मोदी के ट्वीट कर कहा, आदरणीय प्रधानमंत्री जी, आपके दूरदर्शी नेतृत्व और निरंतर मागदशन स बस्तर आज सांस्कृतिक गौरव और समावेशी विकास के सशक्त प्रतीक के रूप में अपनी नई पहचान गढ़ रहा है।

'बस्तर पंडुम' जैसे आयोजन जनजातीय परंपराओं, लोक-संस्कृति और विरासत को सहेजने के साथ-साथ शांति, विश्वास और समावेशी प्रगति का सशक्त संदेश देते हैं। एक समय जिस बस्तर का पहचान हिसा आर पिछड़पन से जोड़ी जाती थी, आज वही बस्तर शांति, विकास और जनभागीदारी का सशक्त प्रतीक बनकर उभर रहा है। आपके नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से बस्तर के जनजीवन में सकारात्मक परिवर्तन स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। हम आपके मार्गदर्शन में जनजातीय समाज की परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के साथ बस्तर को शांति, समृद्धि और विकास की नई ऊँचाइयों तक निरंतर अग्रसर करने के लिए दृढ़संकल्पित हैं। ट्वीट कर कहा, आदरणीय प्रधानमंत्री जी, आपके दूरदर्शी नेतृत्व और निरंतर मार्गदर्शन से बस्तर आज सांस्कृतिक गौरव और समावेशी विकास के सशक्त प्रतीक के रूप में अपनी नई पहचान गढ़ रहा है।

धान खरीदी में भाजपा सरकार की नाकामी, मुश्त धान की राशि देने की मांग पर आप ने किया मुख्यमंत्री निवास का घेराव

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी को लेकर भाजपा सरकार की किसान-विरोधी नीति के कारण प्रदेश के लगभग 3 लाख किसान अब तक धान नहीं बेंच पाये हैं, धान की राशि एक मुश्त देने तथा धान खरीदी की तारीख 28 फरवरी तक बढ़ाने की मांगो को लेकर आज 10 फरवरी 2026 को आम आदमी पार्टी ने रायपुर में मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया।

आम आदमी पार्टी के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष देवलाल नरेटी ने बताया कि धान बुवाई से लेकर अब तक सरकार ने किसानों को अनदेखा किया है। कभी बीज नहीं, कभी खाद नहीं और जब धान कट गया तो टोकन के लिए

किसानों को भटकना पड़ा और उन्हें अपमानित किया गया। आज भी लगभग 3 लाख किसान धान नहीं बेंच पाये हैं उन्होंने जो कर्जा लिया है वे उसको कैसे पटाएंगे? उन्हें यह सरकार आत्महत्या करने मजबूर कर रही है। धान खरीदी में सरकार पूरी तरह विफल रही है।यह सिर्फ प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि किसानों के खिलाफ सुनियोजित साजिश है। सरकार ने कर्ज लेकर खेती करने वाले किसानों को सड़क पर खड़ा कर दिया है। अगर सरकार ने तुरंत धान खरीदी की तारीख नहीं बढ़ाई, तो आम आदमी पार्टी किसानों के साथ मिलकर आर-पार की लड़ाई लड़ेगी।

कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने कहा कि धान बेचने के बाद भी किसानों को उनका पूरा पैसा नहीं मिल पा रहा है। किसान सुबह 4 बजे से को-ऑपरेटिव बैंक के बाहर लाइन में खड़ा रहता है और उसे एक बार में सिर्फ 25 हजार रुपये दिए जा रहे हैं। और सरकार ने साजिश के समर्पण करवाया,खरीदी केंद्रों की प्रतिदिन की लिमिट घटाई और टोकन व्यवस्था को जानबूझकर बिगाड़ा। दरअसल सरकार की किसानों से एक एक दाना धान खरीदने की मंशा ही नहीं है।

प्रदेश महासचिव वदूद आलम ने कहा कि केंद्र में मोदी सरकार और छत्तीसगढ़ में साय सरकार किसानों को बर्बाद करने पर तुली हुई है। केंद्र की अमेरिका से ट्रेड डील किसान-विरोधी नीति का परिणाम है ।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार, 11 फरवरी 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

धान उठाव एवं मिलिंग कार्य में तेजी लाने कलेक्टर ने की राइस मिलर्स के साथ समीक्षा बैठक

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में खाद्य विभाग के अधिकारियों एवं जिले के समस्त पंजीकृत राइस मिलर्स की बैठक लेकर उपार्जित धान की मिलिंग एवं उठाव की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती इंदिरा नवीन सिंह देवहारी, खाद्य अधिकारी श्री बसंत कोरम, उप पंजीयक श्री प्रदीप ठाकुर, जिला विपणन अधिकारी श्री सुनील सिंह राजपूत, नोडल अधिकारी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक श्री बलरामपुरी गोस्वामी, प्रबंधक भारतीय खाद्य निगम धमतरी श्री मुरारीलाल मीणा, जिला राइस मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री नवीन सांखला, पदाधिकारी श्री राजेश गोलछा सहित धमतरी, कुरूद एवं नगरी क्षेत्र के राइस मिलर्स उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने उपार्जित धान की मिलिंग कार्य को गति देने एवं शेष धान का शीघ्र उठाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय-सीमा में मिलिंग पूर्ण की जाए। साथ ही अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए उपार्जन, मिलिंग, भंडारण एवं वेयरहाउस से संबंधित समस्याओं का त्वरित निराकरण अपने स्तर पर करने के निर्देश दिए। बैठक में वर्ष 2025-26 के धान उठाव की समीक्षा में बताया गया कि उपार्जित कुल 5,96,499.40 मीट्रिक टन धान के विरुद्ध 2,82,174.90 मीट्रिक टन का डिलीवरी ऑर्डर (डी.ओ.) एवं 1,21,480 मीट्रिक टन का ट्रांसपोर्ट ऑर्डर (टी.ओ.) जारी किया गया है। जारी डी.ओ. एवं टी.ओ. के विरुद्ध कुल 3,40,109.87 मीट्रिक टन धान का उठाव किया जा चुका है, जबकि उपार्जन केंद्रों में 2,56,389.53 मीट्रिक टन धान का उठाव रुपये है। कलेक्टर श्री मिश्रा ने समस्त राइस मिलर्स में उपार्जन केंद्रों से धान उठाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में वर्ष 2024-25 के चावल उपार्जन की भी समीक्षा की गई। जिला विपणन अधिकारी ने जानकारी दी कि नागरिक आपूर्ति निगम धमतरी में 99.05 प्रतिशत तथा भारतीय खाद्य निगम धमतरी में 78.38 प्रतिशत चावल जमा किया जा चुका है।

विधायक विनायक गोयल ने फाइलेरिया और कृमि मुक्ति अभियान का किया शुभारंभ

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

जिले के अन्तर्गत स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और जिला स्तर पर गंभीर बीमारियों के उन्मूलन की दिशा में आज बस्तर ने एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। धरमाउर में आयोजित विशेष गरिमामय कार्यक्रम में राष्ट्रीय फाइलेरिया (हाथीपांव) उन्मूलन एवं राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के तहत जिला स्तरीय सामूहिक दवा सेवन कार्यक्रम का शुभारंभ चित्रकोट विधायक विनायक गोयल ने किया।

कार्यक्रम का आरंभ अतिथियों द्वारा माता सरस्वती एवं भारत माता के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर जन-सामान्य के मन से संकोच दूर करने के लिए अतिथियों ने स्वयं दवा का सेवन किया और फाइलेरिया प्रभावित मरीजों को रुग्णता प्रबंधन एवं विकलांगता निवारण किट प्रदान की। विधायक गोयल ने अपने संबोधन में इसे शासन की एक उत्कृष्ट पहल बताते हुए ग्रामीणों से अपील की कि वे स्वस्थ भविष्य के लिए इस अभियान को सफल बनाएं। इस दौरान डॉ. संजय बसाक ने बताया कि हाथीपांव जैसी लाइलाज और गंभीर बीमारी को केवल निरंतर सावधानी और दवा सेवन से ही रोका जा सकता है। यह जीवन रक्षक दवाएं सभी सरकारी अस्पतालों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में नि:शुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। अभियान की विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत करते हुए नोडल अधिकारी डॉ. एसएस टेकाम एवं डॉ. सी. मैत्री ने बताया कि स्वास्थ्य दल घर-घर पहुंचकर लोगों को दवा उपलब्ध कराएंगे, जिसकी शुरुआत आज अतिथियों द्वारा बच्चों को दवा खिलाकर की गई। कार्यक्रम के दौरान विश्व स्वास्थ्य संगठन के डॉ. श्रीपद जोशी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. रीना लक्ष्मी और खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. ऋषभ साव सहित स्वास्थ्य विभाग के अनेक विशेषज्ञ और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। स्वैच्छिक कार्यकर्ता शिवनारायण पाण्डे के संचालन में चले इस कार्यक्रम का समापन सेक्टर चिकित्सा प्रभारी विरेन्द्र गायकवाड़ के आभार प्रदर्शन के साथ हुआ, जहाँ बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों ने इस अभियान के प्रति अपनी सहभागिता का संकल्प लिया।

जिला भाजयुमो के पदाधिकारियों ने की विक्रांत सिंह से मुलाकात

खैरागढ़, प्रतिदिन राजधानी

केसीजी जिला भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष आयश सिंह, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष अयूब सोलंकी, राजनांदगांव जिला भाजयुमो महामंत्री नोमेश वर्मा सहित के सीजी जिला भाजयुमो के पदाधिकारियों ने जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह से सौजन्य मुलाकात की। यह भेंट आत्मीय वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें संगठन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। मुलाकात के दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने सभी पदाधिकारियों को उनके नवीन दायित्वों के लिए बधाई

एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने संगठन के विस्तार, युवाओं की सक्रिय भूमिका और आगामी कार्ययोजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा श्री सिंह ने कहा कि भारतीय जनता युवा मोर्चा, भारतीय जनता पार्टी की रीढ़ है। युवाओं की ऊर्जा, समर्पण और विचारधारा से ही संगठन को मजबूती मिलती है। युवा मोर्चा के कार्यकर्ता पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि युवाओं को समाजसेवा और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। संगठनात्मक अनुशासन, टीमवर्क और निरंतर सक्रियता के माध्यम से ही पार्टी को और अधिक सशक्त बनाया जा सकता है।

इस अवसर पर भाजयुमो की टीम ने श्री सिंह को श्री राम के तैलचित्र भेंट किया तथा जिले में भाजयुमो को शसक्त करने का आह्वान किया मुलाकात के दौरान समाजसेवी तरुण सिंह, आलोक श्रीवास, मंजीत सिंह, हर्ष वर्मा सहित बड़ी संख्या उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत करने और आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

कर्तव्य में लापरवाही बरतने के कारण सहायक शिक्षक तत्काल प्रभाव से निलंबित

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

जिला शिक्षा अधिकारी बीआर बघेल द्वारा सहायक शिक्षक एलबी प्राथमिक शाला फाफनी विकासखण्ड-बस्तर अंशुराम कमार को कर्तव्य में लापरवाही बरतने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार कार्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बस्तर के माध्यम से अंशुराम कमार सहायक शिक्षक एलबी प्राथमिक शाला फाफनी विकासखण्ड-बस्तर के द्वारा नियमित शराब सेवन कर अध्यापन कार्य करने एवं शासकीय आदेशों तथा शासकीय कार्यों में लापरवाही किए जाने संबंधी प्राप्त प्रस्ताव के आधार पर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम-3 के उपनियम के उल्लंघन का प्रथम दृष्ट्या दोषी पाये जाने के फलस्वरूप तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है।

छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग का बड़ा फैसला जारी हुई कोरोना वॉरियर्स की सत्यापित सूची, भर्ती के लिए संशोधित शेड्यूल घोषित

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ में शासकीय स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और कोरोना काल के संकट मोचकों को उनके समर्पण का समुचित अवसर देने की दिशा में राज्य सरकार ने एक निर्णायक कदम उठाया है। इस महत्वपूर्ण फैसले के तहत उन हजारों अभ्यर्थियों के अनुभव प्रमाण पत्रों की सत्यापित सूची सार्वजनिक कर दी गई है, जिन्होंने महामारी के कठिन दौर में छह माह से अधिक का समय अस्पतालों में निरंतर सेवा देते हुए व्यतीत किया था। संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं द्वारा जारी इस ताजा अपडेट के बाद अब भर्ती प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ अपने अगले चरण में प्रवेश कर चुकी है। विभागीय जानकारी के अनुसार संभाग स्तरीय समितियों द्वारा 30 जनवरी से 8 फरवरी के बीच किए गए गहन भौतिक सत्यापन के परिणामों को आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किया जा रहा है। इस सूची के सार्वजनिक होते ही अब अभ्यर्थियों के लिए दावा-आपत्ति की खिड़की खुल गई है, जिसके तहत वे 16 फरवरी तक अपने संबंधित संभाग के संयुक्त संचालक कार्यालय में जाकर अपनी आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अभ्यर्थी उसी क्षेत्र में अपना पक्ष रखें जहाँ से उनका अनुभव प्रमाण पत्र संबद्ध है, ताकि प्रक्रिया में किसी प्रकार की त्रुटि की गुंजाइश न रहे। यह प्रक्रिया आगामी 19 मार्च को अपने अंतिम मुकाम तक पहुँचेगी। संशोधित समय-सारणी के मुताबिक, 20 फरवरी तक प्राप्त आपत्तियों का त्वरित निराकरण किया जाएगा, जिसके पश्चात 3 मार्च को पहली मेरिट सूची का प्रकाशन होगा। इस चरण में भी अभ्यर्थियों को पुनर्विचार का मौका देने के बाद, आगामी 19 मार्च 2026 को आधिकारिक रूप से अंतिम चयन सूची वेबसाइट पर साझा कर दी जाएगी।

बड़ा और मुर्रा लाडू का केंद्रीय गृह मंत्री ने लिया स्वाद

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

जनजातीय परंपराओं, कला और संस्कृति को समाहित बस्तर पंडुम के समापन समारोह में शामिल होने पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को बस्तर के लालबाग मैदान में आयोजित बस्तर पंडुम में आदिम जनजातीय परंपराओं पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री ने स्टॉलों का भ्रमण कर स्थानीय जनजातियों के जीवन में उपयोग की जाने उत्पादों और कारीगरों व कलाकारों द्वारा प्रदर्शित कलाओं एवं उत्पादों की विस्तृत जानकारी ली। केंद्रीय गृह मंत्री ने स्टाल निरीक्षण के दौरान बड़ा और मुर्रा लाडू का स्वाद भी लिया। केंद्रीय गृह मंत्री ने बस्तर पंडुम के स्टॉल में ढोकरा हस्तशिल्प कला, टेराकोटा, वुड कार्विंग, सीसल कला, बांस कला, लौह शिल्प, जनजातीय वेश-भूषा एवं आभूषण, तुम्बा कला, बस्तर की जनजातीय चित्रकला, स्थानीय व्यंजन तथा लोक चित्रों पर आधारित आकर्षक प्रदर्शनी का अवलोकन किया और इसकी सराहना की। स्टॉल में जनजातीय वेशभूषा एवं आभूषण स्टॉल में बस्तर क्षेत्र की प्रमुख जनजातियां दंडामी माडिया, अबूझमाड़िया, मुरिया, भतरा एवं हल्बा की पारंपरिक वेशभूषा और आभूषण संबंधित जनजातियों के युवक-युवतियों द्वारा प्रदर्शित किए गए। बस्तर की चित्रकला के माध्यम से आदिवासी जीवन, प्रकृति और परंपराओं की सजीव झलक प्रस्तुत की गई। इसके अलावा जनजातीय औषधि में उपयोग होने वाले जड़ी बूटी का रोगों के उपचार के लिए किया जाता है इसका भी जीवंत प्रदर्शन तिरिया क्षेत्र के वैद्यराज ने किया। में उपयोग होने वाली खाद्य सामग्री एवं पेय पदार्थों का प्रदर्शन किया गया। इसमें जोंधरी लाई के लड्डू, जोंधरा, मंडिया पेज, आमट, चापड़ा चटनी, भेंडा चटनी, कुलथी दाल, पान बोबो, तीखुर जैसे पारंपरिक व्यंजनों के साथ पेय पदार्थ लांदा और सल्फी को प्रदर्शित किया गया।

केंद्रीय गृहमंत्री और मुख्यमंत्री के हाथों हुए पुरस्कृत हुए कांकेर के दो प्रतिभागी

कांकेर, प्रतिदिन राजधानी

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बस्तर की समृद्ध आदिवासी संस्कृति और गौरवशाली परंपरा के संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम 2026 में कलाकारों, शिल्पियों और नृत्य, गीत, साहित्य, व्यंजन, पेय पदार्थ, औषधि, वेशभूषा-आभूषण चित्रकला, वाद्ययंत्र और नाटक की विधा सहित इन 12 विधाओं के विजेताओं को प्रथम पुरस्कार के रूप में 50-50 हजार रुपए के चेक और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

इसी क्रम में जिले के दो पृथक-पृथक विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दलों को पुरस्कृत किया गया। इनमें जनजातीय शिल्प का प्रदर्शन करने वाले जिले के ओमप्रकाश गावड़े (कोया आर्ट्स) को प्रथम पुरस्कार के तौर पर 50 हजार रुपए के चेक के साथ स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

इसी तरह संभाग स्तरीय बस्तर पण्डुम के समापन अवसर पर जनजातीय चित्रकला का श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले दीपक जुर्री (जिला प्रत्येक को 50 हजार रुपए के चेक और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि के लिए कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने कलाकारों को अपनी शुभकामनाएं दी हैं।

जिला स्तर गौ विज्ञान परीक्षा में बच्चों ने दिखाया उत्साह

कोंडागांव,, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति द्वारा आयोजित 'गौ विज्ञान परीक्षा 2025 ' जिले में एक अनूठी पहल के रूप में सामने आई है। इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य भारतीय गाय (गौ माता) के वैज्ञानिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक महत्व के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है। यह आयोजन विद्यार्थियों एवं युवाओं को भारतीय परंपराओं से जोड़ने और गौ माता के संरक्षण व संवर्धन के प्रति संकल्पित करने का एक सशक्त माध्यम बन गया है। इसी कड़ी में जिले के दो प्रमुख केंद्रों- सरस्वती शिशु मंदिर कोंडागांव एवं सेजेश केशकाल में जिला स्तरीय परीक्षा का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस ज्ञान यज्ञ में कुल 280 छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। परीक्षा के दौरान बच्चों में अपनी संस्कृति और गौ-विज्ञान को गहराई से जानने की जिज्ञासा साफ देखी गई। उपहार में मिली 'पंचगव्य किट ' और स्नेहपूर्ण भोज आयोजन को यादगार बनाने के लिए परीक्षा में सम्मिलित सभी बच्चों को पंचगव्य किट उपहार स्वरूप प्रदान की गई। इस किट के माध्यम से बच्चों को गौ-उत्पादों की उपयोगिता और उनके स्वास्थ्य लाभों के बारे में व्यवहारिक जानकारी दी गई। परीक्षा के पश्चात सभी बच्चों के लिए सामूहिक भोज का आयोजन किया गया, जहाँ बच्चों ने बड़े चाव से खिचड़ी का आनंद लिया।

सहायक जिला नोडल अधिकारी अशोक कुमार साहू ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि नई पीढ़ी को गौ-वंश के वैज्ञानिक पहलुओं से अवगत कराना समय की मांग है। उन्होंने सफल आयोजन के लिए सभी सहयोगियों और छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त आयोग सदस्य , डॉ हितेश मिश्रा कृषि वैज्ञानिक, कुमार साहू बी आर पी सहायक जिला नोडल अधिकारी गौ विज्ञान परीक्षा कोंडागांव, जगदीश देवांगन व्याख्याता,परशु मरकाम प्रधानाचार्य, प्रकाश देवांगन का सहयोग रहा।

आज 280 जोड़े बंधेंगे परिणय सूत्र में

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर में मंगलवार 10 फरवरी को मुख्यमंत्री कन्या सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 280 जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे। इस विवाह समारोह में एक ही मंडप के नीचे ये सभी जोड़े दांपत्य जीवन की नई शुरुआत करेंगे। जिला प्रशासन और महिला एवं बाल विकास विभाग, जगदलपुर द्वारा आयोजित यह गरिमामय समारोह शहर के प्रतिष्ठित चेसिटी ग्राउंड्ज में संपन्न होगा, जहां सुबह 11 बजे इस कन्या सामूहिक विवाह समारोह में नव-विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देने के लिए मुख्य अतिथि बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद महेश कश्यप होंगे, जो नवदंपतियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करेंगे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय विधायक किरण सिंह देव द्वारा की जाएगी। इस अवसर पर चित्रकोट विधायक विनायक गोयल, बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल तथा महापौर संजय श्रीनिवास राव मद्दी और जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप, नगर निगम सभापति खेमसिंह देवांगन, जिला पंचायत उपाध्यक्ष बलदेव मंडावी, महिला एवं बाल विकास एवं स्वास्थ्य स्थायी समिति की सभापति सुश्री ललिता कश्यप सहित अन्य कई अतिथिगण एवं जनप्रतिनिधि इस पुनीत कार्य के साक्षी बनेंगे।

बस्तर पंडुम ने जीता दिल, सुकमा के जनजातीय वेशभूषा ने बिखेरा जलवा, मिला प्रथम पुरस्कार

सुकमा , प्रतिदिन राजधानी

बस्तर की आत्मा, उसकी परंपराएं और उसकी जनजातीय पहचान-इन सबका भव्य उत्सव बनकर उभरा 'बस्तर पंडुम 2026' न केवल एक सांस्कृतिक आयोजन रहा, बल्कि यह सुशासन, संवेदनशील प्रशासन और जनजातीय संरक्षण के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण भी बना। लाल बाग मैदान में हुए इस ऐतिहासिक समापन समारोह ने पूरे देश का ध्यान बस्तर की गौरवशाली विरासत की ओर आकृष्ट किया। सुकमा जिला प्रशासन ने इस आयोजन में उत्कृष्ट समन्वय, प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता का परिचय दिया। जिले के कलाकारों ने बस्तर की आत्मा को मंच पर जीवंत कर दिया। छिंदगढ़ विकासखंड के किंदरवाड़ा निवासी गुंजन नाग और किरण नाग ने जनजातीय वेशभूषा प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर न केवल सुकमा, बल्कि पूरे बस्तर का मान बढ़ाया।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर देश के गृहमंत्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा कलाकारों को स्मृति चिन्ह एवं 50 हजार रुपये का प्रोत्साहन चेक प्रदान किया गया, जो शासन की कलाकारों के प्रति सम्मान और विश्वास को दर्शाता है।

सहभागिता ने रचा इतिहास

सुकमा जिले से 12 विधाओं में 69 कलाकारों की सहभागिता ने यह सिद्ध कर दिया कि प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए मंच और अवसर जनजातीय प्रतिभाओं को नई उड़ान दे रहे हैं। यह सहभागिता केवल प्रस्तुति नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, पहचान और भविष्य की उम्मीद का प्रतीक रही।

विकास के साथ संस्कृति का संरक्षण

बस्तर पंडुम 2026 यह स्पष्ट संदेश देता है कि श्री विष्णु देव साय सरकार का विकास मॉडल केवल सड़कों, भवनों और योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जनजातीय अस्मिता, सांस्कृतिक जड़ों और सामाजिक आत्मसम्मान को समान महत्व देता है। यह आयोजन साबित करता है कि जब प्रशासन संवेदनशील हो और नेतृत्व दूरदर्शी, तो विकास और परंपरा एक-दूसरे के पूरक बन सकते हैं।

191 जोड़ों का सामूहिक विवाह

दंतेवाड़ा, प्रतिदिन राजधानी

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना 2026 के अंतर्गत जिले में कुल 191 जोड़ों का सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन हेतु जिले की विभिन्न एकीकृत बाल विकास परियोजनाओं से आवेदन प्राप्त हुए हैं। परियोजनावार प्राप्त आवेदनों में दंतेवाड़ा से 18, बचेली से 23, कुआकोंडा से 34, किरंदुल से 14, बड़ेगुडरा से 19, बारसूर से 32, कटेकल्याण से 19 एवं गीदम से 31 जोड़े शामिल हैं। इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम में एक आत्मसमर्पित नक्सली जोड़े का विवाह भी सामाजिक समरसता के साथ संपन्न कराया जाएगा। कन्या बामन मड़काम (25 वर्ष, निवासी कारली पुलिस लाइन) का विवाह पूर्ण विधि-विधान एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ कराया जाएगा।

रफ्तार कार की ठोकर, बाइक सवार की मौत, आरोपी चालक गिरफ्तार

कांकेर, प्रतिदिन राजधानी

तेज रफ्तार और लापरवाहीपूर्वक चलाई जा रही कार की ठोकर से एक मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई। इस मामले में कोरर पुलिस ने आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार प्रार्थी नरोत्तम साहू पोटगांव ने थाना कोरर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनका भाई मोटरसाइकिल से ग्राम कोदागांव से पोटगांव आ रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रही कार क्रमांक सीजी 19 सी 0316 के चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए ठोकर मार दी, जिससे दुर्घटना में उनके भाई की मृत्यु हो गई। रिपोर्ट के आधार पर थाना कोरर में मर्ग क्रमांक 14/2026 धारा 194 बीएनएसएस के तहत मामला दर्ज कर शव का पंचनामा किया गया। मर्ग जांच के बाद आरोपी चालक के विरुद्ध अपराध क्रमांक 20/2026 धारा 281, 106(1) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि 7 फरवरी को कार चालक ने तेज

गति एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए पहले एक मोटरसाइकिल को टक्कर मारी, इसके बाद भागते समय एक अन्य मोटरसाइकिल को भी पीछे से ठोकर मार दी, जिससे एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई। मामले में धारा 105 बीएनएस जोड़ी गई है। साथ ही आरोपी पुष्टि होने पर मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 भी प्रकरण में शामिल की गई है। विवेचना के दौरान गवाहों के बयान दर्ज किए गए। जांच में पाया गया कि आरोपी नवाज अली, निवासी संजय नगर कांकेर ने चलाते हुए दुर्घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। आरोपी की कार क्रमांक सीजी 19 सी 0316 तथा उसका ड्राइविंग लाइसेंस जब्त कर लिया गया है।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार, 11 फरवरी 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

टी-20 विश्व कप : नीदरलैंड ने नामीबिया को 7 विकेट से हराया, ये बने रिकॉर्ड्स

नई दिल्ली। टी-20 विश्व कप 2026 के 10वें मैच में नीदरलैंड क्रिकेट टीम ने नामीबिया क्रिकेट टीम को 7 विकेट से हराया। अरुण जेटली स्टेडियम में हुए मुकाबले में नामीबिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों के बाद 156/8 का स्कोर बनाया। जवाब में डच टीम ने बास डे लीडे की पारी (72*) की मदद से लक्ष्य हासिल किया। यह मौजूदा टूर्नामेंट में नीदरलैंड की पहली जीत है।

इस तरह से जीती नीदरलैंड की टीम

नामीबिया को लौरेन स्टीनकैंप (6) के रूप में पहला झटका लगा। इसके बाद जान फ्राइलिंक (30) और जान निकोल लोफ्टी-ईटन (42) ने उम्दा पारियां खेलते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में नीदरलैंड ने पावरप्ले तक 50/2 का स्कोर बनाया।

इस बीच उनके दोनों सलामी बल्लेबाज आउट हुए। संकट की घड़ी में बास डी लीडे और कॉलिन एकरमैन (32) ने उपयोगी पारियां खेलते हुए जीत दिलाई।

बास डी लीडे ने लगाया अर्धशतक प्लेयर ऑफ द मैच बने : लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड को जब 16 के स्कोर पर पहला झटका लगा, तब बास डी लीडे क्रीज पर आए। उन्होंने अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय का 5वां अर्धशतक लगाया। वह 48 गेंदों में 72 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपनी अर्धशतकीय पारी में 5 चौके और 4 छक्के लगाए, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने कॉलिन एकरमैन के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 70 रन की साझेदारी की। एकरमैन 32 रन बनाकर आउट हुए।

नीदरलैंड ने दर्ज की अपनी पहली जीत : टी-20 विश्व कप 2026 में नीदरलैंड ने अपनी पहली जीत दर्ज की। डच टीम ने अब तक 2 मैच खेले हैं, जिसमें से 1 में जीत और 1 में ही हार मिली है। ग्रुप-ए की अंक तालिका में ये टीम फिलहाल दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। इस ग्रुप में भारतीय क्रिकेट टीम शीर्ष पर मौजूद है, जिसने अपने पहले मैच में यूएसए को हराया था। नामीबिया का यह पहला मुकाबला था, जिसमें उन्हें हार मिली थी।

नीदरलैंड ने टी-20 विश्व कप इतिहास में जीता अपना 11वां मैच : यह टी-20 विश्व कप में नीदरलैंड की कुल 11वीं जीत है। इस टूर्नामेंट के इतिहास में नीदरलैंड सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली एसोसिएट टीम है। इसके बाद स्कॉटलैंड क्रिकेट टीम ने 8 मुकाबले जीते हुए हैं। इसके बाद अफगानिस्तान क्रिकेट टीम और नामीबिया क्रिकेट टीम ने 5-5 जीत दर्ज की हुई है। इसी सूची में आयरलैंड क्रिकेट टीम ने टी-20 विश्व कप में कुल 3 मुकाबले जीते हैं।

सूर्यकुमार ने कप्तान के तौर पर अपने को साबित किया : गंभीर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह मेरा काम आसान कर देते हैं। गंभीर ने कहा कि टी20 प्रारुप में कप्तान बनाये जाने के बाद से ही सूर्या ने अपनी जिम्मेदारी काफी अच्छे से निभाई है। वह हर प्रकार से सफल रहे है। दबाव के बीच भी उनकी नेतृत्व क्षमता को सभी ने देखा है। एक वीडियो में गंभीर ने कहा कि टीम में सूर्यकुमार जैसे आक्रामक बल्लेबाज से भारतीय टीम को काफी लाभ होता है। टीम के लिए ये खुशी की बात है कि उसे ऐसा कप्तान और बल्लेबाज मिला है जो संयमित रहते हुए सभी का सही उपयोग करता है। इससे कोच के तौर पर मेरा काम भी आसान हो गया है। गंभीर ने कहा, 'सूर्यकुमार ने इस प्रारूप में मेरा काम कर कर दिया है। वह लोगों के लिए एक बेहतरीन कप्तान हैं, यह केवल नहीं कि वह मैदान पर क्या करते हैं, या बल्लेबाज के रूप में कैसे हैं, या उनके शॉट्स इस प्रारूप में किस प्रकार के हैं।' कोच के तौर पर दिमाग में कई बातें चल रही होती हैं पर सूर्यकुमार माहौल को शांत बनाए रखते है, जो हर कोच चाहता है।' सूर्यकुमार ने पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ पारी को संभालकर टीम को जीत दिलायी। उन्होंने एक छोर से विकेटों के गिरने के बची भी 49 गेंदों में नाबाद 84 रन बनाकर टीम को मैच में बनाये रखा। गंभीर ने कहा, 'मेरे लिए खिलाड़ी सूर्यकुमार को अलग रखा जा सकता है पर कप्तान सूर्यकुमार के तौर पर वह हर परीक्षा खरे उतरे हैं। इससे मुझे भी काफी आराम मिल गया है क्यों मेरा काफी काम वहीं कर देते हैं। वह वास्तव में एक शानदार नेतृत्वकर्ता हैं।' यह सौभाग्य की बात है कि देश का नेतृत्व उनके जैसे खिलाड़ी के हाथ में है, क्योंकि उनका दिल सही जगह पर है और दबाव में वह सही फैसला लेते हैं।' गौरतलब है कि रोहित शर्मा के टी20 से संन्यास के बाद गंभीर ने ही सूर्या को कप्तानी देने की मांग की थी।

न्यूजीलैंड की लगातार दूसरी जीत, यूएई 10 विकेट से हारी, 174 का टारगेट 15.2 ओवर में चेज

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी हासिल की है। कीवियों ने मंगवार के दूसरे मैच मेंयूएई को 10 विकेट से हराया। चेन्नई के चेपॉक मैदान पर न्यूजीलैंड ने 174 रन का टारगेट 15.2 ओवर में बिना नुकसान के चेज कर लिया। ओपनर टिम सइफर्ट (89* रन) और फिन एलन (84* रन) ने फिफ्टी लगाई। दोनों ने 175 रन ओपनिंग साझेदारी की। यह टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में न्यूजीलैंड के ओपनर्स की सबसे बड़ी साझेदारी है। यूएई ने टॉस जीतकर बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 173 रन बनाए। कप्तान मुहम्मद वसीम ने 66 रन बनाए। अलीशान शराफू ने 55 रनों का योगदान दिया। हैं के मैट हेनरी ने 2 विकेट झटके। जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मिचेल सैंटनर और ग्लेन फिलिप्स को एक-एक विकेट मिला। मैच का स्कोरबोर्ड न्यूजीलैंड की टीम लगातार दूसरी जीत से ग्रुप डी की पॉइंट्स टेबल के टॉप पर आ गई है। टीम के पास 4 अंक हैं। टीम को कनाडा और साउथ अफ्रीका के साथ भी खेलना है। इस ग्रुप में साउथ अफ्रीका दूसरे स्थान के साथ दूसरे स्थान पर है।

एशियन चैंपियनशिप : सोफिया शुल्झेंको का वर्ल्ड रिकॉर्ड, भारत के खाते में दो और स्वर्ण

नई दिल्ली। कजाख़स्तान की निशानेबाज सोफिया शुल्झेंको ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन (3पी) महिला वर्ग में नया विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए मंगलवार को एशियन राइफल-पिस्टल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता के सातवें दिन भारत ने डॉ. नई दिल्ली के कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में दो और स्वर्ण पदक जीतकर अपनी बढ़त को और मजबूत किया। सोफिया ने 35 शॉट के फाइनल में 358.2 का स्कोर करते हुए स्वर्ण पदक जीता और भारत की आकृति दहिया से चार अंकों की बढ़त बनाई, जिन्हें रजत पदक मिला। आकृति की सीनियर साथी और विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता अंजुम मौदगिल ने 340.4 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। सोफिया के इस शानदार प्रदर्शन ने उन्हें एक साथ चार विश्व रिकॉर्ड, विश्व जूनियर रिकॉर्ड, एशियन रिकॉर्ड और एशियन जूनियर रिकॉर्ड दिलाए। जूनियर महिला 3पी फाइनल में भारत की प्राची गायकवाड़ ने 353.3 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। कजाख़स्तान की 14 वर्षीय टॉमिरिस अमानोवा ने 351.4 के साथ रजत पदक हासिल किया, जबकि भारत की अनुष्का ठाकुर ने 341.1 के स्कोर के साथ (34वें शॉट के बाद) कांस्य पदक अपने नाम किया। प्राची, अनुष्का और हेजल की तिकड़ी ने टीम स्पर्धा में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 1748 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जो टीम कजाख़स्तान से सात अंक अधिक था। सीनियर महिला 3क्कटीम स्पर्धा में कजाख़स्तान ने 1760 के संयुक्त स्कोर के साथ भारत को चार अंकों से पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। पेरिस ओलंपियन और पिछले वर्ष ब्यूनस आयर्स वर्ल्ड कप की कांस्य पदक विजेता एरिना मालिनोव्स्काया ने महिला 3पी क्वालिफिकेशन में 588 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

बीसीसीआई ने नये केन्द्रीय अनुबंध की घोषणा की, विराट ओर रोहित का हुआ डिमोशन

शमी सहित पांच खिलाड़ी हुए बाहर, साई सुदर्शन शामिल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नये केन्द्रीय अनुबंध में कई बदलाव हुए हैं। बीसीसीआई ने साल 2025-26 सत्र के लिए नया केन्द्रीय अनुबंध जारी कर दिया है। इसमें अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली का डिमोशन हुआ है। वहीं ईशान किशन और मोहम्मद शमी सहित पांच खिलाड़ियों को बाहर कर दिया गया है। बोर्ड ने इस बार ए प्लस कैटेगरी को भी हटा दिया है।

अब ए कैटेगरी में ही टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन गिल के साथ जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा को रखा गया है। वहीं नए केन्द्रीय अनुबंध में कुल 5 खिलाड़ियों मोहम्मद शमी, रजत पाटीदार, सरफराज खान, मुकेश कुमार और ईशान किशन को बाहर कर दिया गया है जबकि एक ही नये

खिलाड़ी साई सुदर्शन को इसमें जगह मिली है। इस बार 34 की जगह 30 खिलाड़ियों को ही अनुबंध दिया गया है। शमी को बाहर किए जाने से तय है कि अब उनका करियर समाप्त हो रहा है और वह टीम योजनाओं में शामिल नहीं हैं। वहीं ईशान, मुकेश और सरफराज को एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेलने के कारण बाहर कर दिया गया। ईशान को टी20 प्रारुप में जगह मिली है पर उनकी वापसी नये सत्र में हुई है। यह वापसी नए साइकिल में हुई है। वहीं सीनियर पुरुष अनुबंध सूची में नये खिलाड़ी के तौर पर केवल सुदर्शन को जगह मिली है। बोर्ड ने अभी तक रिटेनरशिप की राशि की जानकारी नहीं दी है। ए प्लस ग्रुप इस बार समाप्त कर दिया गया है इसमें 7 करोड़ मिलते थे जबकि ए में 5 करोड़, बी में 3 करोड़ और सी में एक करोड़ मिलते थे। अब देखना है कि इस बार इसमें कितनी रकम मिलती है।

बीसीसीआई केन्द्रीय अनुबंध

- **ग्रेड ए**-शुभमन गिल,जसप्रीत बुमरा,रवींद्र जड़ेजा।
- **ग्रेड बी**-विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत, कुलदीप यादव, यशस्वी जयसवाल, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर।
- **ग्रेड सी**-अक्षर पटेल, रुतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, ध्रुव जुरेल, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, नितीश कुमार रेड्डी, अभिषेक शर्मा, साई सुदर्शन, रवि बिश्नोई।

छत्तीसगढ़ की लगातार तीसरी जीत, चंडीगढ को 20 रनों से हराया, चंडीगढ ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया

रायपुर। छत्तीसगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 50 ओवरों में 9 विकेट खोकर 182 रन बनाये। छत्तीसगढ़ की ओर से शील्पा साहु ने 52 रन तथा श्रृष्टि शर्मा ने 50 रनों का योगदान दिया। उनके अतिरिक्त प्रिति यादव ने 26 रन तथा अदिती पंवार ने 22 नाबाद रन बनाये।

चंडीगढ टीम की ओर से तरुनिका ने 5 विकेट प्राप्त किया। 183 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चंडीगढ की टीम 50 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 162 रन ही बना सकी। चंडीगढ की ओर से तानीया भाटीया ने 70 रनों की पारी खेली तथा मोनीका बिश्नोंई ने नाबाद 36 रनों की पारी खेली। उनके अतिरिक्त मोनीका पांडे ने 18 रनों का योगदान दिया। छत्तीसगढ़ की ओर से बांय हाथ की स्पीन गेंदबाज श्रेया श्रीवास ने शानदार गेंदबाजी करते हुये 5 विकेट प्राप्त किये।

प्रिती यादव, उर्मिला हरीना तथा अदिती पंवार ने 1-1 विकेट प्राप्त किये। छत्तीसगढ़ ने मैच 20 रनों से जीत लिया।

यूएफा महिला चैंपियंस लीग खेलने वाली पहली भारतीय महिला फुटबॉलर हैं मनीषा, एलियांजा लीमा क्लब से खेलेंगी

नई दिल्ली। भारतीय महिला फुटबॉलर मनीषा कल्याण मनीषा यूएफा महिला चैंपियंस लीग में खेलने वाली पहली भारतीय फुटबॉलर हैं। इसके बाद से ही उन्हें विदेशी लीग से प्रस्ताव मिलने शुरु हुए। अब मनीषा पेरु के क्लब एलियांजा लीमा से खेलती हुई नजर आयेंगी। मिडफील्डर मनीषा ने हाल ही में इस क्लब से करार किया है। मनीषा के अनुसार इससे उन्हें काफी कुछ सीखने का अवसर मिलेगा। मनीष के अनुसार वह इस टीम की ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा, ''मैं इस क्लब में आकर बहुत खुश हूं। मुझे उनका खेलने का अंदाज काफी अच्छा लगता है। मैं अब इस नई चुनौती को लेकर बेहद उत्साहित हूं। वहीं क्लब एलियांजा ने कहा, ''मनीषा के साथ करार से हमें खुशी हुई है। उनके आने से हैं टीम को मजबूत मिलेगी। उन्होंने यूरोपीय फुटबॉल के शीर्ष स्तर पर खेला है जिसका लाभ क्लब को मिलेगा। ''साथ ही कहा , ''कल्याण ने क्लब और राष्ट्रीय टीम दोनों स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है। उनके पेशेवर करियर में भारत, साइप्रस और यूनान की लीग में खेलने का अनुभव शामिल है।'' वहीं मनीषा ने कहा कि उसका प्रयास क्लब के लिए बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उनका घ्यान अपना सौ फीसदी देने पर रहेगा।

सचिन ने अंडर-19 कप्तान आयुष को अपनी टेस्ट जर्सी दी बोले- मेहनत करते रहो, लोगों के बहकावे में मत आओ

नई दिल्ली। अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद भारत के कप्तान आयुष म्हात्रे जिम्बाब्वे से भारत लौटने के बाद सोमवार को सचिन तेंदुलकर से मिले। इससे पहले, मुंबई एयरपोर्ट पर कप्तान आयुष म्हात्रे समेत सभी खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत हुआ। म्हात्रे का पूरा परिवार उनके माता-पिता उन्हें लेने एयरपोर्ट पहुंचे थे।

सचिन के घर पहुंचे म्हात्रे

म्हात्रे भारत वापस लौटने के बाद महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर के घर पहुंचे। आयुष म्हात्रे को सचिन तेंदुलकर से एक खास तोहफा मिला। तोहफा में सचिन ने अपनी टेस्ट जर्सी भेंट की,साथ ही उन्होंने अपने हाथ से लिखा हुआ एक संदेश भी दिया। प्रिय आयुष, आपके करियर में अपार सफलता की कामना करता हूं।' वीडियो में

सचिन ने म्हात्रे से कहा, यह वही जर्सी थी जिसे उन्होंने अपनी अंतिम टेस्ट सीरीज में पहना था। वो आगे कहते है, लगातार मेहनत करते रहो। ध्यान केंद्रित रखो। लोगों के बहकावे में मत आओ। अभ्यास करते रहो। एकाग्रता बनाए रखना जरूरी है। चाहे जो भी हो, ध्यान भटकाने वाली चीजें बहुत होंगी।

म्हात्रे ने मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया : म्हात्रे ने मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए अपनी खुशी व्यक्त की। लिखा, मैं आपको स्क्रीन पर देखते हुए बड़ा हुआ। आज मैं आपके घर पर खड़ा हूं और आपकी यात्रा का एक हिस्सा अपने हाथों में थामे हुए हूं। इस सम्मान के लिए आपका धन्यवाद, सर। मैं इसे उसी आदर और सम्मान के साथ संभालकर रखूंगा, जैसे आपने सालों तक भारतीय क्रिकेट को सम्मान के साथ आगे बढ़ाया। टीम इंडिया छठी बार टूर्नामेंट की चैंपियन बनी अंडर-19 क्रिकेट में दुनिया की सबसे सफल टीम भारत फिर से वर्ल्ड चैंपियन बन गई है।

आयुष म्हात्रे की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे में खेला गया अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 जीत लिया। इसके साथ ही टीम इंडिया रिकॉर्ड छठी बार टूर्नामेंट की चैंपियन बनी। टूर्नामेंट में म्हात्रे ने शानदार कप्तानी की टूर्नामेंट में म्हात्रे ने शानदार कप्तानी की, खासकर नॉकआउट मैचों में। फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 51 गेंदों में 53 रन बनाए और सेमीफाइनल में अफगानिस्तान के खिलाफ 59 गेंदों में 62 रन की पारी खेली। पूरे टूर्नामेंट में उन्होंने 7 पारियों में कुल 214 रन बनाए और 30.57 की औसत से भारत के चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे।

पोंटिंग ने बाबर आजम के फार्म पर सवाल उठाये

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम के फार्म पर सवाल उठाये हैं। पोंटिंग ने कहा है कि बाबर ने जिस प्रकार से एसोसिएट टीम नीदरलैंड्स के खिलाफ धीमी बल्लेबाजी की है। उससे साफ है कि वह सहज नहीं हैं। इसके बाद भी वह नीदरलैंड्स के खिलाफ 18 गेंदों में केवल15 रन ही बना पाये। इस पारी के दौरान वह न एक भी चौका , छक्का नहीं लगा पाये। पोंटिंग के अनुसार आजम के शॉट में पहले जैसी ताकत नजर आई और न ही टाइमिंग नजर नहीं आई। पोंटिंग ने कहा, अगर आप 18 गेंदों में 15 रन बना रहे हैं तो इससे साफ है कि आप दबाव में है और स्ट्राइक

भी रोटेट नहीं कर पा रहे। इससे दूसरे बल्लेबाजों पर भी दबाव आता है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि बाबर को फिर से नंबर-3 पर बल्लेबाजी करानी चाहिए जिससे वह पावरप्ले के दौरान मैदान की पाबंदियों का लाभ उठाकर रन बना सकें। पोंटिंग ही नहीं भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने भी कहा कि बाबर अपने पहले ही मैच में रनों के लिए जूझते दिखे। वहीं शास्त्री ने कहा कि बाबर पर उम्मीदों का बोझ है जिससे वह खुलकर नहीं खेल पा रहे। शास्त्री ने कहा, करियर के इस पड़ाव पर उम्मीदों का बोझ काफी अधिक होता है। लोग चाहते हैं कि वह पाक के शीर्ष बल्लेबाज होने के कारण हर मैच में रन बनाये। उन्हें पहले पांच गेंदों में दो बाउंड्री लगाने की कोशिश करनी चाहिए, भले ही वह आउट हो जाएं।

टी20 क्रिकेट में बीच के ओवर बेकार करने से निचले स्तर पर आने वाले बल्लेबाजों पर दबाव पड़ता है। पोंटिंग ने यहां तक कहा कि टीम को यह भी सोचना होगा कि बाबर को वर्तमान क्रम पर रखा जाए या नहीं। उन्होंने कहा, अगर पाकिस्तान को टूर्नामेंट में आगे जाना है तो उन्हें बाबर का सर्वश्रेष्ठ संस्करण चाहिए। पाक को अब 11 फरवरी को कोलंबो में अमेरिका से खेलना है और इस मैच में बाबर बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करना चाहेंगे।

आईसीसी ने इस बार टी20 विश्वकप के लिए अच्छी पिचें बनायीं : अश्विन

चेन्नई। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसने टी20 विश्वकप के लिए अच्छी पिचें बनायी है। अश्विन के अनुसार इससे मुकाबले रोमांचक हो रहे है क्योंकि पिच से बल्लेबाजों के साथ ही गेंदबाजों को भी सहायता मिल रही है। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट की शुरुआत में हर कोई सोच रहा था कि विश्वकप में बड़े स्कोर बनेंगे पर अभी तक हुए मैचों में ये बात गलत साबित हुई है। ये खुशी की बात है कि आईसीसी ने ऐसी पिचें तैयार की हैं जहां बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच कड़ी टक्कर हो रही है। इससे खेल का स्तर बढ़ा है।

अश्विन ने कहा कि टेस्ट खेलने वाले देश आईपीएल और द्विपक्षीय सीरीज की तरह ही ऐसी पिचों की उम्मीद करते हैं जिसपर आसनी से रन आयें। इस बार ऐसी टीमों को हैरानी हुई है। वानखेड़े स्टेडियम को ही लें भारतीय टीम को वहां सपाट पिच की उम्मीद थी पर जो पिच मिली वह काफी अलग रही। इससे टीम के लिए रन बनाना आसान नहीं रहा। अश्विन का मानना है कि पिच की इस प्रकृति ने टीमों को हैरान कर दिया है। उन्हें वह गति और उछाल नहीं मिल रहा है जिसकी उन्होंने भविष्यवाणी की थी। इसकी वजह से खेल और भी चुनौतीपूर्ण हो गया है। उन्होंने कहा कि जब मैच में बल्ले और गेंद के बीच सही संतुलन होता है, तो टी20 क्रिकेट का मजा और बढ़ जाता है। ये देखा गया है कि 140, 150 या 160 के आसपास के स्कोर वाले मैचों में रोमांच अधिक होता है क्योंकि ऐसे हालातों में छोटी टीमों के पास भी बड़ी टीमों को हराने का अवसर होता है। वहीं यदि हर मैच में केवल बड़े स्कोर ही बनेंगे, तो गेंदबाजों के लिए कुछ नहीं रहेगा और मुकाबले एकतरफा हो जाएंगे। इसलिए, इस बार की पिचों को वह अच्छा कह रहे हैं। इनपर बल्लेबाज और गेंदबाज के पास समान अवसर हैं।

अर्शदीप के पास टी20 विश्व कप में शीर्ष दस गेंदबाजों में जगह बनाने का अवसर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप के पास इस बार विश्वकप में शीर्ष दस गेंदबाजों में आने का अवसर है। आज तक हुए विश्वकप मुकाबलों में भारतीय का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है पर इसके बाद भी शीर्ष 10 में एक भी भारतीय गेंदबाज नहीं है। टी20 विश्व कप में अब तक भारत के सबसे सफल गेंदबाज आर अश्विन रहे हैं। अश्विन ने 24 मैचों में 32 विकेट लिए हैं और वह 13वें स्थान पर हैं। वहीं विश्व कप के 15 मैचों में अर्शदीप के नाम 29 विकेट हैं और वह 19 वें स्थान पर है। अर्शदीप के पास इसबार ज्यादा से ज्यादा विकेट लेकर अश्विन को पीछे छोडने के साथ ही शीर्ष भारतीय गेंदबाज बनने का अवसर है। शीर्ष पांच गेंदबाजों में एशियाई गेंदबाज छाये हुए हैं पर इसमें एक भी भारत का नहीं है। पहले स्थान पर बांग्लादेश के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन हैं। शाकिब ने 43 मैचों में 50 विकेट लिए हैं। वहीं श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा ने 20 मैचों में 40 विकेट लिए हैं और वह दूसरे नंबर पर हैं। वहीं पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी के 34 मैचों में 39 विकेट हैं और वह तीसरे नंबर पर हैं। चौथे स्थान पर अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान हैं। राशिद ने अब तक खेले 24 मैचों में 38 विकेट लिए हैं। पांचवें नंबर पर श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा हैं। मलिंगा ने 31 मैचों में 38 विकेट लिए हैं। ऑस्ट्रेलियाई एडम जांपा भी 21 मैचों में 36 विकेट लेकर छठे स्थान पर हैं और उनके पास भी शीर्ष स्थान पर जाने का मौका है।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार, 11 फरवरी 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

एक्सिस बैंक ने एमएसएमई के लिए उच्च लोन-टू-वैल्यू और उसी दिन वितरण वाली गोल्ड लोन सुविधा शुरू की

रायपुर। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंकों में से एक, एक्सिस बैंक ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए अपनी गोल्ड लोन योजना लॉन्च की है। यह एक सुरक्षित ओवरड्राफ्ट सुविधा है, जिसके तहत छोटे कारोबारी अपने मौजूदा स्वर्ण आभूषणों के बदले त्वरित, लचीली और न्यूनतम दस्तावेज़ी प्रक्रिया के साथ नकदी प्राप्त कर सकते हैं। यह उत्पाद व्यक्तिगत उद्यमियों और एकल स्वामित्व वाले व्यवसायों के लिए उपलब्ध है, चाहे वे एक्सिस बैंक के पुराने ग्राहक हों या नए। यह सुविधा देशभर की 3300 से अधिक गोल्ड-लोन सक्षम शाखाओं में शुरू की गई है। पात्र ग्राहक काउंटर पर ही उसी दिन (ओटीसी) ऋण प्राप्त कर सकते हैं, जिसमें राशि सीधे उनके बैंक खाते में जमा की जाएगी। ऋण राशि ?50,000 से लेकर ?1 करोड़ तक होगी, जो पात्रता और बैंक की आंतरिक नीतियों पर आधारित होगी। दस्तावेज़ों की आवश्यकता केवल केवाईसी, उद्यम पंजीकरण या असिस्ट प्रमाणपत्र तथा आईटीआर या जीएसटी पंजीकरण तक सीमित है। यह सुविधा स्वर्ण आभूषणों के बदले ओवरड्राफ्ट के रूप में दी जाएगी, जिसमें उधारकर्ताओं को केवल मासिक ब्याज का भुगतान करना होगा। इस उत्पाद में 82% तक का लोन-टू-वैल्यू (एलटीवी) दिया जाएगा, जो उद्योग की सामान्य पेशकशों से अधिक है और पूरी तरह नियामक दिशानिर्देशों के अनुरूप है। यह उच्च एलटीवी एक्सिस बैंक की मजबूत जोखिम प्रबंधन प्रणाली, अनुशासित ग्राहक वर्गीकरण तथा कड़े स्वर्ण मूल्यांकन और गिरवी निगरानी प्रक्रियाओं पर आधारित है। इससे तेज़ ऋण उपलब्धता सुनिश्चित होती है और पोर्टफोलियो की गुणवत्ता बनी रहती है। इस लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए एक्सिस बैंक के ग्रुप एग्जीक्यूटिव एवं भारत बैंकिंग हेड, बिपिन सराफ ने कहा, 'छोटे व्यवसाय भारत की आर्थिक गति की रीढ़ हैं, लेकिन उन्हें समय पर कार्यशील पूंजी मिलना अब भी एक बड़ी चुनौती है।

लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों ने कमाये 81 हजार करोड़ रुपये

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। मंगलवार को कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट आ गई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर बाजार को संभाल लिया। दिन के पहले सत्र के कारोबार में ज्यादातर समय खरीदारी का जोर बना रहा, लेकिन दूसरे सत्र में दोपहर एक बजे के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो गई। इस मुनाफा वसूली की वजह से बाजार की बढ़त में कमी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.25 प्रतिशत और निफ्टी 0.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

मंगलवार को दिनभर के कारोबार के दौरान मीडिया और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। निफ्टी का मीडिया इंडेक्स दो प्रतिशत की तेजी हासिल करने में सफल रहा। इसी तरह आईटी, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, मेटल, ऑयल एंड गैस और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स और टेक इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी मंगलवार को आमतौर पर तेजी का रुख बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.50 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ मंगलवार को कारोबार का अंत किया। मंगलवार को शेयर

बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 80 हजार करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन मंगलवार को कारोबार के बाद बढ़ कर 474.15 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 473.34 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को मंगलवार को कारोबार से करीब 81 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

मंगलवार को दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,407 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,598 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,647 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 162 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में मंगलवार को 2,926 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,826 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,100 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 15 शेयर बढ़त के साथ और 15 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स मंगलवार को 144.25 अंक की मजबूती के साथ 84,210 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के थोड़ी देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक गिर कर लाल निशान में 84,063.47 अंक के स्तर तक आ गया। पहले 10 मिनट तक दबाव का सामना करने के बाद बाजार में खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर एक बजे से थोड़ी देर पहले सेंसेक्स 417.20 अंक की तेजी के साथ 84,482.95 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में एक बार फिर गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 200 अंक से अधिक फिसल कर 208.17 की बढ़त के साथ 84,273.92 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने मंगलवार को 55.35 अंक उछल कर 25,922.65 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में बिकवाली का दबाव बनने के कारण ये सूचकांक फिसल कर 25,870.45 अंक तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक ने रफ्तार पकड़ ली।

ओप्पो ने रेनो 15सी पेश किया

नई दिल्ली। ओप्पो इंडिया ने रेनो 15 सीरीज का विस्तार करते हुए ओप्पो रेनो 15सी का लॉन्च किया है। यह स्मार्टफोन रेनो का अनुभव और अधिक ग्राहकों तक पहुँचाने के लिए बनाया गया है, जो ट्रैवलर्स, क्रिएटर्स और फोटोग्राफी प्रेमियों को स्मार्टफोन का शानदार अनुभव प्रदान करेगा। रेनो 15सी में रिफाईंड डिजाईन, लंबी चलने वाली बैटरी और इंटैलिजेंट ए.आई फीचर्स के साथ रेनो सीरीज की मुख्य विशेषताएं मौजूद हैं, जो और अधिक किफायती मूल्य में उपलब्ध हो रही हैं।

रेनो 15सी भारत में 5 फरवरी, 2026 से आफ्टरग्लो पिंक और ट्वाईलाईट ब्लू कलर्स में मिलना शुरू होगा। रेनो 15सी में 7000एम.ए.एच की शक्तिशाली बैटरी के साथ 80वॉट की सुपरवूक फास्ट चार्जिंग दी गई है। यह स्मार्टफोन इमर्सिव एमोलेड डिस्प्ले के साथ भरोसेमंद परफॉर्मेंस और शानदार ड्यूरेबिलिटी प्रदान करता है। कलरओएस 16 के साथ यह स्मार्टफोन गतिशील रहने वाले ग्राहकों के लिए बहुत ही भरोसेमंद है।

प्रीमियम डिजाईन के साथ स्लिम और लाईटवेट स्मार्टफोन

रेनो 15सी में ओप्पो ने अपना कोरल फ्लीस-लाईक स्किन-फ्रेंडली वैलवेट टैक्सचर पैनल दिया है, जो सॉफ्ट मैट फिनिश के साथ हाथों में बहुत अच्छा महसूस होता है और इस पर उंगलियों के निशान भी नहीं पड़ते हैं। साथ में ओप्पो का डायनामिक स्टेलर रिंग डिजाईन स्क्वैयर रिंग कैमरा ले-आउट के साथ सतह पर प्रकाश पड़ने पर हैलो इफेक्ट उत्पन्न करता है, जिससे स्मार्टफोन को बहुत रिफाईंड और आकर्षक लुक प्राप्त होता है।

बॉलीवुड समाचार

'जन नायकन' निर्माताओं को याचिका वापस लेने पर मिली मंजूरी

थलापति विजय की फिल्म 'जन नायकन' काफी समय से कानूनी लड़ाई लड़ रही थी। 9 जनवरी को फिल्म के निर्माता केवीएन प्रोडक्शन ने मद्रास हाई कोर्ट में सेंसर बोर्ड के खिलाफ दायर रिट याचिका को वापस लेने के लिए अपील की थी। जस्टिस पीटी आशा ने 10 जनवरी को सुनवाई करते हुए निर्माताओं की अपील को स्वीकार कर लिया है। अदालत ने यह भी कहा कि सेंसर बोर्ड एक संशोधन समिति द्वारा फिल्म की समीक्षा करने के लिए स्वतंत्र है।

फिल्म की रिलीज का रास्ता खुलने की उम्मीद

'जन नायकन' निर्माताओं ने 9 फरवरी को मद्रास हाई कोर्ट को एक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने बताया था कि सेंसर के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ने की बजाए वह फिल्म को समीक्षा समिति के पास भेजने का विकल्प चुनना चाहते हैं। जस्टिस पीटी आशा की एकल पीठ ने उनके पक्ष में फैसला दिया है। निर्माताओं ने उम्मीद जताई है कि अदालत के इस फैसले के बाद 'जन नायकन' की रिलीज का रास्ता जल्द से जल्द खुल सकेगा।

भारतीय सेना से संबंधित दृश्यों पर जताई गई थी आपत्ति

9 जनवरी को रिलीज होने वाली 'जन नायकन' सीबीएफसी से प्रमाणपत्र न मिलने के कारण अधर में लटक गई थी। दरअसल, बोर्ड ने फिल्म में दिखाए गए भारतीय सेना से संबंधित दृश्यों पर आपत्ति जताई थी। इसके अलावा हिंसा और धर्म के चित्रण को लेकर भी चिंता व्यक्त की गई थी। अब जब फिल्म रिव्यू के लिए समीक्षा समिति के पास गई है, तो संभावना है कि निर्माता बोर्ड से प्रमाणन प्रक्रिया में तेजी लाने का अनुरोध कर सकते हैं।

शादी तो मेरी हो चुकी है... मेरे काम से : हर्षवर्धन राणे

बॉलीवुड अभिनेता हर्षवर्धन राणे में अपने इंटेंस और रोमांटिक किरदारों के लिए जाने जाते हैं। पर्दे पर उनका किरदार भावुक और गहरा होता है। दर्शक हर्षवर्धन को प्यार में डूबे हुए, संजीदा और रोमांटिक हीरो के रूप में देखते हैं। चाहे वह सनम तेरी कसम में इंदर का किरदार हो या एक दीवाने की दीवानीयत में विक्रमादित्य का रोल वह दिल छू लेने वाली लव स्टोरी में शानदार एक्टिंग से छा जाते हैं। असल जिंदगी में हर्षवर्धन शादी को लेकर कितने गंभीर हैं, इसका जवाब उन्होंने मजेदार अंदाज में दिया। उन्होंने हंसते हुए कहा, शादी तो मेरी हो चुकी है... मेरे काम से! और मेरी दुल्हन हैं मेरी फिल्में। हर्षवर्धन ने आगे बताया कि उनका पूरा फोकस अभी करियर पर है। फिल्में उनके लिए सिर्फ काम नहीं, बल्कि जिंदगी का सबसे बड़ा प्यार हैं। उन्होंने कहा कि जब भी वह किसी किरदार में डूबते हैं, तो वही उनकी सबसे करीबी साथी बन जाती है। रोमांटिक किरदार निभाने के कारण लोग अक्सर उनसे पूछते हैं कि असल जिंदगी में उनकी लव लाइफ कैसी है या शादी कब कर रहे हैं, लेकिन हर्षवर्धन का जवाब हमेशा यही रहता है कि उनका दिल और दिमाग अभी पूरी तरह से सिनेमा के साथ बंधा हुआ है। बता दें, हर्षवर्धन राणे ने 16 साल की उम्र में एक्टिंग का सपना देखते हुए घर छोड़ दिया था। कोई बड़ा सपोर्ट या गॉडफादर नहीं था, वे पूरी तरह आउटसाइडर थे। शुरुआत में मुश्किलें बहुत आईं, लेकिन उनकी मजबूत इच्छाशक्ति और मेहनत कभी कम नहीं हुई। सपनों के पीछे भागते हुए उन्होंने कभी हार नहीं मानी। आज वह बॉलीवुड के साथ-साथ साउथ इंडस्ट्री को भी कई हिट फिल्में दे चुके हैं। उनका मानना है कि सपनों या लक्ष्य के ऊपर चुनौतियों को हावी नहीं होने देना चाहिए।

तृप्ति डिमरी का मजेदार खुलासा...पैरेंट्स को लगता था पढ़ाई के डर से एक्ट्रेस बनना चाहती हूं

'लैला मजनू' जैसी जुनूनी प्रेम कहानी वाली फिल्म से अपना एक्टिंग करियर शुरू करने वाली तृप्ति डिमरी इन दिनों एक और इंटेंस लव स्टोरी 'ओ रोमियो' को लेकर सुर्खियों में हैं। तृप्ति इससे पहले गहरे इश्क वाली फिल्म 'धड़क 2' भी कर चुकी हैं, पर असल जिंदगी में वह जुनूनी नहीं, सच्चे प्यार में यकीन करती हैं। तृप्ति का कहना है, 'प्यार को लेकर हर किसी का अलग नजरिया होता है। हर कोई उसे अपने हिसाब से देखता है, लेकिन मैं बस सच्चे प्यार में यकीन करती हूं। जुनूनी- वुनूनी प्यार मुझे समझ में नहीं आता, पर सच्चे प्यार पर मुझे पूरा भरोसा है।' तृप्ति डिमरी की यह नई फिल्म वैलेंटाइंस डे के मौके पर रिलीज हो रही है, लेकिन वह कहती हैं कि प्यार के इस खास दिन को लेकर उनमें ज्यादा उत्साह नहीं रहता।

संघर्ष और सफलता दोनों का अपना मजा

अपने करियर के शुरुआती दौर में तृप्ति ने तीन साल में तीन फिल्में की थीं, जबकि 'एनिमल' की सफलता के बाद उनके पास फिल्मों की झड़ी लगी हुई है। अकेले साल 2024 में वह 'बैड न्यूज', 'विकी विद्या का वो वाला विडियो' और 'भूल भुलैया 3' में नजर आईं। जबकि आने वाले दिनों में भी वह 'ओ रोमियो' के अलावा, 'स्पिरिट' और 'मां बहन' जैसी बड़ी फिल्मों में दिखेंगी। रिजेक्शन और इंतजार के लंबे दौर के बाद अब हर चौथी-पांचवीं फिल्म का ऑफर मिलने वाली इस सफलता के बारे में तृप्ति कहती हैं, 'मेरे लिए तो यह बहुत खुशी की बात है कि हर चौथी या पांचवीं फिल्म मेरे पास आ रही है। मैं तो चाहती हूं कि हर दूसरी फिल्म मेरे पास आए, क्योंकि मैंने काफी लंबा गैप भी देखा है।' तृप्ति आगे कहती हैं, 'मैं काफी पहले से एक्टर बनने की कोशिश कर रही थी, मगर जब मुझे मौका मिला तो अच्छे लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। हालांकि, मैंने तब भी कभी ऐसा नहीं सोचा कि मैं असफल हूं। मैं तब भी बहुत खुश थी, जब ऑडिशन के लिए जाती थी। उसका अलग मजा था। आज जो चल रहा है, उसका अलग मजा है।

पैरेंट्स को लगता था, पढ़ाई से बचने के लिए एक्टर बनना चाहती हैं तृप्ति डिमरी

तृप्ति डिमरी ने जब एक्टिंग में करियर बनाने का तय किया था, तब उनके पैरंट्स काफी डरे हुए थे। वह उनके फैसले से ज्यादा खुश नहीं थे, लेकिन अब उनकी कामयाबी देखकर वे फूले नहीं समाते। उनकी सोच में आए बदलाव पर तृप्ति कहती हैं, 'निश्चित तौर पर अब वे बहुत खुश हैं और गर्व महसूस करते हैं। हालांकि, शुरुआत में भी उनकी जो सोच थी, जो डर था, उसके लिए मैं उन्हें गलत नहीं मानती, क्योंकि उनके लिए मुंबई एक बिल्कुल नया शहर था। वे किसी को जानते नहीं थे। ऐसे में, अपने बच्चे को यहां भेजना हर माता-पिता के लिए मुश्किल फैसला होता है। फिर, उनको यह भी नहीं पता था कि मुझे एक्टिंग से इतना प्यार है। उन्हें लगता था कि इसको पढ़ाई नहीं करनी है, इसलिए एक्टिंग में जाना चाहती है (हंसती हैं)। लेकिन अब उन्हें बहुत गर्व होता है। कई बार वे मेरे इंटरव्यू चला देते हैं, जिस पर मैं झेंप जाती हूं, मगर वे बहुत ही ज्यादा खुश हैं और मैं खुश हूं कि वे खुश हैं।'

गहरे समंदर में छोड़ देते हैं विशाल सर

फिल्म 'ओ रोमियो' में तृप्ति डिमरी का किरदार काफी इंटेंस और लेयर वाला है। इसकी तैयारी के बारे में वह बताती है, 'इस किरदार को समझने में मुझे विशाल सर (डायरेक्टर विशाल भारद्वाज) से बहुत मदद मिली। हर फिल्म, हर किरदार के साथ हमारी एक जर्नी होती है, जहां उनको समझने के लिए आपको वक्त देना पड़ता है। कम से कम मेरा प्रॉसेस ऐसा है कि मैं जानना चाहती हूं कि वो किरदार कैसे सोचता है? अलग-अलग लोगों के साथ उसका बर्ताव कैसा है? उसके लिए मैंने अतुल मोंगिया सर के साथ काफी वर्कशॉप की। मेरे किरदार अफशां की चुनौतियां, परिस्थितियां आदि समझने की कोशिश की। उससे काफी कुछ सीखने को मिला।

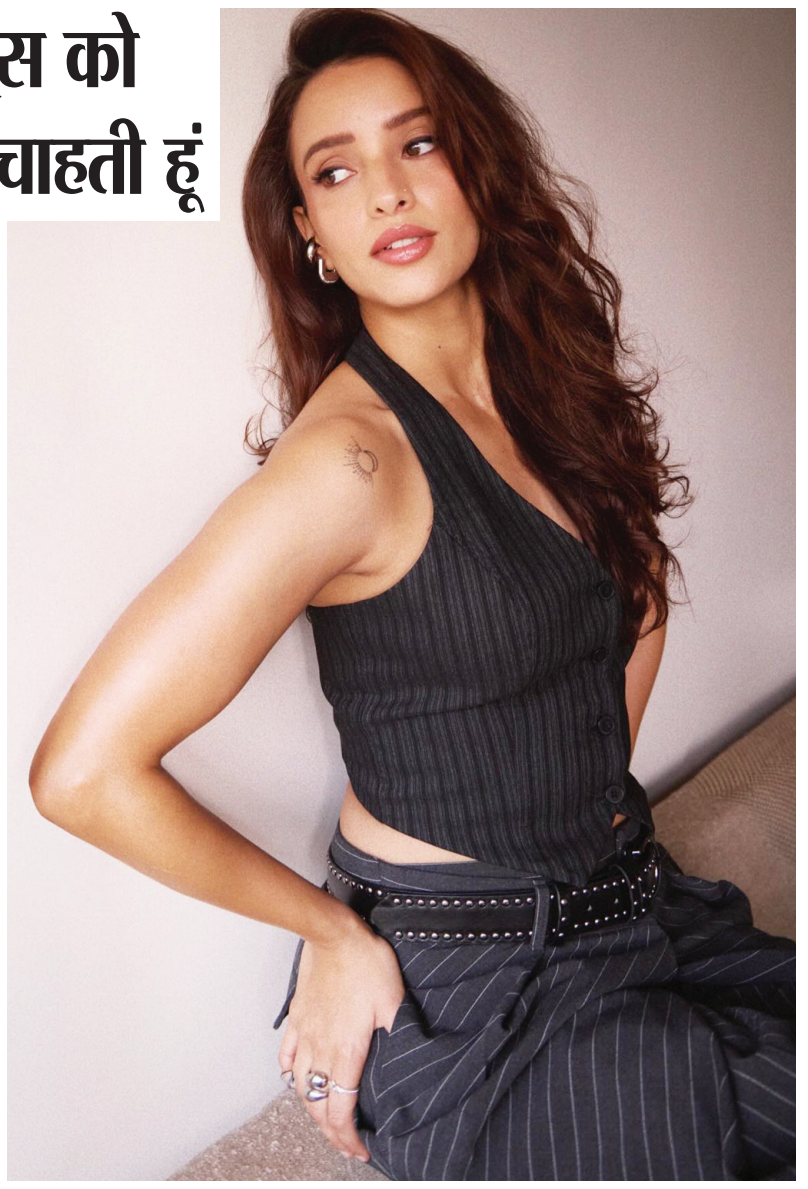

हमेशा अलग और दमदार कहानियों को चुनती हैं भूमि पेडनेकर

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि सतीश पेडनेकर हमेशा ग्लैमर और जरूरत से ज़्यादा ड्रामा से दूर, अलग और दमदार कहानियों को चुनती हैं। भूमि पेडनेकर कभी भी तयशुदा फॉर्मूले पर चलने वाली कलाकार नहीं रही हैं। अपनी पहली फिल्म से ही भूमि ने दम लगा के हईशा, टॉयलेट: एक प्रेम कथा, पति पत्नी और वो, बधाई दो, थैंक यू फॉर कमिंग, शुभ मंगल सावधान, बाला, भीड़, भक्षक, सांड की आंख जैसी फिल्मों के जरिए समाज से जुड़े मुद्दों पर बात करने की हिम्मत दिखाई है। अब उनकी ग्लोबल ओटीटी हिट सीरीज दलदल भी इसी कड़ी का हिस्सा है। भूमि की फिल्मों और शोज में दिखावा कम

और कंटेंट ज़्यादा होता है। यही वजह है कि दर्शक उनकी कहानियों से जुड़ते हैं और बार-बार उन्हें देखना चाहते हैं। दलदल के ओटीटी हिट बनने के साथ भूमि ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनके लिए माध्यम नहीं, बल्कि कला और अभिनय सबसे जरूरी है। बड़े पर्दे पर अपनी मजबूत पहचान बनाने के बाद, भूमि ने अमेजन प्राइम की टॉप-ट्रेंडिंग साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर दलदल के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी अपनी पकड़ साबित की है। यह सीरीज अमेरिका, यूके, यूएई समेत कई देशों में ट्रेंड कर रही है और दुनियाभर में सराही जा रही है। इसकी सफलता भूमि की बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाती है और उन्हें भारत की सबसे भरोसेमंद और निडर अभिनेत्रियों में शामिल करती है। दलदल को मिल रही वैश्विक सराहना यह भी दिखाती है कि भूमि हमेशा कंटेंट और चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं को प्राथमिकता देती हैं। जहां कई कलाकार ऐसे किरदारों से हिचकते हैं जिनमें शारीरिक बदलाव, गहरी भावनात्मक तैयारी और व्यक्तित्व में बदलाव की जरूरत होती है, वहीं भूमि ने इन्हें अपनी ताकत बना लिया है।

महिला खुद तय करे रिश्ते की दिशा : शाल्मली खोलगडे

बॉलीवुड और म्यूजिक इंडस्ट्री में बदलते दौर की मजबूत झलक प्लेबैक सिंगर शाल्मली खोलगड़े के नए गाने इम्प्रेशन में देखने को मिलती है। अपने इस नए गाने के जरिए शाल्मली ने एक म्यूजिकल एक्सपेरिमेंट किया है, जिसमें महिला खुद अपने रिश्ते की दिशा तय करती है। परेशान, बलम पिचकारी और लत लग गई जैसे यादगार गानों से पहचान बनाने वाली शाल्मली खोलगड़े ने अपने नए ट्रैक इम्प्रेशन को लेकर कहा, मैं अपनी सोच और अभिव्यक्ति के साथ आगे बढ़ती हूं। यह गाना आज के दौर के रिश्तों को दर्शाता है, जहां आकर्षण दिखावे या बड़े-बड़े वादों से नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, संतुलन और अपने आप में सहज होने से पैदा होता है। इसी सोच को गाना आगे बढ़ाने का काम करता है। म्यूजिक वीडियो में शाल्मली खुद डांस करती नजर आती हैं। शाल्मली ने गाने को लेकर कहा, इम्प्रेशन मेरे लिए बेहद खास है, क्योंकि इसमें मुझे संगीत और डांस दोनों के जरिए खुद को अभिव्यक्त करने का मौका मिला है। एक कलाकार के तौर पर यह मेरे लिए बहुत संतोषजनक अनुभव रहा। पुराने समय के गीतों में महिलाओं के लिए भावनात्मक भूमिकाएं पहले से तय रही हैं, जहां इंतजार, तड़प और त्याग को ही प्रेम का पर्याय मान लिया गया था, लेकिन आज की सच्चाई इससे कहीं ज्यादा व्यापक है। शाल्मली ने कहा, अब महिलाएं सिर्फ हालात का इंतजार करने वाली नहीं हैं, बल्कि वे खुद फैसले लेती हैं, नजरों से बात करती हैं और यह तय करती हैं कि रिश्ते की भावनात्मक गति कैसी होगी। इम्प्रेशन इसी सोच को सामने लाता है। फिल्मों में पहले के गानों में महिलाओं को अक्सर इंतजार करती, त्याग करती और भावनाओं में डूबी हुई दिखाया जाता था, वहीं आज के कलाकार नई सोच और नए आत्मविश्वास के साथ सामने आ रहे हैं।

ओ रोमियो का गाना पान की दुकान कर देगा झूमने को मजबूर

बॉलीवुड फिल्म ओ रोमियो में लीड रोल कर रहे अभिनेता शाहिद कपूर ने मुंबई में एक इवेंट के दौरान फिल्म का नया गाना पान की दुकान रिलीज किया। फैंस को शाहिद का यह गाना काफी पसंद आ रहा है। सॉन्ग पान की दुकान एक हाई-एनर्जी वाला डांस नंबर है, जिसमें शाहिद कपूर का स्वैग और डांस स्टेप्स कमाल के हैं। गाने में उनके डांस मूव्स दर्शकों को काफी पसंद आ रहे हैं। यह गाना इतना जबरदस्त है कि इसे सुनकर हर कोई झूमने को मजबूर हो जाए। वहीं, गाने में दिशा की मौजूदगी ने चार चांद लगा दिए हैं। गाने में उनकी ग्रेसफुल और ग्लैमरस परफॉर्मेंस फैंस को और भी ज्यादा भा रही है। गाने को सुखविंदर सिंह और रेखा भारद्वाज ने मिलकर गाया है, जबकि इसके लिरिक्स गुलजार साहब ने लिखे हैं और विशाल भारद्वाज ने इसका

संगीत तैयार किया है। विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित फिल्म को साजिद नाडियाडवाला प्रस्तुत कर रहे हैं और प्रोडक्शन नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट की तरफ से है। फिल्म में शाहिद के अलावा, तृप्ति डिमरी, नाना पाटेकर, अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया और फरीदा जलाल जैसे कलाकार अहम भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म हुसैन जैदी की किताब माफिया क्वींस ऑफ मुंबई पर आधारित है।

फिल्म में शाहिद ने एक माफिया डॉन हुसैन उस्तरा का किरदार निभाया है। वहीं, सपना उर्फ सपना दीदी के रोल में तृप्ति डिमरी नजर आ रही हैं। बता दें कि फिल्म की रिलीज को लेकर काफी विवाद चल रहा है। दरअसल, हुसैन उस्तारा की बेटी सनोबर शेख ने कोर्ट में फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने के लिए याचिका दायर की। उनका कहना है कि फिल्म में शाहिद कपूर के किरदार हुसैनन उस्तारा शेख उनके पिता से प्रेरित है। उनका कहना है कि फिल्म में उनके पिता के बारे में गलत तरीके से बताया गया है। हालांकि फिल्म निर्माता सनोबर शेख के इस दावे को सिरे से नकार चुके हैं।

एस जरनोस ने लल्लूराम डॉट कॉम को 108 रन से हराया

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

प्रेस क्लब खेल मड़ई के अंतर्गत आयोजित स्व. कुलदीप निगम स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट में मंगलवार को रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। नेताजी सुभाष स्टेडियम में खेले गए मैच में एस जरनोस ने संदीप प्रधान की शतकीय और लविंदर पाल सिंह की अर्द्धशतकीय पारी की बदौलत लल्लूराम डॉट कॉम को 108 रन से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। संदीप प्रधान मैनऑफ द मैच रहे।

लल्लूराम ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला लिया। एस जरनोस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 2 विकेट पर 201 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह प्रतियोगिता का सर्वाधिक स्कोर है । एस जरनोस के ओपनर बल्लेबाज शिवम दुबे पहले ही ओवर में वैभव पांडेय की गेंद पर अमित शिंदे को कैच थमाकर पैवेलियन लौट गए। इसके बाद आये संदीप प्रधान ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करना शुरू दिया। दूसरे छोर पर अभिषेक कुमार ने संदीप का भरपूर साथ दिया। पांचवें ओवर में गेंदबाज वैभव पांडेय ने संभलकर खेल रहे अभिषेक को क्लीन बोल्ड कर दिया। अभिषेक ने 10 गेंदों में एक चौके की मदद से 12 रन बनाए । इसके बाद आए लविंदर पाल सिंह ने संदीप के साथ मिलकर आक्रमक बल्लेबाजी करते हुए लल्लूराम के फील्डिंग को बिखेर दिया। कोई भी गेंदबाज संदीप और लविंदर के सामने बेहतर गेंदबाजी नहीं कर पाए। इसका फायदा दोनों बल्लेबाजों ने उठाया और चौके-छक्के की झड़ी लगा दी। संदीप और लविंदर ने 139 रनों की शानदार नाबाद शतकीय साझेदारी की। संदीप ने 4 चौके और 13 आसमानी छक्के की मदद से 33 गेंदों में 105 रनों की शतकीय पारी खेली। यह इस टूर्नामेंट का तीसरा शतक रहा। वहीं लविंदर ने भी 3 चौके और 7 छक्के जड़कर मात्र 18 गेंदों में 60 रन बनाए। लल्लूराम की ओर से वैभव पांडेय ने दो विकेट लिए। अमित शिंदे महंगे गेंदबाज साबित हुए, जिन्होंने 2 ओवर में 41 रन लुटाए।

जवाब में 202 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लल्लूराम डॉट कॉम की टीम 5 विकेट खोकर निर्धारित 10 ओवर में 93 रन ही बना सकी। टीम की ओर से ओपनर बल्लेबाज जगन्नाथ राव ही सर्वाधिक 37 रन जोड़े। उन्होंने 17 गेंदों में 1 चौका और 4 छक्के जड़े। वहीं दूसरे ओपनर बल्लेबाज टिक्कू ने 19 रन बनाए। टिक्कू ने 7 गेंद खेलकर 1 चौका व 2 छक्के लगाए। दोनों ओपनर के अलावा कोई भी बल्लेबाज ज्यादा देर क्रीज पर टिक नहीं सका और जल्दी जल्दी आउट हो गए। टीम के लिए शेख अंजुम ने 12, मनोज बघेल ने 10, सत्या राजपूत ने 8 व अमित शिंदे ने 3 रन बनाए। एस जरनोस की ओर से अख्तर हुसैन ने 2 विकेट लिए, जबकि पार्थ बहेरा, टिकेश्वर पटेल व संदीप प्रधान को एक एक विकेट लेने में सफलता मिली।

कार्यक्रम के अतिथि छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कारपोरेशन के अध्यक्ष दीपक म्हस्के, छत्तीसगढ़ वक़्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज और रायपुर प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष व जनसम्पर्क अधिकारी उमेश मिश्रा थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जबलपुर से आए प्रमोद श्रीवास्तव व रविबाला श्रीवास्तव मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने टीम के खिलड़ियों से परिचय प्राप्त किया और जीतने वाली टीम को बधाई दी।

कार्यक्रम में शानदार प्रदर्शन के लिए एस जरनोस के संदीप प्रधान को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार प्रदान किया गया। साथ ही दोनों टीमों को ट्राफी दी गई। इस दौरान रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी, उपाध्यक्ष दिलीप साहू, महासचिव गौरव शर्मा, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, संयुक्त सचिव निवेदिता साहू व भूपेश जांगड़े, वरिष्ठ पत्रकार प्रशांत शर्मा, मंजूषा शर्मा, संदीप पुराणिक, राजेन्द्र निगम , प्रदीप दुबे, खेल मड़ई के संयोजक विजय मिश्रा, सह संयोजक शंकर चंद्राकर व अख्तर हुसैन सहित बड़ी संख्या में पत्रकार और खेलप्रेमी मौजूद थे। मैच में वैदुर्य निगम और अनुराग ने अंपायरिंग की। पी रामाराव नायडू स्कोरर रहे और महेन्द्र का सराहनीय योगदान रहा । प्रमोद श्रीवास्तव की ओर से बेहतर अंपायरिंग के लिए अंपायर वैदुर्य निगम को एक हजार रुपए भेंटकर सम्मानित किया गया।

बुधवार 11 फरवरी को सुबह 7.30 बजे नॉकआउट दौर का अंतिम ग्रुप मैच नई दुनिया और विस्तार न्यूज़ के बीच खेला जाएगा।

नमक लोडिंग के लिए स्टेनलेस स्टील कंटेनरों का सफल ट्रायल

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

अहमदाबाद मंडल के भीमासर-गांधीधाम सेक्शन में भारतीय रेल ने माल ढुलाई के क्षेत्र में एक नई उपलब्धि हासिल की है। नमक जैसे संक्षारक थोक कार्गो के परिवहन के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए यह कंटेनरों का यहां पहला सफल ट्रायल किया गया। यह पहल तकनीकी नवाचार के साथ-साथ सुरक्षित, तेज़ और आधुनिक माल परिवहन व्यवस्था की दिशा में एक अहम कदम है। इस ट्रायल से यह साफ हो गया है कि पारंपरिक खुले वैगनों की तुलना में कंटेनर आधारित परिवहन अधिक प्रभावी और पर्यावरण के अनुकूल हो सकता है।

आधुनिक कंटेनर डिजाइन और तेज लोडिंग प्रणाली

कंटेनरों की लोडिंग प्रक्रिया को सरल और तेज़ बनाया गया है। नमक की लोडिंग साइलो सिस्टम के माध्यम से या ऊपर से पोकलेन मशीन की मदद से की जा सकती है। प्रत्येक कंटेनर के ऊपर 7 म 4 फीट आकार के दो बड़े ओपनिंग दिए गए हैं, जिनसे पूरी तरह मशीनी और सुरक्षित लोडिंग संभव होती है। ट्रायल के दौरान प्रति कंटेनर लोडिंग में 15 मिनट से भी कम समय लगा। कुल 28 पोकलेन बकेट्स के माध्यम से प्रत्येक कंटेनर में नमक लोड किया गया, जो इस व्यवस्था की उच्च दक्षता और बेहतर प्रदर्शन को दर्शाता है।

तेज़ अनलोडिंग और बेहतर उपयोगिता

अनलोडिंग की प्रक्रिया भी उतनी ही आसान और तेज़ रही। हाइड्रॉलिक टिपर ट्रक की सहायता से कंटेनर को लगभग 45 डिग्री तक झुकाकर 5 मिनट से भी कम समय में पूरा नमक खाली कर दिया गया। कंटेनर के साइड में दिए गए दरवाज़ों से नमक अपने आप नीचे गिर जाता है, जिससे कोई अवशेष नहीं बचता और अतिरिक्त सफाई की जरूरत भी नहीं पड़ती।

तेज़, स्वच्छ और कुशल नमक परिवहन की नई दिशा

एक स्टेनलेस स्टील कंटेनर का खाली वजन लगभग 3 टन है, जिससे बड़े पैमाने पर नमक की ढुलाई समय पर और सुचारु रूप से की जा सकती है। इन कंटेनरों के इस्तेमाल से मैनुअल वैगन क्लीनिंग की आवश्यकता समाप्त हो जाती है और किसी प्रकार की कोटिंग की जरूरत भी नहीं रहती। लोडिंग और अनलोडिंग जल्दी होने से वैगनों का टर्नअराउंड समय कम होता है और परिचालन क्षमता बढ़ती है। भीमासरङ्गगांधीधाम सेक्शन में किया गया यह पहला ट्रायल भारतीय रेल के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह पहल न केवल तकनीकी रूप से सफल रही है, बल्कि आत्मनिर्भर, सुरक्षित और कुशल माल परिवहन के विजन को साकार करने की दिशा में भी एक मजबूत कदम साबित हुई है।

पीएमएफएमई योजना अंतर्गत उद्यमिता जागरूकता शिविर सम्पन्न

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना (क्रून्नरूक्ष) के तहत जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, अम्बिकापुर (सरगुजा) द्वारा 05 फरवरी 2026 को जनपद पंचायत सभाकक्ष उदयपुर में एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया।

शिविर में विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना (क्रून्नरूक्ष), प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (क्रूक्ष्लक्ष) तथा औद्योगिक विकास नीति 2024-30 की विस्तृत जानकारी उद्यमियों को प्रदान की गई। इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों श्री अश्विनी शुक्ला (प्रबंधक), श्री सूर्योदय कुमार साहू (सहायक प्रबंधक), श्री संदीप पन्ना (सहायक प्रबंधक) तथा श्री जुही सब्बा (बीपीएम) ने योजनाओं के प्रावधान, पात्रता, अनुदान एवं ॠण प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी।

जागरूकता शिविर में खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े स्वयं सहायता समूहों, व्यक्तिगत इकाइयों तथा कार्यरत उद्यमियों को योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने अधिक से अधिक नवीन प्रकरण तैयार कर ॠण स्वीकृति प्राप्त करने और स्वरोजगार को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को पीएमएफएमई योजना एवं अन्य विभागीय योजनाओं से संबंधित पम्पलेट एवं ब्रोशर भी वितरित किए गए, जिससे वे योजनाओं की जानकारी का लाभ लेकर अपने उद्यम स्थापित या विस्तारित कर सकें। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के मुख्य महाप्रबंधक ने बताया कि इस प्रकार के जागरूकता शिविरों का उद्देश्य जिले में सूक्ष्म खाद्य उद्यमों को प्रोत्साहित कर स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाना है।

विज्ञापन एजेंसियां

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्पलेक्स, फ्रुट मार्केट के सामने
लालपुर, रायपुर (छ.ग.) मो. 98271-46567,93298-46567

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबाज टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर
मो. 9826145558, 07714028271

प्रेम प्रकाश मध्यानी एड एजेंसी
लक्ष्मी ड्रेसेस - कपूर होटल के सामने, श्याम नगर, रायपुर
मो. 93294-07988

माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस
डॉ. नायडू कॉम्पलेक्स, जेल रोड, बेवीलॉन इन के बाजू में, रायपुर
फोन नं. 4034113, 2234113, मो. 98269-06113

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13-14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1,
रायपुर, मो. 99811-30300

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए-5/2, शंकरनगर सेक्टर- I, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर
मो. 98271-44343, 93001-60001 2524032

शिवम् पब्लिसिटी
नत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर
फोन नं. 2539968, मो.-93291-00263

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर
फोन नं. 4043063, मो-94252-08899, 99263-08899

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य सांई प्लाजा, लेडिकल हॉस्पिटल,
पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर,
रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप
मो. 98267-01259, 62642-74844

माँ एड एजेंसी
ग्राउण्ड फ्लोर, मंजीत टॉवर, रायपुरा चौक के पास, रायपुर
Website: www.maaadagency.com
मो. 78691-87165

अतुल पब्लिसिटी
हलवाई लेन, सदर बाजार, रायपुर
मो. 9406200210

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार, 11 फरवरी 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

ऐतिहासिक दिन: मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत एक साथ प्रदेश भर में 6414 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

रायगढ़ में 190 जोड़ों का हुआ भव्य सामूहिक विवाह, मुख्यमंत्री ने दिया आशीर्वाद

गरीब परिवारों के लिए संबल बनी मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ के इतिहास में आज का दिन सामाजिक सरोकार और जनकल्याण की दृष्टि से स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हो गया। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आज प्रदेशभर में एक साथ 6 हजार 414 जोड़ों ने विवाह कर नए जीवन की मंगल शुरुआत की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखमय, समृद्ध और सफल वैवाहिक जीवन की कामना की। इस अवसर पर महिला बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े सहित अन्य मंत्रीगण उपस्थित रहे।

इसी क्रम में रायगढ़ जिले के शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी स्टेडियम में आयोजित भव्य सामूहिक विवाह समारोह में 190 जोड़े विधि-विधानपूर्वक वैवाहिक बंधन में बंधे। पंडितों के वैदिक मंत्रोच्चार, पारंपरिक रीति-रिवाजों और मांगलिक वातावरण से पूरा पंडाल गूंज उठा, जहां हर ओर खुशियों, उल्लास और नए सपनों की शुरुआत का दृश्य देखने को मिला। रायगढ़ जिले में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह का सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन कलेक्टर

मयंक चतुर्वेदी के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित करते कहा कि आज का दिन पूरे प्रदेश के लिए अत्यंत गर्व और खुशी का विषय है, जब एक साथ इतनी बड़ी संख्या में विवाह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुए। उन्होंने कहा कि पूर्व में बेटी की शादी गरीब और ग्रामीण परिवारों के लिए बड़ी चिंता का कारण होती थी, जहां कर्ज लेना, जमीन बेचना या वर्षों तक आर्थिक बोझ उठाना मजबूरी बन जाता था। मुख्यमंत्री साय ने बताया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने आमजन की भावनाओं को समझते हुए मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना को प्रदेश में लागू किया, जिससे ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बड़ी राहत मिली और बेटियों की शादी की चिंता काफी हद तक दूर हुई। उन्होंने कहा कि योजना की शुरुआत में जहां प्रति जोड़े मात्र 5 हजार रुपये की सहायता राशि निर्धारित थी, वहीं आज रजत जयंती वर्ष 2025 में यह बढ़कर 50 हजार रुपये हो चुकी है। कार्यक्रम के दौरान सभी नवदंपत्तियों को 25-25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया, ताकि वे अपने नए जीवन की आवश्यकताओं को आत्मसम्मान के साथ पूरा कर सकें।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि केवल दो वर्षों के कार्यकाल में राज्य सरकार ने मोदी की गारंटी के अधिकांश वादों को धरातल पर उतार दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना, किसानों का बकाया बोनस, महतारी वंदन योजना के अंतर्गत 70 लाख से अधिक विवाहित महिलाओं को मासिक सहायता, तेंदूपत्ता संग्रहण दर में वृद्धि, रामलला दर्शन योजना, तीर्थ दर्शन योजना तथा भूमिहीन कृषि मजदूरों को आर्थिक सहायता जैसे कई जनहितकारी निर्णय लिए गए हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का शुभारंभ भी किया, जिसकी शुरुआत पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 8 जिलों से की गई है।

इस अवसर महापौर जीवर्धन चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष शिखा रविन्द्र गबेल, सभापति डिग्रीलाल साहू, जिला पंचायत सदस्य सुषमा खलखो, पूनम सोलंकी, रविन्द्र गबेल, शीला तिवारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास एल.आर.कच्छप सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम: कलेक्टर ने दवा सेवन कर किया एमडीए अभियान का शुभारंभ

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने शासकीय हाईस्कूल रामभांठा में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में स्वयं फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन कर अभियान का शुभारंभ किया और नागरिकों से सहभागिता की अपील की। मौके पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिजीत बबन पठारे ने भी दवा का सेवन किया।

कलेक्टर चतुर्वेदी ने कहा कि फाइलेरिया से बचाव के उपाय अत्यंत सरल और प्रभावी हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी जा रही मानक खुराक का नियमित सेवन करने से इस बीमारी से आजीवन बचाव संभव है। उन्होंने आमजन को आश्वस्त किया कि दवाइयां पूरी तरह सुरक्षित हैं, अत: किसी भी प्रकार के संकोच या अफवाह में न आएं। उन्होंने बताया कि अभियान के प्रथम चरण में शासकीय संस्थानों और शैक्षणिक परिसरों में दवा सेवन कराया जाएगा, जिसके बाद स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर अपनी निगरानी में दवा खिलाएंगे।

25 फरवरी तक चलेगा अभियान, मॉप-अप राउंड से छूटे लोग होंगे शामिल

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल जगत ने जानकारी दी कि 25 फरवरी तक चलने वाले इस अभियान के अंतर्गत जिले के 4.64 लाख से अधिक नागरिकों को कवर करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। 10 से 12 फरवरी तक आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों एवं कॉलेजों में बूथ स्तर पर दवा सेवन कराया जाएगा, जबकि 13 से 22 फरवरी तक स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर दवा खिलाएंगे। बच्चों और गंभीर रूप से बीमार नागरिकों के लिए स्वास्थ्यकर्मी के सामने दवा सेवन अनिवार्य है। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. टी.जी. कुलवेदी ने कहा कि समय पर नियंत्रण नहीं होने पर यह मच्छर जनित बीमारी स्थायी विकलांगता का कारण बन सकती है।

औद्योगिक विकास की ओर सशक्त कदम : धमतरी बन रहा निवेश और रोजगार का नया केंद्र

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

धमतरी जिला आज केवल कृषि प्रधान क्षेत्र के रूप में ही नहीं, बल्कि औद्योगिक संभावनाओं से भरपूर उभरते जिले के रूप में भी अपनी सशक्त पहचान बना रहा है। जिले की आंतरिक क्षमताओं, प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों और नवाचार आधारित तकनीकी तालमेल के प्रभावी अभिशरण से यहां निवेश और रोजगार के नए अवसर निरंतर सृजित हो रहे हैं। यह प्रयास न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति दे रहा है, बल्कि युवाओं को अपने ही जिले में आजीविका के बेहतर अवसर भी प्रदान कर रहा है।

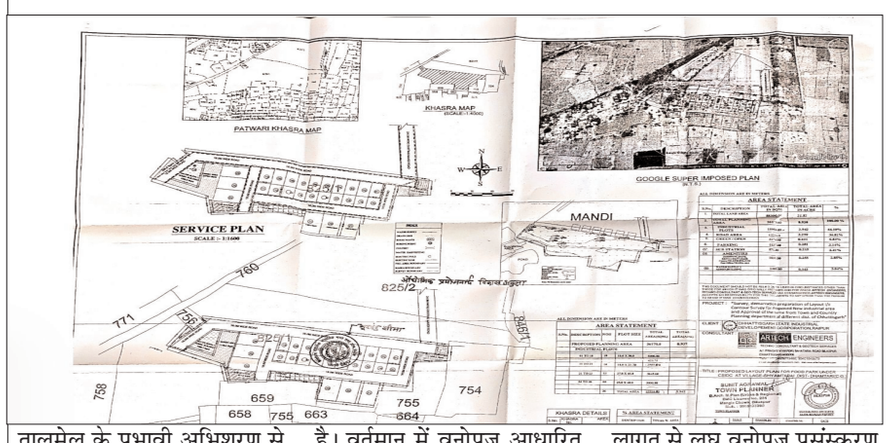

धमतरी जिले की रीढ़ कही जाने वाली कृषि, विशेषकर धान उत्पादन, औद्योगिक विकास का प्रमुख आधार बनी हुई है। जिले में वर्तमान में लगभग 230 राइस मिलें संचालित हैं, जिनके माध्यम से धान का प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन किया जा रहा है। इससे एक ओर किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर लगभग 3000 लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त हुआ है। यह कृषि आधारित उद्योगों की सफलता का सशक्त उदाहरण है।

इसके साथ ही धमतरी अंचल वनोपज के क्षेत्र में भी विशिष्ट पहचान रखता है। स्थानीय वनोपज के साथ-साथ बस्तर क्षेत्र से प्राप्त वनोपज उत्पादों का भी जिले में प्रसंस्करण किया जा रहा है। वर्तमान में वनोपज आधारित 12 इकाइयाँ स्थापित हैं, जो न केवल स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग कर रही हैं, बल्कि ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों में आजीविका के स्थायी साधन भी उपलब्ध करा रही हैं। लाख प्रसंस्करण इकाइयों के माध्यम से जिले से निर्यात होना, धमतरी की औद्योगिक क्षमता को राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी स्थापित करता है।

इन व्यापक संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए बीते दो वर्षों में औद्योगिक अधोसंरचना के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। कुरूद विकासखंड के भालुझूलन (11.00 हेक्टेयर) एवं मगरलोड विकासखंड के करेलीबड़ी (14.00 हेक्टेयर) में औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना हेतु भूमि का आधिपत्य 20 मार्च 2025 को सीएसआईडीसी, रायपुर को सौंपा गया। इन औद्योगिक क्षेत्रों के निर्माण हेतु 14 जनवरी 2026 को वर्क ऑर्डर जारी किया जाना, जिले की औद्योगिक दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इसी कड़ी में ग्राम श्यामतराई में 8.83 हेक्टेयर भूमि पर 464 लाख रुपये की लागत से लघु वनोपज प्रसंस्करण औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना की गई है। यहां भू-आबंटन की प्रक्रिया में 18 आवेदन प्राप्त होना और 9 इकाइयों को भूमि आबंटित किया जाना, निवेशकों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। वहीं ग्राम छाती में 16.00 हेक्टेयर भूमि पर लैंड बैंक की स्थापना हेतु 30 दिसंबर 2025 को भूमि का आधिपत्य सीएसआईडीसी को सौंपा गया, जिससे भविष्य की औद्योगिक आवश्यकताओं के लिए ठोस आधार तैयार हुआ है।

इसके अतिरिक्त ग्राम जी-जामगांव में 600 लाख रुपये की लागत से विकसित नवीन औद्योगिक क्षेत्र में भी निवेशकों की उत्साहजनक भागीदारी देखने को मिल रही है। यहां भू-आबंटन की बिडिंग प्रक्रिया में 36 आवेदन प्राप्त हुए हैं तथा 12 इकाइयों को भूमि का आबंटन किया जा चुका है।

कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा बताया कि धमतरी जिले में औद्योगिक विकास को लेकर राज्य शासन और जिला प्रशासन का स्पष्ट दृष्टिकोण है कि स्थानीय संसाधनों, कृषि एवं वनोपज आधारित उद्योगों के साथ आधुनिक तकनीक और निवेश को जोड़ते हुए संतुलित एवं टिकाऊ विकास सुनिश्चित किया जाए। बीते वर्षों में जिले में औद्योगिक अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण, भूमि बैंक की स्थापना तथा निवेशकों को अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के ठोस प्रयास किए गए हैं। इसका सकारात्मक परिणाम यह है कि धमतरी आज निवेशकों के विश्वास का केंद्र बन रहा है और स्थानीय युवाओं को अपने ही जिले में रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त हो रहे हैं। आने वाले समय में प्रशासन उद्योग, रोजगार और नवाचार के माध्यम से धमतरी को आत्मनिर्भर एवं समृद्ध जिला बनाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध रहेगा।'

समग्र रूप से देखा जाए तो धमतरी जिला आज नियोजित औद्योगिक विकास, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और प्रशासनिक प्रतिबद्धता के चलते निवेश के आकर्षक केंद्र के रूप में उभर रहा है। यह विकास न केवल आर्थिक समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेगा, बल्कि आने वाले समय में धमतरी को रोजगार, नवाचार और आत्मनिर्भरता का मजबूत मॉडल भी बनाएगा।

सारंगढ़ नगर पालिका अध्यक्ष को हटाने का आदेश निरस्त

व्यक्तिगत दोष सिद्ध किए बिना सामूहिक निर्णय के आधार पर कार्रवाई अवैध-हाईकोर्ट

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की खंडपीठ ने सारंगढ़ नगर पालिका की निर्वाचित अध्यक्ष को पद से हटाने और अयोग्य ठहराने के राज्य सरकार के आदेश को निरस्त कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति रविंद्र कुमार अग्रवाल की पीठ ने साफ कहा कि छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम, 1961 की धारा 41-ए के तहत किसी निर्वाचित अध्यक्ष को हटाने की कार्रवाई तब तक न्यायसंगत नहीं ठहराई जा सकती, जब तक व्यक्तिगत स्तर पर गंभीर कदाचार का स्पष्ट निष्कर्ष न हो। सामूहिक निर्णय के आधार पर की गई ऐसी कार्रवाई चयनात्मक और भेदभावपूर्ण मानी जाएगी।

याचिकाकर्ता सोनी अजय बंजारे सारंगढ़ नगर पालिका परिषद की निर्वाचित पार्षद हैं। स्थानीय निकाय चुनाव में जीत के बाद उन्हें परिषद का अध्यक्ष चुना गया और 3 जनवरी 2022 से उन्होंने नगर पालिका अध्यक्ष का पद संभाला। उनके कार्यकाल के दौरान नगर पालिका सीमा के भीतर विभिन्न स्थानों पर स्थित परिषद की भूमि के छोटे-छोटे हिस्से निजी व्यक्तियों को दुकानों के निर्माण अथवा विस्तार के लिए आवंटित किए गए। ये आवंटन पहले प्रेसिडेंट-इन-काउंसिल के प्रस्तावों से स्वीकृत हुए और बाद में सामान्य सभा के समक्ष रखे गए।

शिकायत के बाद जांच शुरू हुई और अध्यक्ष को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। जांच के उपरांत 2 जुलाई 2025 को यह कहते हुए आदेश पारित किया गया कि भूमि आवंटन राज्य सरकार की पूर्व अनुमति और छत्तीसगढ़ नगर पालिकाएं (अचल संपत्ति अंतरण) नियम, 1996 की प्रक्रिया पूरी किए बिना किया गया। राज्य सरकार ने इसे जनहित के विपरीत मानते हुए धारा 41-ए के तहत अध्यक्ष को पद से हटाने और आगे के कार्यकाल के लिए अयोग्य ठहराने का आदेश जारी कर दिया।

इस आदेश को सोनी बंजारे ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, एकलपीठ ने राज्य सरकार के फैसले को सही ठहराते हुए याचिका खारिज कर दी। इसके बाद उन्होंने खंडपीठ में अपील दायर की। खंडपीठ ने अपने फैसले में कहा कि किसी निर्वाचित जनप्रतिनिधि को हटाने के लिए गंभीर कदाचार और कठोर प्रक्रिया पालन की कसौटी पूरी होना आवश्यक है, जो इस मामले में स्पष्ट रूप से अनुपस्थित है। कोर्ट ने माना कि एकलपीठ ने कानून की त्रुटिपूर्ण व्याख्या करते हुए राज्य सरकार के आदेश को बरकरार रखा।

हालांकि अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि उसने आरोपों के गुण-दोष पर कोई राय नहीं दी है। राज्य सरकार चाहे तो इस आदेश की प्रति प्राप्त होने के दो सप्ताह के भीतर, कानून और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, नई कार्रवाई शुरू कर सकती है। ऐसी स्थिति में याचिकाकर्ता को पूरा और प्रभावी सुनवाई का अवसर देना अनिवार्य होगा।

कलेक्टर ने विभिन्न कार्यालयों का किया औचक निरीक्षण

मुंगेली, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने आज जिला कलेक्टोरेट स्थित विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने नजूल शाखा, भू-अभिलेख शाखा, शिक्षा विभाग, डीएमएफ शाखा, डिजिटल अभिलेखागार, खेल विभाग, नागरिक आपूर्ति निगम कार्यालय, खाद्य विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सहकारिता विभाग, आदिवासी विकास विभाग, अंत्यावसायी विभाग, रीडर व आवक-जावक शाखा, समाज कल्याण विभाग, वरिष्ठ लिपिक शाखा, शिकायत शाखा, स्थापना शाखा, अधीक्षक कक्ष, आबकारी विभाग सहित विभिन्न विभागों के कार्यालय का निरीक्षण किया और कार्यालयीन कार्यप्रणाली, कर्मचारियों की उपस्थिति आदि का जायजा लिया और समयबद्धता के साथ कार्यालयीन कार्यों में पारदर्शिता लाने के निर्देश दिए।

अनुपस्थित 25 अधिकारी-कर्मचारियों को नोटिस जारी करने व एक दिन का वेतन काटने के दिए निर्देश

कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान समय पर कार्यालय नहीं पहुंचने वाले अधिकारी-कर्मचारियों पर कड़ी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने अनुपस्थित 25 अधिकारी-कर्मचारियों को नोटिस जारी करने के साथ ही एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। उन्होंने समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक नदीम काजी, अंत्यावसायी विभाग के कार्यपालन अधिकारी देवेन्द्र जांगड़े, जिला उद्योग विभाग केन्द्र के महाप्रबंधक किशोर राजपूत व सहायक प्रबंधक उत्तम दुबे, भू-अभिलेख शाखा के अधीक्षक रिचा गुप्ता व सहायक अधीक्षक भूमिका तिवारी और विभिन्न विभागों के सहायक ग्रेड 02 व 03, स्टेनोटायपिस्ट और डाटा एन्ट्री आपरेटर को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि कार्यालयों की कार्यक्षमता और आमजन की सुविधा के लिए अनुशासन एवं समयपालन बेहद जरूरी है। लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

सर्व समाज सामूहिक विवाह: 11 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

करगीरोड, प्रतिदिन राजधानी

कोटा नगर में सर्वसमाज सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन 7 फरवरी, को पुराना थाना ग्राउंड में सम्पन्न हुआ। इस आयोजन में कोटा और आसपास के क्षेत्र के निर्धन परिवारों की 11 बेटियों का विवाह संपन्न कराया गया। यह आयोजन का चौथा वर्ष था।

आयोजन के तहत 11 जोड़ों का विवाह गायत्री परिवार के विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ सम्पन्न कराया गया। नवविवाहित जोड़ों को गृहस्थ जीवन में उपयोग होने वाली आवश्यक सामग्री प्रदान की गई। आयोजन समिति की ओर से विवाह समारोह की सभी व्यवस्थाएं की गई थीं।

आयोजन में सभी नवविवाहित जोड़ों को कन्यादान स्वरूप दैनिक उपयोग की वस्तुएं, नगद राशि तथा फर्नीचर, पलंग, गद्दा, पंखा सहित अन्य घरेलू सामान प्रदान किया गया। इसके साथ ही कन्याओं को साड़ियां, कपड़े, गहने, बिछिया, पायल आदि भी दिए गए। विवाह के बाद बैंड-बाजे के साथ नवविवाहित जोड़ों की शोभायात्रा निकाली गई और सजी हुई गाड़ियों से नगर भ्रमण कराया गया।

इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में छेरकाबांधा के गिरजामंदिर से पुरोत्तम महाराज तथा नगर के अन्य नागरिक उपस्थित रहे। उपस्थित अतिथियों ने विष्णु अग्रवाल के प्रयासों की सराहना करते हुए नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया। इस दौरान बड़ी संख्या में नगरवासी, परिजन और अतिथि मौजूद रहे।

आयोजन समिति के अनुसार विष्णु अग्रवाल की पहल और नगर के लोगों के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

देर से पहुंची दमकल गाड़ी, तीन मंजिला दुकान आग से खाक

मुंगेली, प्रतिदिन राजधानी

नगर के मल्हापारा में सोमवार रात एक भीषण अग्निकांड में पूनम जनरल स्टोर पूरी तरह जलकर खाक हो गया। रात करीब 9:30 बजे अचानक लगी आग ने देखते ही देखते तीन मंजिला दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास के लोग दूर से ही दहशत में आ गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि घटना की सूचना तत्काल फायर ब्रिगेड को दी गई, लेकिन

दमकल वाहन घंटों बाद मौके पर पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यदि फायर ब्रिगेड समय पर पहुंच जाती, तो नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता था। इस देरी ने नगर निकाय की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। आग की तीव्रता को देखते हुए आसपास के रहवासी और दुकानदारों ने अपने स्तर पर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन लपटें इतनी प्रचंड थीं कि प्रयास सफल नहीं हो सके। बाद में कई दमकल वाहनों को मौके पर लगाया गया। कड़ी मशक्कत के बाद देर रात आग पर काबू पाया जा सका। इस हादसे में दुकान में रखा पूरा सामान जलकर राख हो गया, जिससे दुकानदार को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग बुझाने के दौरान प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस और नगर निकाय का अमला मौके पर मौजूद रहा। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

रेलवे स्टेशन पर तत्परता ने बचाई बुजुर्ग यात्री की जान

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर सोमवार को मानवीय संवेदनशीलता और तत्परता का उदाहरण देखने को मिला। भारतीय रेलवे के कमर्शियल विभाग की विशेष टीम की त्वरित कार्रवाई से एक गंभीर रूप से बीमार बुजुर्ग यात्री को समय रहते चिकित्सा सहायता मिल सकी और उसकी जान बचाई जा सकी।

बुजुर्ग यात्री भिलाई से कोरबा की यात्रा पर था और स्टेशन पर ट्रेन बदलने वाला था। इसी दौरान परिसर में उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और वह बेहोश होकर गिर पड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास मौजूद यात्रियों और कर्मचारियों में हलचल मच गई। सूचना मिलते ही कमर्शियल विभाग की स्पेशल सेल टीम ने बिना देरी मौके पर पहुंचकर यात्री को स्टेशन के आपातकालीन कक्ष में पहुंचाया। टीम ने त्वरित रूप से उसके परिजनों से संपर्क स्थापित किया, ताकि स्थिति की जानकारी दी जा सके। चिकित्सकीय परीक्षण में सामने आया कि यात्री का शुगर लेवल अचानक काफी गिर गया था, जिससे उसकी हालत नाजुक हो गई थी। डॉक्टरों की निगरानी में तत्काल प्राथमिक उपचार और आवश्यक दवाएं दी गईं, जिसके बाद कुछ ही समय में उसकी स्थिति में सुधार आने लगा। स्वास्थ्य में सुधार के बाद परिजनों के अनुरोध पर रेलवे प्रशासन ने बुजुर्ग यात्री को पूरी सुरक्षा के साथ ट्रेन द्वारा किया। परिजनों ने रेलवे प्रशासन और कमर्शियल विभाग की विशेष टीम के प्रति आभार जताया।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार 11 फरवरी 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, कृषि एवं किसान कल्याण के मुद्दों पर विस्तृत चर्चा

- विकसित भारत जी-राम-जी योजना में सबसे पहले बजट आवंटित करने पर श्री शिवराज सिंह चौहान ने दी नायडू को बधाई
- कृषि विकास, मूल्य संवर्धन और ग्रामीण समृद्धि को लेकर आंध्र प्रदेश-केंद्र के बीच मजबूत सहयोग
- किसानों की समृद्धि के लिए आंध्र प्रदेश को हरसंभव सहयोग का आश्वासन: श्री चौहान

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री चंद्रबाबू नायडू ने आज नई दिल्ली स्थित कृषि मंत्रालय में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से भेंट की। इस दौरान राज्य में कृषि एवं किसान कल्याण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों, योजनाओं की प्रगति तथा भविष्य की संभावनाओं पर विस्तृत और सार्थक चर्चा हुई।

नायडू ने आंध्र प्रदेश के किसानों की आवश्यकताओं, फसल विविधीकरण, मूल्य संवर्धन, सिंचाई, प्रसंस्करण तथा कृषि-आधारित उद्योगों के विस्तार से जुड़े विषय केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखे। केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य की प्राथमिकताओं को गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया कि आंध्र प्रदेश की कृषि संबंधी सभी प्रमुख समस्याओं का समाधान त्वरित एवं प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को राज्य सरकार के साथ समन्वय बढ़ाकर समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश भी दिए। मुलाकात के दौरान नागरिक उड्डयन मंत्री श्री किंजरापु राममोहन नायडू तथा ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री श्री चंद्रशेखर पेम्मासानी भी उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में आंध्र प्रदेश की सक्रिय भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आंध्र प्रदेश ने सबसे पहले 'विकसित भारत जी राम जी योजना में बजट आवंटित किया, जो एक दूरदर्शी और सकारात्मक पहल है तथा कृषि और ग्रामीण विकास के प्रति उसकी गंभीर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने जानकारी दी कि केंद्रीय बजट में नारियल संवर्धन योजना को विशेष प्राथमिकता दी गई है, साथ ही कोको, काजू एवं अन्य बागवानी फसलों के समग्र विकास के लिए भी महत्वपूर्ण घोषणाएँ की गई हैं।

उन्होंने कहा कि कृषि मंत्रालय, आंध्र प्रदेश सरकार के साथ मिलकर इन क्षेत्रों में उत्पादन, प्रसंस्करण, निर्यात संवर्धन और किसानों की आय वृद्धि के लिए व्यापक रणनीति तैयार करेगा। इसके लिए मंत्रालय की विशेषज्ञ टीम राज्य सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर विस्तृत कार्ययोजना और रोडमैप तैयार करेगी, ताकि योजनाओं का लाभ सीधे किसानों तक पहुँचे।

श्री चौहान ने यह भी कहा कि उच्च उत्पादकता और कृषि संभावनाओं को देखते हुए आंध्र प्रदेश को एक अग्रणी कृषि-विकास मॉडल के रूप में विकसित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। कोको डेवलपमेंट बोर्ड सहित संबंधित संस्थाएँ पहले से ही इस दिशा में सकारात्मक भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने मंत्रालय के अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य सरकार से जुड़े सभी लंबित मुद्दों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा भविष्य की योजनाओं को प्रभावी और परिणामोन्मुख तरीके से आगे बढ़ाया जाए।

मुख्यमंत्री श्री चंद्रबाबू नायडू ने केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में देश का कृषि क्षेत्र नई ऊंचाइयों को छू रहा है और किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में कृषि क्षेत्र की संरचना और दृष्टिकोण में व्यापक बदलाव आया है तथा अब बैकवर्ड और फॉरवर्ड इंटीग्रेशन, वैल्यू चेन विकास, एग्री-प्रोसेसिंग और प्रौद्योगिकी आधारित खेती पर विशेष ध्यान देना आवश्यक हो गया है।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय कृषि परिदृश्य में आंध्र प्रदेश का योगदान लगभग 9.9 प्रतिशत है, जिसे और सशक्त बनाने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। विशेष रूप से कोको, काजू, नारियल, बागवानी और मूल्यवर्धित कृषि उत्पादों के विकास पर प्राथमिकता के साथ कार्य किया जा रहा है। श्री नायडू ने कहा कि कृषि उनके लिए केवल एक प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि एक गहरा व्यक्तिगत जुनून है, और इसी भावना के साथ राज्य सरकार किसानों की समृद्धि तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने आगे कहा कि राज्य में तिलहन क्षेत्र के विस्तार, आधुनिक कृषि तकनीकों के उपयोग, सिंचाई दक्षता में सुधार तथा कृषि-आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन देने पर विशेष जोर दिया जाएगा। इससे किसानों की आय में वृद्धि, रोजगार के नए अवसरों का सृजन और समग्र ग्रामीण विकास को गति मिलेगी।

जर्मनी में आयोजित बायोफैच (BIOFACH) 2026 में भारत 'कंट्री ऑफ द इयर' नामित

- बायोफैच 2026 में एपीईडीए (APEDA) भारत की जैविक कृषि को प्रदर्शित करेगा
- भारत के राष्ट्रीय मंडप में जैविक चावल, मसाले, तिलहन, जड़ी-बूटियों और मूल्यवर्धित उत्पादों को दर्शाया जाएगा
- 20 से अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की भागीदारी भारत की कृषि विविधता दर्शाएगी

नई दिल्ली। जैविक उत्पादों के लिए विश्व के अग्रणी व्यापार मेले बायोफैच 2026 में भारत को 'कंट्री ऑफ द इयर' नामित किया गया है। इसका आयोजन 10 से 13 फरवरी 2026 तक जर्मनी के नूरेमबर्ग में किया जा रहा है।

भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) बायोफैच 2026 में भारत की प्रमुख और प्रभावशाली भागीदारी का आयोजन कर रहा है। इसमें भारत की भागीदारी देश की समृद्ध कृषि विरासत और जैविक उत्पादों के प्रमुख वैश्विक आपूर्तिकर्ता के रूप में इसकी मजबूत क्षमता को दर्शाएगी।

जर्मनी में आयोजित बायोफैच जैविक खाद्य पदार्थों और कृषि को समर्पित विश्व की सबसे बड़ी और सबसे प्रभावशाली प्रदर्शनी है। एपीडा एक दशक से अधिक समय से बायोफैच में भाग ले रहा है और इसमें लगातार अपनी मजबूत उपस्थिति बनाए हुए है।

बायोफैच 2026 में भारत की भागीदारी पिछले संस्करणों की तुलना में इस बार महत्वपूर्ण विस्तार को दर्शाती है जो भारतीय जैविक निर्यात के बढ़ते प्रभाव, जैविक उत्पादों की बढ़ती वैश्विक मांग और निर्यातकों, संघों और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की बढ़ती हिस्सेदारी को प्रतिबिंबित करती है।

14 वर्षों के अंतराल के बाद भारत का जैविक कृषि क्षेत्र एक बार फिर बायोफैच 2026 में केंद्र बिंदु बनने के लिए तैयार है।

बायोफैच 2026 में एपीडा की ओर से बनाया गया भारत का राष्ट्रीय मंडप 1,074 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला होगा और इसमें जैविक उत्पादों के निर्यातकों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), सहकारी समितियों, जैविक प्रयोगशालाओं, राज्य सरकारी संगठनों और कमोडिटी बोर्ड सहित 67 सह-प्रदर्शक शामिल होंगे। भारतीय मंडप में चावल, तिलहन, जड़ी-बूटियां, मसाले, दालें, काजू, अदरक, हल्दी, बड़ी इलायची, दालचीनी, आम की प्यूरी और आवश्यक तेलों सहित विभिन्न प्रकार के जैविक उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा।

भारत के मंडप में 20 से अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रदर्शक भाग ले रहे हैं जो देश की व्यापक कृषि और क्षेत्रीय विविधता को दर्शाते हैं। इनमें असम, मेघालय, मणिपुर, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, अरुणाचल प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड शामिल हैं। यह भागीदारी अलग-अलग क्षेत्रों के विशिष्ट जैविक उत्पादों और मूल्यवर्धित खाद्य उत्पादों को दर्शाने के साथ अंतरराष्ट्रीय जैविक व्यापार में भारत की वार्षिक वृद्धि को प्रदर्शित करती है।

भारतीय मंडप में उत्पादों के प्रदर्शन के अतिरिक्त आगंतुकों को भारतीय जैविक उत्पादों के स्वाद और सुगंध को प्रदर्शित करने वाले विशेष खाद्य पदार्थों को चखने का अवसर भी मिलेगा। इस दौरान प्रीमियम जैविक बासमती चावल और मसालों से तैयार की गई ताजा सुगंधित बिरयानी के नमूने की भी प्रस्तुति की जाएगी। इसके अतिरिक्त चावल की भारत की पारंपरिक किस्मों को दर्शाने के लिए पांच जीआई-टैग वाली चावल की किस्में, इंद्रायणी चावल, नवारा चावल, गोविंदभोग चावल, लाल चावल और चक हाओ (काला चावल) आगंतुकों को परोसी जाएंगी।

एपीडा ने बायोफैच 2026 में भारत को 'कंट्री ऑफ द ईयर' नामित किए जाने के उपलक्ष्य में नूरेमबर्ग मेस्से प्रदर्शनी केंद्र के प्रमुख स्थानों पर व्यापक ब्रांडिंग और अत्यधिक प्रभावशाली प्रचार गतिविधियां भी आयोजित की हैं।

विश्व का ध्यान सतत विकास और पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी जीवनशैली की ओर बढ़ता जा रहा है। ऐसे में, बायोफैच 2026 में 'कंट्री ऑफ द ईयर' के रूप में भारत की भागीदारी जैविक कृषि में वैश्विक रूप से अग्रणी देश के रूप में इसकी स्थिति को और मजबूत करती है। भारत अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने वाले उच्च गुणवत्ता वाले, दीर्घकालिक रूप से उत्पादित जैविक उत्पादों की आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है।

एपीडा ने वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने और विश्व को जैविक खाद्य-पदार्थों के बड़े आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य से लक्षित पहलों के माध्यम से भारतीय निर्यातकों का सहयोग जारी रखा है।

राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड कल नई दिल्ली के विज्ञान भवन में औषधीय वनस्पतियों पर चिंतन शिविर का आयोजन करेगा

- केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव चिंतन शिविर का उद्घाटन करेंगे
- शिविर में विशेषज्ञ नीति, अनुसंधान और क्षेत्र के सतत विकास पर विचार-विमर्श करेंगे

नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) देश में औषधीय वनस्पतियों के क्षेत्र से संबंधित प्रमुख नीति, अनुसंधान और कार्यान्वयन संबंधी मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए 11 फरवरी 2026 को औषधीय पादपों पर चिंतन शिविर का आयोजन करेगा।

आयुष मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव इसके उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा विशिष्ट अतिथि होंगे। आयुष मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार श्री होवेदा अब्बास विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

चिंतन शिविर के बाद बोर्ड की बैठक होगी। साथ ही, तकनीकी सत्र और पैनल चर्चाएं भी होंगी जिनमें विशेषज्ञ, नीति निर्माता, शोधकर्ता, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और अन्य हितधारक भाग लेंगे। इन चर्चाओं का मुख्य उद्देश्य नीतिगत ढांचों को सुदृढ़ करना, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना और औषधीय पादपों के क्षेत्र में आवश्यक कार्यान्वयन संबंधी चुनौतियों का समाधान करना होगा।

चिंतन शिविर से औषधीय वनस्पतियों के क्षेत्र को रणनीतिक दिशा मिलने की उम्मीद है जिसके अंतर्गत नीतिगत हस्तक्षेप, अनुसंधान में प्रगति और संस्थागत मजबूती के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की जाएगी। इस विचार-विमर्श के परिणाम खेती, संरक्षण, मूल्यवर्धन और बाजार से संबंधों को बढ़ावा देने के लिए समन्वित और दूरदर्शी रोडमैप तैयार करने में सहायक होंगे।

सरकार ने पूर्व सैनिक (केंद्रीय सिविल सेवा और पद संबंधी पुनर्रोजगार) संशोधन नियम 2026 को अधिसूचित किया

- एमएनएस कर्मी पुनर्रोजगार नियमों के दायरे में आए, इसने पुनर्वास और दूसरे करियर के अवसरों को मजबूती प्रदान की

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 309 के तहत पूर्व सैनिक (केंद्रीय सिविल सेवा और पदों संबंधी पुनर्रोजगार) संशोधन नियम 2026 को अधिसूचित किया है। प्रमुख परिवर्तन नियम 2 (सी) (i) को संशोधित करता है, जिसमें भारतीय संघ की नियमित सेना, नौसेना या वायु सेना के साथ-साथ सैन्य नर्सिंग सेवा (एमएनएस) में किसी भी रैंक में, चाहे योद्धा हों या गैर-यौद्धा, सेवा दे चुके कर्मियों को केंद्रीय सिविल सेवाओं में पूर्व सैनिकों के पुनर्रोजगार के लिए परिभाषा के दायरे में स्पष्ट रूप से शामिल किया गया है।

इस कदम से उस पहले वाली अस्पष्टता को दूर कर दिया गया है कि क्या एमएनएस अधिकारी, जो कि कमीशन प्राप्त अधिकारी होते हैं, अन्य पूर्व सैनिकों के समान पुनर्रोजगार लाभों के हकदार थे या नहीं। यह संशोधन पुनर्रोजगार नियमों के तहत एमएनएस कर्मियों को औपचारिक रूप से मान्यता देता है और पूर्व रक्षा कर्मियों के एक व्यापक वर्ग के लिए पुनर्वास और दूसरे करियर के अवसरों को मजबूती प्रदान करता है।

नियम 2, खंड (सी) संशोधन के तहत 'पूर्व सैनिक' की परिभाषा में अब नियमित सेना, नौसेना और वायु सेना के साथ 'भारतीय संघ की सैन्य नर्सिंग सेवा' भी स्पष्ट रूप से सूचीबद्ध किया गया है। यह नियम उन सभी पर लागू होता है जिन्होंने किसी भी रैंक पर, चाहे योद्धा के रूप के या गैर-योद्धा के रूप में सेवा कीं हों। यह संशोधन 9 फरवरी, 2026 को इसके प्रकाशन के साथ ही तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

यह संशोधन औपचारिक रूप से एमएनएस कर्मियों को निम्नलिखित लाभों तक पहुंच प्रदान करता है:

आरक्षण कोटा : केंद्र सरकार के समूह 'सी' पदों में 10 प्रतिशत और समूह 'डी' पदों में 20 प्रतिशत आरक्षण।

रक्षा सचिव की सेशेल्स के विदेश और प्रवासी मामलों के मंत्री और रक्षा बल प्रमुख से मुलाकात

- दोनों पक्ष रक्षा सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए, हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की

नई दिल्ली। रक्षा सचिव श्री राजेश कुमार सिंह की 10 फरवरी, 2026 को नई दिल्ली में सेशेल्स गणराज्य के विदेश और प्रवासी मामलों के मंत्री श्री बैरी फॉरे और सेशेल्स रक्षा बल प्रमुख मेजर जनरल माइकल एंसेल्मे मार्क रोसेट से मुलाकात हुई। बैठक में दोनों पक्षों ने भारत और सेशेल्स के बीच बढ़ते रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग की समीक्षा की और रक्षा सहयोग सुदृढ़ बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने और हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

दोनों पक्षों ने भारतीय और सेशेल्स रक्षा बलों के बीच आगामी संयुक्त सैन्य अभ्यास लैमिटी - 2026 तथा क्षमता निर्माण पहल का स्वागत किया और इन गतिविधियों के दायरे विस्तृत करने और गहन बनाने पर सहमति व्यक्त की। दोनों पक्षों के बीच प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने, जलविज्ञान, पोत और विमानों के एक दूसरे के यहां आवागमन, रक्षा प्रतिनिधिमंडल के दौरे और समुद्री सुरक्षा क्षेत्र में सहयोग पर भी चर्चा हुई। रक्षा सचिव ने आगामी अंतर्राष्ट्रीय बेड़े की समीक्षा और अगले सप्ताह विशाखापत्तनम में आयोजित होने वाले द्विवार्षिक, बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास, 2026 मिलान अभ्यास में सेशेल्स की भागीदारी का स्वागत किया। दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र प्रगति पर आधारित महासागर योजना पर भी चर्चा की जो सभी क्षेत्रों में समावेशी, सहयोगात्मक और सतत सुरक्षा और विकास पर भारतीय दृष्टिकोण है। दोनों पक्षों ने साझा चुनौतियों, विशेष रूप से समुद्री क्षेत्र, क्षमता निर्माण और विकास साझेदारी के क्षेत्र में, सहयोगात्मक रूख के महत्व पर बल दिया। उन्होंने भारत और सेशेल्स के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग के भविष्य के अवसरों पर भी बातचीत की जिसमें दीर्घकालिक साझेदारी द्वारा क्षमता निर्माण में निरंतर सहयोग पर केंद्रित प्रमुख सैन्य क्षमताओं के आधुनिकीकरण पर चर्चा हुई।

डाक विभाग और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड ने भारतीय डाक के माध्यम से म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली। सरकार के संचार मंत्रालय के डाक विभाग (डीओपी) ने आज भारत के अग्रणी स्टॉक एक्सचेंज, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की है। इसका उद्देश्य भारतीय डाक के व्यापक डाक नेटवर्क के माध्यम से म्यूचुअल फंड उत्पादों का वितरण को संभव बनाना है।

डाक विभाग, देशभर में फैले अपने 1.64 लाख से अधिक डाकघरों के विशाल नेटवर्क का उपयोग करते हुए, एनएसई के साथ मिलकर काम करेगा। एनएसई के पास म्यूचुअल फंड लेनदेन को संभालने के लिए एक मजबूत ऑनलाइन प्रणाली है। यह प्रणाली ऑर्डर देने से लेकर निपटान तक सभी प्रक्रियाओं को कवर करती है और एसईबी के नियमों का पालन करती है। इस सहयोग का उद्देश्य सभी के लिए म्यूचुअल फंड उत्पादों की पहुंच को, विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, काफी हद तक बढ़ाना है।

यह रणनीतिक साझेदारी सरकार के वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण के अनुरूप है, इसमें भारतीय डाक के भरोसे, सुलभता और व्यापक पहुंच को राष्ट्रीय शेयर बाजार (एनएसई) के बाजार बुनियादी ढांचे और तकनीकी विशेषज्ञता के साथ जोड़ा गया है। इस पहल से निवेशकों में पूंजी बाजार से जुड़े वित्तीय उत्पादों के प्रति जागरूकता, पारदर्शिता और भागीदारी को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

डाक विभाग की महाप्रबंधक (नागरिक केंद्रित सेवाएं और ग्रामीण व्यवसाय) सुश्री मनीषा बंसल बादल और एनएसई के मुख्य व्यापार विकास अधिकारी श्री श्रीराम कृष्णन ने नई दिल्ली में डाक विभाग और एनएसई के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

इस समझौते के तहत, डाक विभाग के चयनित कर्मचारियों की पहचान की जाएगी, उन्हें प्रशिक्षित किया जाएगा और प्रमाणित म्यूचुअल फंड वितरक के रूप में नियुक्त किया जाएगा। ये अधिकारी एनआईएसएम प्रमाणन और ईयूआईएन पंजीकरण सहित अनिवार्य प्रमाणन और नियामक अनुपालन के अधीन एनएसई के म्यूचुअल फंड प्लेटफॉर्म के माध्यम से म्यूचुअल फंड उत्पाद और संबंधित निवेशक सेवाएं प्रदान करने में सक्षम होंगे। यह समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिए वैध रहेगा और आपसी सहमति से नवीनीकरण का प्रावधान भी है।

इस अवसर पर डाक विभाग की महाप्रबंधक (सीसीएस और आरबी) सुश्री मनीषा बंसल बादल ने कहा, "डाक विभाग ने वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और नागरिक-केंद्रित सेवाएं प्रदान करने में हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एनएसई के साथ यह साझेदारी भारतीय डाक को अपने ग्राहकों को आधुनिक निवेश समाधान प्रदान करने में सक्षम बनाएगी, साथ ही निवेशक संरक्षण, पारदर्शिता और नियामक अनुपालन के उच्चतम मानकों को बनाए रखेगी।"

एनएसई के मुख्य व्यापार विकास अधिकारी श्री श्रीराम कृष्णन ने कहा, "डाक विभाग के साथ यह सहयोग पूंजी बाजार से जुड़े वित्तीय उत्पादों तक पहुंच बढ़ाने के एनएसई के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारतीय डाक बड़े पैमाने पर विस्तारित नेटवर्क और एनएसई के डिजिटल म्यूचुअल फंड प्लेटफॉर्म का लाभ उठाते हुए, हमारा लक्ष्य एक पारदर्शी, अनुपालनशील और निवेशक-अनुकूल वितरण प्रणाली बनाना है जो देश के कोने-कोने में नागरिकों तक पहुंचे।"

इस पहल से टियर-2, टियर-3 और ग्रामीण क्षेत्रों में म्यूचुअल फंड की पहुंच बढ़ाने, निवेशकों का विश्वास मजबूत करने और भारत को वित्तीय रूप से सशक्त समाज की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलने की उम्मीद है।

10 फरवरी 2026 को हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन तीन वर्ष की अवधि के लिए वैध रहेगा और आपसी सहमति से इसका नवीनीकरण किया जा सकता है। यह सहयोग चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। इसकी शुरुआत चुनिंदा स्थानों को शामिल करते हुए एक पायलट परियोजना से होगी।

यह पहल सरकार के देश भर में वित्तीय साक्षरता, निवेशक संरक्षण और वित्तीय सेवाओं तक समावेशी पहुंच को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों के अनुरूप है।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार 11 फरवरी 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना ... सामाजिक समरसता का विश्व रिकॉर्ड

मुख्यमंत्री साय के सान्निध्य में हुआ 6,412 जोड़ों का विवाह

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना छत्तीसगढ़ में सामाजिक समरसता, अंत्योदय और संवेदनशील शासन की भावना को साकार करने वाली ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि एक समय गरीब परिवारों के लिए बेटी का विवाह बड़ी चिंता का विषय होता था, जिसे इस योजना ने सम्मान और भरोसे में बदल दिया है। मुख्यमंत्री श्री साय राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय सामूहिक विवाह कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में रायपुर सहित पूरे प्रदेश में कुल 6,412 जोड़े विभिन्न धार्मिक परंपराओं एवं रीति–रिवाजों के अनुसार वैवाहिक जीवन में बंधे। साइंस कॉलेज मैदान में 1,316 नवविवाहित जोड़ों को मुख्यमंत्री ने प्रत्यक्ष रूप से आशीर्वाद प्रदान किया, जबकि अन्य जिलों के जोड़े वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े। योजना के अंतर्गत प्रत्येक नवविवाहित दंपति को 35 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि इस अभूतपूर्व आयोजन को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह आयोजन केवल विवाह समारोह नहीं, बल्कि सर्वधर्म समभाव और सामाजिक एकता का उत्सव है। इस वृहद आयोजन में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध तथा विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय के जोड़े अपने–अपने रीति–रिवाजों के अनुसार विवाह सूत्र में बंधे, जो छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक समरसता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के रूप में सरगुजा एवं बस्तर संभाग के आठ जिलों में इस अभियान की शुरुआत की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ और सुपोषित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए शासन के साथ–साथ समाज की सहभागिता आवश्यक है तथा अभियान की सफलता के बाद इसे पूरे प्रदेश में विस्तारित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेशवासियों के आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ तेजी से विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार ने दो वर्षों में ही मोदी की गारंटी के अधिकांश वादों को पूरा किया है। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत 70 लाख से अधिक महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये की सहायता दी जा रही है। उन्होंने तेंदूपत्ता संग्राहकों के हित में मानक बोरा मूल्य में वृद्धि, चरण पादुका योजना का पुनः प्रारंभ, श्रीरामलला दर्शन योजना तथा भूमिहीन मजदूरों को आर्थिक सहायता जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं का भी उल्लेख भी किया।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की शुरुआत पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में की गई थी, जिसे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सतत प्रयासरत है और कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ के लक्ष्य में जनसहभागिता आवश्यक है।

कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने इसे ऐतिहासिक दिन बताते हुए कहा कि एक ही दिन में हजारों जोड़ों का विवाह मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता और सर्वसमावेशी सोच का प्रमाण है।

कार्यक्रम में विधायक सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, अनुज शर्मा, मोतीलाल साहू, संपत अग्रवाल, छत्तीसगढ़ बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर तथा बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा, महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी, संचालक डॉ. रेणुका श्रीवास्तव अनेक जनप्रतिधि और अधिकारी कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सरकार प्रदेश का कर रही है सर्वांगीण विकास-मंत्री टंक राम वर्मा

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा मंगलवार को विकासखंड सिमगा के ग्राम खिलौरा पहुंचे, जहां उनके प्रथम आगमन पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर मंत्री श्री वर्मा ने ग्राम खिलौरा में लगभग डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण एवं प्रस्तावित विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया।

लोकार्पित कार्यों में 15 लाख रुपये की लागत से निर्मित प्रार्थना शेड, 1 करोड़ 2 लाख रुपये की लागत से निर्मित पानी टंकी, 3 लाख रुपये की लागत से रंगमंच उन्नयन, 5 लाख रुपये की लागत से मुक्तिधाम अहाता तथा 5 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन (बाल समाज) शामिल हैं। वहीं, 10 लाख रुपये और 9.85 लाख रुपये की लागत से बनने वाले पीडीएस भवन के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन भी किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के हर नागरिक के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्पित है। पूरे प्रदेश में विकास कार्य तीव्र गति से संचालित हो रहे हैं और शासन की योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचने से लोगों में खुशी और विश्वास का माहौल है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चारों ओर समृद्धि की बयार बह रही है। मंत्री श्री वर्मा ने उपस्थित स्कूली बच्चों को शिक्षा के महत्व को समझाते हुए मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

स्वस्थ समाज ही समृद्ध राज्य की नींव : सीएम साय

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जीपीएम जिले की स्थापना की छठवीं वर्षगांठ के अवसर पर जिले को स्वास्थ्य क्षेत्र की एक बड़ी सौगात दी है। उन्होंने जिला अस्पताल के नवीन भवन के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। नवीन जिला अस्तपाल करीब 18 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होगा। यह अत्याधुनिक अस्पताल 100 बिस्तरयुक्त होगा। इस अस्पताल के बनने से जिले के नागरिकों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक प्रणव मरपच्ची ने की।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ समाज ही समृद्ध राज्य की नींव होता है। जीपीएम जिले में नए अस्पताल भवन का निर्माण स्वास्थ्य सुविधाओं को नई मजबूती देगा। टीबी मुक्त और बाल विवाह मुक्त पंचायतें इस बात का प्रमाण हैं कि जब शासन और समाज मिलकर काम करते हैं, तो बड़े सामाजिक बदलाव संभव होते हैं। छत्तीसगढ़ को रोगमुक्त, सुरक्षित और सशक्त बनाने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

रायपुर मंडल: रेल सुरक्षा और आधुनिकीकरण की ओर बढ़ते कदम

रायपुर मंडल में सिग्नल एवं टेलीकॉम मेंटेनर्स को विशेष संरक्षा टूल किट का वितरण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

9 फरवरी, 2026 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल में मंडल रेल प्रबंधक रायपुर दयानद द्वारा रायपुर स्टेशन पर सिग्नल एवं टेलीकॉम विभाग के इलेक्ट्रिक सिग्नल मेंटेनर्स/ सिग्नल स्टाफ को विशेष टूल बैग सहित आधुनिक टूल किट वितरित की गईं। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक बजरंग अग्रवाल, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर रवि शंकर गोयल, मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर आकाश कुमार सहित संबंधित सुपरवाइजर, स्टाफ उपस्थित रहे । रेल यात्रियों की सुरक्षा को और बेहतर बनाने की दिशा में रायपुर मंडल ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है । रायपुर मंडल में सिग्नल एवं टेलीकॉम विभाग में कार्यरत कर्मचारियों को आधुनिक और सुरक्षित काम के लिए विशेष टूल किट दी गई हैं ।

रेलवे की सिग्नल प्रणाली ट्रेनों के सुरक्षित संचालन में महत्वपूर्ण है। इन प्रणालियों की देखरेख करने वाले कर्मचारी अक्सर फील्ड में कठिन परिस्थितियों में काम करते हैं। नई टूल किट से उन्हें एक ही बैग में सभी जरूरी और आधुनिक उपकरण उपलब्ध हो जाएंगे, जिससे काम जल्दी, सुरक्षित और सही तरीके से किया जा सकेगा। यह विशेष टूल किट फ्रंटलाइन मेंटेनेंस स्टाफ की कार्यक्षमता को बढ़ाने, अनुसंधान अभिकल्प और मानक संगठन (RDSO) के सेफ्टी स्टैंडर्ड्स के अनुपालन को सुनिश्चित करने तथा ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग के कार्यान्वयन और पूरे मंडल में कवच प्रणाली के रोलआउट जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स को प्रभावी रूप से समर्थन देने के उद्देश्य से तैयार की गई हैं।

टूल किट की प्रमुख विशेषताएं 20+ आधुनिक उपकरण शामिल हैं, जैसे

इस किट को 'ऑल–इन–वन' समाधान के रूप में डिजाइन किया गया है, जिसमें पारंपरिक और डिजिटल दोनों तरह के उपकरण शामिल हैं:

1. डिजिटल मल्टीमीटर और क्लैंप मीटर (Metravi/Fluke), अर्थ टेस्टर क्लैंप टाइप
2. केबल फॉल्ट लोकेटर,
3. सैमसंग टैबलेट (SMMS अपडेशन हेतु) ।
4. मैकेनिकल टूल्स,साइड कटिंग, नोज़ और कॉम्बिनेशन प्लायर, डबल एंड स्पैनर, स्क्रूड्राइवर सेट, वायर स्ट्रिपर। मेंटेनेंस टूल्स,सोल्डरिंग आयरन, ग्रीस गन, पॉइंट मशीन टूल किट.
5. MSDAC मेंटेनेंस किट, EI टूलकिट।
6. सुरक्षा उपकरण, स्टील टेप, हथौड़ा और विशेष पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट (PPE)।

सकारात्मक प्रभाव

त्वरित प्रतिक्रिया (MTTR): केबल फॉल्ट लोकेटर और डिजिटल टूल्स की मदद से तकनीकी खामियों को कम समय में ठीक किया जा सकेगा।

डिजिटल सशक्तिकरण: टैबलेट के माध्यम से SMMS पर रियल–टाइम डेटा अपडेशन संभव होगा, जिससे कागजी कार्रवाई कम होगी।

मेंटेनेंस कर्मियों को सभी आवश्यक एवं मानकीकृत टूल्स एवं डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता से ऑपरेशनल एफिशिएंसी, सेफ्टी तथा सिस्टम की विश्वसनीयता में उल्लेखनीय सुधार होगा।

आयोग ने बच्चों के जोखिम भरे कृत्य को नियंत्रित करने के लिए अनुशंसा की

गंभीरता तथा स्नेह के साथ बच्चों को समझाईश दी जाये : डॉ. वर्णिका शर्मा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने संचालक लोक शिक्षण, सर्व कलेक्टर तथा जिला शिक्षा अधिकारियों को एक लिखित अनुशंसा भेजकर निर्देश जारी करने को कहा है कि बच्चों के अनमोल जीवन को जोखिम भरे करतबों से बचाया जाये । डॉ. वर्णिका शर्मा ने अनुशंसा में लिखा है कि विगत दिनों में समाचार पत्रों के माध्यम से शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों में बच्चों द्वारा विदाई समारोह या अन्य अवसरों पर जोखिम भरे कृत्य करने के दृश्य संज्ञान में आये हैं जैसे बच्चों द्वारा चलते वाहनों पर खिड़कियों से बाहर निकलना, दुपहिया वाहनों के स्टंट, वाहनों की तेज रफ्तार से ड्रायविंग आदि, जिससे बच्चों के अनमोल जीवन को खतरा हो सकता है। उन्होंने यह लिखा है कि इसमें संदेह नहीं है कि किशोरावस्था में बच्चों में रोमांचक और साहसी कार्यों के प्रति रूझान होता है, परंतु इनसे बच्चों के अनमोल जीवन को खतरा नहीं पहुँचना चाहिए । यदि ऐसे कार्यों पर रोक नहीं लगाई गई तो भविष्य में आने वाले वर्षों में ये जोखिम भरे करतब एक परंपरा का रूप भी ले सकते हैं । इसलिए आयोग ने बालक अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग कर यह अनुशंसा की है कि शालाओं में विदाई समारोह या अन्य समारोह को यदि बच्चों द्वारा आयोजित किया जा रहा है तो इसकी सूचना शाला प्रबंधन को होना चाहिए एवं इसका एक प्रोटोकॉल होना चाहिए । ऐसे समारोह गरिमामय तरीके से शिक्षकों की देखरेख में आयोजित किया जावे व शाला प्रबंधन सुनिश्चित करें कि इसमें कोई जोखिम भरे करतब न हों । अन्य अवसरों पर भी ऐसे कृत्यों को आयोजित ना होने देना शाला प्रबंधन की जिम्मेदारी होगी। यदि ऐसी घटनाएँ प्रकाश में आएँ तो तत्काल संबंधित शाला प्रमुख को नोटिस जारी कर कारण भी पूछा जावे व सचेत भी किया जावे । ऐसी घटनाएं प्रकाश में आने पर उचित पुलिस पदाधिकारियों द्वारा बच्चों को शालाओं में जाकर गंभीरता तथा स्नेह के साथ समझाईश दी जाये । उन्होंने अनुशंसा पर शिक्षा विभाग व कलेक्टर्स से कार्यवाही करते हुए आयोग को दिनांक 20 फरवरी 2026 तक लिखित में अवगत कराने का भी लेख किया है।

रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल में छग का पहला एबीओ-इनकम्पैटिबल पीडियाट्रिक लिवर ट्रांसप्लांट सफल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

1.5 वर्षीय बच्चे पर किए गए इस सफल ट्रांसप्लांट से छत्तीसगढ़ एवं आसपास के राज्यों के परिवारों को उन्नत बाल लिवर ट्रांसप्लांट सुविधा अपने ही राज्य में उपलब्ध हो सकेगी, जिससे महानगरों पर निर्भरता कम होगी।

रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल ने चिकित्सा क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए छत्तीसगढ़ का पहला एबीओ–इनकम्पैटिबल पीडियाट्रिक लिवर ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किया है। यह मामला न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे मध्य भारत में दुर्लभ और अत्यंत चुनौतीपूर्ण मामलों में से एक माना जा रहा है, जो क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं में एक बड़ी प्रगति को दर्शाता है।

डेढ़ वर्ष का यह बच्चा जन्म से ही पीलिया, पेट में पानी भरना, गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त लिवर, संक्रमण तथा अत्यंत कम हीमोग्लोबिन जैसी समस्याओं से पीड़ित था। विस्तृत जांच एवं मूल्यांकन के बाद डॉक्टरों ने पहले संक्रमण को नियंत्रित किया और फिर लिवर ट्रांसप्लांट को बच्चे के जीवन को बचाने का एकमात्र विकल्प माना।

दोनों माता–पिता लिवर दान करने के लिए तैयार थे, लेकिन रक्त समूह मेल न खाने के कारण सामान्य लिवर ट्रांसप्लांट संभव नहीं था। ऐसे में मेडिकल टीम ने एबीओ–इनकम्पैटिबल लिवर ट्रांसप्लांट का निर्णय लिया, जो विशेष रूप से छोटे बच्चों में अत्यंत दुर्लभ और जोखिमपूर्ण प्रक्रिया मानी जाती है।

इस केस की जटिलता इसलिए भी बढ़ गई क्योंकि बच्चे की रक्त नलिकाएं बेहद छोटी और नाजुक थीं, जिससे सर्जरी के दौरान पुनर्निर्माण एक बड़ी चुनौती थी। इसके बावजूद विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने उन्नत तकनीक और उच्च स्तरीय सर्जिकल कौशल के माध्यम से लैप्रोस्कोपिक तरीके से यह जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक की, जिसमें पिता ने अपने लिवर का एक हिस्सा दान किया।

सर्जरी के बाद बच्चे को अस्थायी रूप से सांस से जुड़ी समस्या हुई, जिसके लिए ब्रोंकोस्कोपी की आवश्यकता पड़ी। समय पर चिकित्सा हस्तक्षेप, उन्नत दवाइयों और सतत निगरानी के चलते बच्चे की स्थिति में तेजी से सुधार हुआ और कुछ ही दिनों में उसे स्वस्थ एवं स्थिर अवस्था में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल में सभी सुपर–स्पेशियलिटी सेवाओं की उपलब्धता एक बार फिर व्यवहारिक रूप से देखने को मिली।

डॉ. संदीप दवे, मेडिकल एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स ने कहा, यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि अब छत्तीसगढ़ और मध्य भारत में अत्याधुनिक और जटिल चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हैं। अब परिवारों को जीवनरक्षक पीडियाट्रिक ट्रांसप्लांट के लिए दूर–दराज के शहरों में जाने की आवश्यकता नहीं है। यह सफलता हमारी पूरी मेडिकल टीम की प्रतिबद्धता, अनुभव और तकनीकी उत्कृष्टता को दर्शाती है।

एक यूनिट के रूप में, हम राज्य में कैडेवर अंग प्रत्यारोपण सेवाओं के प्रति जागरूकता फैलाने की भी सिफारिश करते हैं, ताकि अंग दान की प्रतीक्षा कर रहे उन अनेक मरीजों को आशा मिल सके, जो कैडेवर अंग प्रत्यारोपण के बारे में जानकारी के अभाव में अपनी जान गंवा देते हैं।

डॉ. सोनल अस्थाना, सीनियर कंसल्टेंट –लिवर ट्रांसप्लांट एवं एचपीबी एवं ट्रांसप्लांटेशन, एस्टर इंटीग्रेटेड लिवर केयर इंस्टीट्यूट ने कहा, एबीओ–इनकम्पैटिबल लिवर ट्रांसप्लांट में सबसे बड़ी चुनौती इम्यूनोलॉजिकल मैनेजमेंट होती है, विशेष रूप से बाल रोगियों में। इस प्रकार के ट्रांसप्लांट में जोखिम अधिक होता है। सख्त प्री–ट्रांसप्लांट प्रोटोकॉल, सावधानीपूर्वक तैयारी और मल्टी–डिसिप्लिनरी अप्रोच के माध्यम से यह जटिल प्रक्रिया सुरक्षित रूप से पूरी की गई।

डॉ. वचन एस हुक्केरी, सीनियर कंसल्टेंट ङ्क लिवर ट्रांसप्लांट एवं एचपीबी सर्जरी ने कहा, सर्जरी के प्रत्येक चरण में अत्यधिक सावधानी और सटीकता की आवश्यकता थी, क्योंकि शिशु की रक्त नलिकाएं बेहद छोटी और नाजुक थीं। सटीक सर्जिकल योजना और टीमवर्क के कारण हम इस चुनौती को सफलतापूर्वक पार कर सके।

डॉ. हितेश दुबे, कंसल्टेंट – हेपेटोबिलियरी एवं लिवर ट्रांसप्लांट सर्जन, रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल, रायपुर ने कहा, इतने छोटे बच्चे में एबीओ–इनकम्पैटिबल पीडियाट्रिक लिवर ट्रांसप्लांट तकनीकी रूप से अत्यंत चुनौतीपूर्ण होता है। सटीक योजना, आधुनिक तकनीक और टीमों के बीच बेहतर समन्वय के चलते सर्जरी सफल रही। बच्चे का तेजी से स्वस्थ होना हमारे लिए सबसे बड़ा संतोष है।

डॉ. पवन जैन, विभागाध्यक्ष –बाल रोग, रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल, रायपुर ने कहा, ऐसे मामलों में सर्जरी से पहले और बाद की देखभाल अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। निरंतर निगरानी और समय पर चिकित्सा हस्तक्षेप के कारण बच्चा अब पूरी तरह स्वस्थ और स्थिर है।

विशेषज्ञ डॉक्टरों, उन्नत तकनीक और समर्पित देखभाल के संयुक्त प्रयासों से बच्चा अब पूरी तरह स्वस्थ है और यह सफलता न केवल परिवार बल्कि पूरे राज्य के लिए आशा और विश्वास का प्रतीक बन गई है।

रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के बारे में

1992 में डॉ. संदीप दवे द्वारा स्थापित, रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स केयर हॉस्पिटल्स समूह का एक प्रमुख संस्थान है। एनएबीएच से मान्यता प्राप्त यह अस्पताल गुणवत्ता, नवाचार और उन्नत चिकित्सा सेवाओं के लिए जाना जाता है। अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, रोबोटिक सर्जरी सिस्टम, विशेष आईसीयू और 30 से अधिक सुपर–स्पेशियलिटी सेवाओं के साथ यह अस्पताल कार्डियोलॉजी, न्यूरोसाइंसेज, ऑन्कोलॉजी, नेफ्रोलॉजी सहित कई क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्र संचालित करता है। अस्पताल का 24म7 आपातकालीन विभाग, जिसे 2025 में एएचपीआई द्वारा सम्मानित किया गया, चौबीसों घंटे आपात चिकित्सा सेवाएं प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, ऑन्कोलॉजी विभाग में इम्यूनोथेरेपी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट सेवाओं का भी विस्तार किया गया है। रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल निरंतर सुलभ, संवेदनशील और विश्व–स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक–शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक–हरीश नचरानी, मो.–9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771–2223399, मो.–6262904444